THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 64 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.4 2083 गुरुवार, 4 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केंद्रीय गृह मंत्री करेंगे शिलांग दौरा

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 जून को शिलांग में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के 73वें पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में पर्यटन, कृषि, बागवानी और निवेश को बढ़ावा देने जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल होंगे। बैठक में बांस, अगरवुड, अष्टलक्ष्मी दर्शन और अन्य प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई। गुरुवार को होने वाले पूर्ण अधिवेशन में विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए गठित मुख्यमंत्रियों की उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की प्रगति पर चर्चा होगी। बैठक में पर्यटन, कृषि और बागवानी, निवेश संवर्धन, दूध, अंडे, मछली और मांस उत्पादन में आत्मनिर्भरता, खेलों को बढ़ावा देने तथा आर्थिक गलियारों के विकास पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

6 मंजिला होटल में आग, 21 की मौत

> इनमें ज्यादातर विदेशी > 40 लोगों का रेस्क्यू > 25 कमरों वाले होटल के पास फायर एनओसी नहीं

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मालवीय नगर में बुधवार सुबह फ्लरिश स्टे नाम के होटल में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर विदेशी नागरिक हैं।

जो सेंट्रल एशिया और अफ्रीकी देशों से हैं। कितने विदेशी नागरिक मारे गए हैं, फिलहाल इसकी सटीक जानकारी सामने नहीं आई है। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने होटल के कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई।

घटना के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। कुल 40 लोगों का रेस्क्यू किया गया। कई लोगों की हालत गंभीर है। वहीं, बेसमेंट से भी 6 से ज्यादा लोगों को निकाला गया। दिल्ली के इस होटल में आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

नीचे लपटें, रास्ता जाम, चौथी मंजिल से कूदे लोग

आग ने पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। कई लोग जान बचाने के लिए होटल की खिड़की से कूद गए। एक मां ने बेटे को सीने से चिपकाए तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। एंबुलेंस लेट हुई तो घायलों को कंधे पर उठाकर दौड़े लोग।

हर खिड़की बंद, एक ही सीढ़ी, सुरक्षा इंतजाम फेल

होटल की जांच में सामने आईं गंभीर खामियां

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई विदेशी नागरिक हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई घायल गंभीर हालत में हैं।

इस बीच होटल की जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग कि सभी खिड़कियां बंद थीं और पूरी इमारत में केवल एक ही सीढ़ी है। चीफ फायर ऑफिसर (साउथ जोन) अभिलाष कुमार मलिक ने बताया, 'सर्च ऑपरेशन के दौरान मैंने होटल की इमारत का ऊपर से नीचे तक अच्छी तरह निरीक्षण किया। बिल्डिंग में एक बेसमेंट, एक ग्राउंड फ्लोर और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। पूरी इमारत में लिफ्ट के साथ केवल एक ही सीढ़ी है।

इमारत पूरी तरह से सीलबंद है। सामने का हिस्सा पूरी तरह से ढका हुआ है और बाथरूम की खिड़कियों सहित हर एक खिड़की को कसकर बंद कर दिया गया है। वेंटिलेशन या धुएं के निकलने के लिए एक भी खिड़की खुली नहीं छोड़ी गई है।' अधिकारी ने आगे बताया, 'आग लगने की स्थिति में, इस तरह से बनी संरचनाएं चिमनी की तरह काम करती हैं। जैसे ही आग लगती है, बंद हिस्से धुएं और गर्मी को तुरंत ऊपरी मंजिलों तक धकेल देता है। यह इतनी तेजी से होता है कि अंदर रहने वाले लोग पूरी तरह से अलग-थलग पड़ जाते हैं और उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने का समय नहीं मिलता।

प्राइम एशिया के साथ बचाव अभियान चलाते समय, हमें तुरंत पता चला कि इमारत में इंटरनल फायर सेफ़्टी सिस्टम का पूरी तरह से अभाव था।' पुलिस सूत्रों के अनुसार, होटल में केवल एक ही प्रवेश-निकास द्वार था। उन्होंने बताया कि अग्निशमन संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की जांच की जा रही है।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, पार्टी से निकाले गए थे

कोलकाता, 3 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में ममता की टीएमसी में फूट पड़ गई है। सोमवार को पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी के 58 बागी एमएलए ने विधायक दल का नेता घोषित किया। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मिलकर समर्थन पत्र भी सौंपा। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता बनाया गया है। वहीं अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है। लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार किया है।

सोमवार को अभिषेक बनर्जी के लेटर हेड पर स्पीकर को भेजे गए पत्र में शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने का प्रस्ताव भेजा था। विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की थी कि इस प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर फर्जी हैं।

शिकायत के बाद ममता ने दोनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पार्टी के भीतर बगावत के बीच ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य की सभी कमेटियों और फ्रंटल संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। पार्टी अब पूरे संगठन का पुनर्गठन करेगी। ममता बनर्जी ने टीएमसी से 2 विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी से निकाल दिया था। दोनों ने स्पीकर से शिकायत की थी कि पार्टी ने शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने वाले प्रस्ताव में उनके उनके फर्जी साइन किए थे। साहा और बनर्जी का आरोप है कि यह शिकायत करने पर ही दोनों टीएमसी से निकाले गए।

अभी टीएमसी पर काबिज नहीं हो पाएंगे बागी विधायक

टीएमसी के बागी विधायक नेता विपक्ष, चीफ व्हिप जैसे पद तो ले सकते हैं, लेकिन शिवसेना और एनसीपी की तरह पार्टी पर अधिकार अभी नहीं ले पाएंगे। अगर ऐसा होता है तो बड़े गुट के दावे पर चुनाव आयोग फैसला लेगा।

मामला कोर्ट भी जा सकता है। हालांकि इसके लिए दो-तिहाई यानी 28 में से 19 लोकसभा सांसदों की भी जरूरत भी होगी। इसके अलावा संगठन के पदाधिकारियों का भी रुख महत्वपूर्ण होता है, इससे बचने के लिए ममता ने पहले ही सभी कमेटियां भंग कर दी हैं। यह मामला मुख्य रूप से दसवीं अनुसूची में दिए दलबदल कानून, पार्टी संगठन के संविधान और निर्वाचन आयोग के नियमों से तय होता है।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

केंद्र का निर्देश-राज्य तुरंत एक्शन प्लान लागू करें, 2 सिस्टम बने तो ही बारिश की उम्मीद

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80% है। नवंबर तक इसके 90% या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। इन सबके बावजूद भारत में 2 एक्टिव सिस्टम यानी इंडियन ओशन डायपोल (आईओडी) और मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन (एमजेओ) से मानसून बच सकता है। ये बादलों और हवाओं का एक ऐसा वैश्विक सिस्टम है तो मूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है।

ऋतब्रत बोले-स्पीकर ने हमारा दावा मंजूर किया

> ममता से अपील-मुख्य सलाहकार बनकर मार्गदर्शन करें

कोलकाता, 3 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी घमासान अब और तेज हो गया है। निष्कासित और निलंबित नेताओं के बयानों ने पार्टी के अंदर बड़े विभाजन के संकेत दे दिए हैं। टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि विधानसभा स्पीकर ने उनके 58 विधायक दल वाले गुट की दावेदारी स्वीकार कर ली है। ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि उनका गुट ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इस गुट के दल का मुख्य सलाहकार बनने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि

ममता बनर्जी पार्टी को मार्गदर्शन देती रहें। दूसरी तरफ निष्कासित टीएमसी नेता संदीपन साहा ने भी दावा किया कि नेता विपक्ष का कमरा आधिकारिक तौर पर आवंटित हो चुका है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि बागी गुट अब खुद को विधानसभा के अंदर असली टीएमसी विधायक दल के रूप में पेश कर रहा है। ऋतब्रत ने यह भी कहा कि मैंने पार्टी में बात करने की कोशिश की तो पहले तीन दिन तो मुझे घुसने ही नहीं दिया गया। भ्रष्टाचार इस चुनाव का अहम मुद्दा रहा। बार-बार बोलने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि सबूत थे।

डीके शिवकुमार कर्नाटक के नए सीएम

> संविधान हाथ में लेकर ली शपथ, जी परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने

बंगलूरू, 3 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के गठन के साथ बुधवार को डीके शिवकुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान शिवकुमार ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण ली। राज्यपाल ने दोनों नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा मंत्रिपरिषद के विस्तार के तहत 12 अन्य नेताओं को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जा रही है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया का नाम भी शामिल है। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। 30 मई को बंगलूरू में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया।

28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा गया था। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिसके बाद आज शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। डीके शिवकुमार ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1980 के दशक की शुरुआत में एक छात्र नेता के तौर पर की थी। 1979 में जब देवराज उर्स और उनके समर्थक कांग्रेस पार्टी छोड़कर चले गए थे, तब शिवकुमार ने एक छात्र नेता के रूप में कांग्रेस में अपनी पैठ बनाई और पार्टी में अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

नए कैबिनेट में कांग्रेस प्रमुख-पूर्व सीएम के बेटे को भी जगह

कर्नाटक में आज (3 जून) सियासी रूप से हलचल का दिन है। दरअसल, सिद्धारमैया ने बीते हफ्ते मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कांग्रेस विधायक दल ने डीके शिवकुमार को अपना नेता चुना। अब आज शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। शीर्ष नेतृत्व में परिवर्तन होने के साथ अब मंत्रिमंडल में भी आमूलचूल परिवर्तन के कयास लगाए जा रहे हैं।

हालांकि, सिद्धारमैया के कार्यकाल में मंत्री रहे कई नेताओं को नए कैबिनेट में भी मौका दिया गया है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर डीके शिवकुमार के नए कैबिनेट में किस-किस नेता के मंत्री के तौर पर शामिल होने का मौका मिला है? इन नेताओं की उम्र, शिक्षा और राजनीतिक इतिहास को लेकर क्या जानकारी मौजूद है? इनके पेशे और संपत्ति का क्या ब्योरा मौजूद है?

'नेबरहुड फर्स्ट' नीति को नई रफ्तार

पीएम मोदी से मिले नेपाल के आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारत और नेपाल के रिश्तों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा संदेश दिया है। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने दोनों देशों के साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि रवि लामिछाने से मुलाकात का अवसर पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि नेपाल के साथ मिलकर साझा समृद्धि और विकास के लिए काम करने की उनकी आकांक्षा का वह स्वागत करते हैं और इस सोच से पूरी तरह सहमत हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल भारत का एक प्राथमिकता वाला साझेदार है। उन्होंने भरोसा जताया कि नई सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों के विशेष,

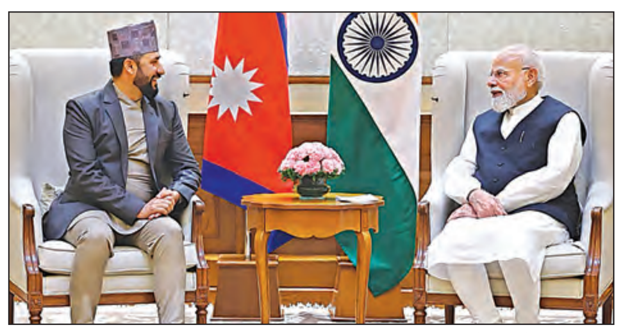

बहुआयामी और ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत और नेपाल के बीच सहयोग केवल राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, शिक्षा, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे कई क्षेत्रों तक फैला हुआ है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत नेपाल के साथ घनिष्ठ सहयोग आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक व्यापक तथा मजबूत बना सकता है। इससे पहले मंगलवार को लामिछाने ने बीजेपी के अध्यक्ष नितिन नवीन, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। लामिछाने ने एक्स पोस्ट पर इन मुलाकातों को बेहद अहम और उपयोगी करार दिया था। मुलाकात में नेपाल-भारत संबंध, आपसी हित, लोकतांत्रिक अभ्यास, सुरक्षा सहयोग तथा दोनों देशों के राजनीतिक दलों के बीच संवाद और सहयोग के विषयों पर विचार-विमर्श हुआ था।

भारत की ब्लू इकोनॉमी विकास के एक शक्तिशाली इंजन के रूप में उभर रही है : पीयूष

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत की ब्लू इकोनॉमी (समुद्री अर्थव्यवस्था) तेजी से विकास का एक शक्तिशाली इंजन बनकर उभर रही है। इसकी प्रमुख वजह समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड) के निर्यात में लगातार बढ़ोतरी और वैश्विक बाजार में भारतीय समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के मछुआरों को अब बड़े बाजारों तक पहुंच और बढ़ते निर्यात अवसरों का लाभ मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। पीयूष गोयल ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में समुद्री खाद्य निर्यात में लगभग 145 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा, हमारे मछुआरों को नए बाजारों और बढ़ते निर्यात का लाभ मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में समुद्री खाद्य निर्यात ने नया रिकॉर्ड बनाया है। वित्त वर्ष 2013-14 से निर्यात में लगभग 145 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत की ब्लू इकोनॉमी विकास के एक शक्तिशाली इंजन के रूप में उभर रही है। इस बीच, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह उपलब्धि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद इस क्षेत्र की मजबूती को दर्शाती है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाती है। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 19.72 लाख मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया।

कुवैत हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला, एक भारतीय की मौत, 63 घायल

कुवैत, 3 जून (एजेंसियां)। कुवैत हवाई अड्डे पर हुए एक भीषण हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। 63 लोग घायल हो गये। कुवैत में स्थित भारतीय दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने भारतीय नागरिक की मौत पर गहरा दुख जताया है। दूतावास के अधिकारी पीड़ित परिवार के साथ लगातार संपर्क में बने हुए हैं। वे परिवार को हर मुमकिन सहायता और सहयोग देने के लिए कुवैत के अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहे हैं। इस हमले में जो लोग घायल हुए हैं, दूतावास उन्हें भी पूरी मदद पहुंचाने का काम कर रहा है।

कुवैत ने ईरानी सेना पर लगाया आरोप

यह हमला कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की पैसेंजर बिल्डिंग (टी1) को निशाना बनाकर किया गया था। कुवैत की सेना ने आरोप लगाया है कि ईरान ने ड्रोन के जरिए यह हमला किया।

'साहब की कार' पर केंद्र की बंदिशें

> अतिरिक्त प्रभार में नहीं मिलेगा वाहन, महीने में केवल 250 लीटर तेल मिलेगा

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार में 'साहब' की 'स्टाफ कार' पर कई तरह के प्रतिबंध लग गए हैं। ऊर्जा संकट के बीच ऐसा निर्देश जारी होने के पीछे मुख्य कारण, सरकारी गाड़ियों के दुरुपयोग पर शिकंजा कसना है।

केंद्र सरकार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि में स्टाफ कार के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। इसके चलते वित्त मंत्रालय ने व्यय विभाग की सहमति से स्टाफ कार के इस्तेमाल को लेकर नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त प्रभार के दौरान अफसर को एक ही कार मिलेगी। दूसरा, सरकारी उपक्रमों की कारों का इस्तेमाल, अफसर खुद के लिए नहीं करेंगे। तय किलोमीटर से ज्यादा कार चली तो नियमानुसार संबंधित अफसर से वसूली की जाएगी। एक माह में स्टाफ कार 500 किमी ही चलेगी। वित्त मंत्रालय ने केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं कार्यालयों में स्टाफ कारों के

उपयोग को लेकर ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि मंत्रालय ने सितंबर 2022 में स्टाफ कार बाबत जो नियम तय किए थे, उन्हीं में उक्त निर्देशों को शामिल किया गया है।

अब स्टाफ कार के इस्तेमाल के लिए इन सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। इन निर्देशों में कहा गया है कि केंद्र सरकार में कोई अधिकारी, जो पहले से ही अपने नियमित पद के लिए अधिकृत कार का उपयोग कर रहा है, उसे किसी अन्य मंत्रालय/विभाग, संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि में किसी पद का अतिरिक्त प्रभार संभालते समय अतिरिक्त वाहन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। ऐसी स्थिति में वहां पर जितने भी ऐसे वाहन होंगे, जिनका उपयोग नहीं हो रहा है, उन्हें सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाए। केंद्र सरकार के अधिकारी, सरकारी उपक्रमों या अर्ध सरकारी/स्वायत्त संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित कर्मचारियों की कारों को अपने उपयोग के लिए नहीं रखेंगे।

सीबीएसई ने जोड़े फीस जमा करने के चार नए गेटवे

> अब तक 40000 आवेदन मिले, 6 जून अंतिम तिथि

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का वेरिफिकेशन और री-इवैल्युएशन पोर्टल छात्रों के भारी ट्रैफिक और कई साइबर हमलों के प्रयासों के बावजूद पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू रूप से काम कर रहा है। सीबीएसई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस बात की आधिकारिक जानकारी साझा की है। छात्रों से मिले फीडबैक के बाद बोर्ड ने पोर्टल में कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, जिसमें सेशन टाइम लिमिट (समय सीमा) को बढ़ाना भी शामिल है।

सीबीएसई द्वारा जारी ताजा अपडेट के अनुसार, पोर्टल की क्षमता को अब काफी बढ़ा दिया गया है, जिससे अब एक साथ लगभग 14,000 यूजर्स इस वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं। पोर्टल पर लगातार बढ़ रहे आवेदनों के बीच सफल सबमिशन की संख्या तेजी से बढ़ी है। आज सुबह 9:30 बजे तक करीब 40,000 छात्र इस सुविधा का लाभ उठाकर बिना किसी परेशानी के अपनी आवेदन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं।

भुगतान के लिए उपलब्ध कराए गए 4 नए गेटवे

सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि छात्रों की सुविधा के लिए वेरिफिकेशन और री-इवैल्युएशन पोर्टल पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और इंडियन बैंक के पेमेंट गेटवे उपलब्ध कराए गए हैं। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि भुगतान पूरा करने के लिए छात्रों का इन विशिष्ट बैंकों में खाता होना जरूरी नहीं है। वे इन गेटवे के माध्यम से किसी भी बैंक के ऑनलाइन भुगतान विकल्पों जैसे- यूपीआई, नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का उपयोग करके अपनी फीस जमा कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का आतंकवाद के खिलाफ एक्शन, छह जिलों में आठ जगहों पर पुलिस की छापेमारी

जम्मू, 3 जून (एजेंसियां)। कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने बुधवार को आतंकवाद से जुड़े मामलों के सिलसिले में घाटी भर में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने केंद्र शासित प्रदेश के छह जिलों में आठ जगहों पर तलाशी शुरू की है। यह तलाशी पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादी नेटवर्क, स्लीपर सेल और आतंकवाद के लिए भर्ती, कट्टरपंथ और मदद से जुड़ी गतिविधियों की चल रही जांच के सिलसिले में की जा रही है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि कुल 8 स्थानों पर 6 जिलों में तलाशी अभियान चलाया गया।

श्रीनगर और बांदीपोरा में दो-दो ठिकानों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम और सोपोर में भी पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया है।

कांग्रेस का अरुणाचल के सीएम पर आरोप

कहा- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद फाइल पर रख रहे नियंत्रण

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को भाजपा पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में मनमानी करने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने उन सभी फाइलों पर नियंत्रण रखा है, जो सुप्रीम कोर्ट के अनुसार सीबीआई जांच का हिस्सा होनी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 6 अप्रैल को सीबीआई को अरुणाचल प्रदेश में सार्वजनिक कार्यों के लिए ठेकों के तरजीही आवंटन के आरोपों की प्रारंभिक जांच दर्ज करने का निर्देश दिया। जिसमें आरोप लगाया गया है कि ये ठेके मुख्यमंत्री खांडू के परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली या उनसे संबंधित कंपनियों को दिए गए हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि खंडू के मामले में भाजपा ने सभी सिद्धांतों और मानदंडों को त्याग दिया है। यह सर्वोच्च न्यायालय का अपमान है। रमेश ने एक्स पर लिखा, 'सुप्रीम कोर्ट की ओर से वहां के मुख्यमंत्री के फैसले की सीबीआई जांच का आदेश दिए। इसके बावजूद, भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में बेशर्मी से काम लेने का स्पष्ट फैसला लिया है।' कांग्रेस के संचार

प्रभारी महासचिव ने कहा, 'मुख्यमंत्री अभी भी सार्वजनिक कल्याण मंत्री हैं और इसलिए सीबीआई जांच में शामिल होने वाली सभी फाइलों पर उनका नियंत्रण है।

सभी सिद्धांतों और मानदंडों को दरकिनार कर दिया गया है।' उन्होंने कहा कि यह सर्वोच्च न्यायालय, अरुणाचल प्रदेश की जनता और भारत के संविधान का अपमान है। पिछले महीने कांग्रेस ने सवाल उठाया था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री खांडू के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू करने का निर्देश दिए जाने के बावजूद उन्हें पद से क्यों नहीं हटाया गया है।रमेश ने कहा था कि यह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का घोर उल्लंघन है। उन्होंने कहा था कि 6 अप्रैल, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सीबीआई को उन आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू करने का निर्देश दिया था कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के परिवार को जनवरी 2015 से दिसंबर 2025 तक 10 वर्षों में 1,270 करोड़ रुपये के ठेके सीधे हितों के टकराव में दिए गए थे।

यह देखते हुए कि राज्य और उसके तंत्र किसी भी राजनीतिक या प्रशासनिक पदाधिकारी की मनमानी के अनुसार लाभ नहीं दे सकते। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यह एक ऐसा मामला है जहां स्वतंत्र जांच आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि जहां कोई मामला सार्वजनिक खरीद की अखंडता से संबंधित है और इसमें उच्चतम स्तर पर हितों के टकराव के आरोप शामिल हैं, वहां जांच न केवल निष्पक्ष होनी चाहिए बल्कि निष्पक्ष प्रतीत भी होनी चाहिए।

अग्निवीर भर्ती पर भाजपा को घेरने की रणनीति

युवाओं के मुद्दों को सियासी धार देंगे राहुल गांधी

देहरादून, 3 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने 2027 चुनाव मैदान में अग्निवीर भर्ती व प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर भाजपा को घेरने की रणनीति बनाई है। इन मुद्दों पर उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सियासी वार करेंगे। अल्मोड़ा रैली में जनता और पौड़ी में पूर्व सैनिकों के मुद्दों पर कांग्रेस धार देगी। चार जून को पौड़ी में होने वाले पूर्व सैनिक सम्मेलन के माध्यम से कांग्रेस ने पूर्व सैनिकों और युवाओं को साधने की रणनीति बनाई है। इस सम्मेलन में राहुल गांधी अग्निपथ योजना, वन रैंक वन पेंशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद करेंगे। पूर्व सैनिकों की पेंशन को आयकर के दायरे में लाने का मुद्दा भी चर्चा का मुख्य विषय रहेगा। उत्तराखंड में पूर्व सैनिकों व युवाओं का बड़ा वोट बैंक है। कांग्रेस का लक्ष्य इन वर्गों को साधने की है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि ये मुद्दे देश के बड़े हिस्से को प्रभावित करते हैं। अग्निपथ योजना को लेकर युवाओं में काफी असंतोष देखा गया है। राहुल गांधी इस योजना के विभिन्न पहलुओं पर युवाओं से सीधे बातचीत करेंगे। वन रैंक वन पेंशन का मुद्दा पूर्व सैनिकों के लिए लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराएगी।

पूर्व सैनिकों की पेंशन पर आयकर का मुद्दा भी संवेदनशील है। राहुल गांधी पूर्व सैनिकों के मुद्दों पर भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना कर सकती है। कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग पहले ही प्रदेश भर में रथ यात्रा निकाल कर अग्निपथ योजना की कमियों को लेकर युवाओं व पूर्व सैनिकों तक पहुंची है। अब राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा भी पूर्व सैनिक व युवाओं पर फोकस रहेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल का कहना है कि अग्निवीर भर्ती प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ धोखा है। उत्तराखंड के युवाओं की सेना में सबसे बड़ा योगदान रहा है। लेकिन अग्निवीर भर्ती से युवाओं व उनके परिवार चिंतित हैं।

सीमाओं की सुरक्षा होगी और मजबूत

रोबोटिक तकनीक से बनेंगे आर्टिलरी शेल, बालू फोर्ज को मिला ऑर्डर

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना के तोपखाने को और मजबूत करने के लिए देश में एक बड़ी शुरुआत होने जा रही है। अब भारतीय सेना के लिए बारूदी गोले इंसानों द्वारा नहीं, बल्कि एडवांस रोबोटिक तकनीक से बनाए जाएंगे। रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत 'बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड' को 30,000 स्वदेशी 152एमएम आर्टिलरी गोलों की सप्लाई का एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इस खास डील के तहत गोलों की सप्लाई इसी महीने यानी जून 2026 से शुरू होने जा रही है। जानकारी के मुताबिक इन बारूदी गोलों का निर्माण कर्नाटक के बेलगाम में स्थित बालू फोर्ज की नई 'ग्रीनफील्ड' फैक्ट्री में किया जाएगा।

इस प्लांट की सबसे बड़ी खासियत इसकी अत्याधुनिक तकनीक है। 100% स्वदेशी और ऑटोमैटिकः यह प्रोडक्शन लाइन पूरी तरह से स्वचालित है, यानी यहां इंसानों की सीधी भागीदारी नहीं होगी। सटीकता और रफ्तारः रोबोटिक तकनीक से चलने के कारण इन

बारूदी गोलों के निर्माण में गजब की सटीकता और जबरदस्त रफ्तार मिलेगी। इससे बिना किसी गलती के बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन संभव होगा। बढ़ती मांग के लिए तैयारीः बड़े कैलिबर वाले गोला-बारूद की बढ़ती जरूरत को देखते हुए कंपनी इस रोबोटिक लाइन की क्षमता को और ज्यादा बढ़ाने पर काम कर रही है। शुरुआती तौर पर मिला यह 30,000 गोलों का ऑर्डर सिर्फ एक शुरुआत है। भविष्य में इस योजना के तहत 1 लाख से अधिक एडवांस गोले बनाने की तैयारी है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं जैसे सभी संवेदनशील मोर्चों पर भारतीय सेना को हाई-कैपेसिटी वाले गोला-बारूद की लगातार और भरोसेमंद सप्लाई सुनिश्चित करना है। बालू फोर्ज ने न केवल देश में बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी अपनी धाक जमाई है। कंपनी के पास नाटो सर्टिफिकेशन है, जो यह साबित करता है कि इसके कड़े क्वालिटी कंट्रोल और मेटल की क्वालिटी अंतरराष्ट्रीय स्तर की है।

स्कूल के मैदान में गिरा संदिग्ध ड्रोन, बच्चों में मचा हड़कंप; जांच में निकला आर्मी कनेक्शन

जालंधर, 3 जून (एजेंसियां)। जालंधर में आदमपुर के गांव हरिपुर स्थित सरकारी स्कूल के खेल मैदान में उस समय हड़कंप मच गया, जब बच्चों के पास एक संदिग्ध ड्रोन आकर गिरा। बच्चे ड्रोन को उठाकर गांव के सरपंच के पास ले गए, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। डीएसपी राजीव कुमार ने टीम सहित घटनास्थल का निरीक्षण किया और ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। शुरुआती तौर पर गांव के लोगों में डर का माहौल बन गया था, क्योंकि ड्रोन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

जांच के दौरान मौके पर पहुंचे आर्मी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह सेना का ड्रोन है, जो टेस्टिंग के दौरान तकनीकी कारणों से स्कूल मैदान में गिर गया था। अधिकारियों के अनुसार, फायरिंग रेंज क्षेत्र में सेना द्वारा नियमित रूप से ड्रोन परीक्षण किए जाते हैं और इससे किसी प्रकार का खतरा नहीं है। डीएसपी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराने की बजाय प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

'शादी होने से बेटी का मायके से रिश्ता खत्म नहीं हो जाता'

शादीशुदा महिलाओं के हक पर एससी की बेहद अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है कि शादी के बाद भी बेटी का अपने परिवार से रिश्ता नहीं टूटता है इसलिए उसे अनुकंपा लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि बेटी को उसकी वैवाहिक स्थिति का हवाला देकर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक पुराना आदेश पलटते हुए यह टिप्पणी की और कहा कि शादीशुदा होने के आधार पर बेटियों को 'परिवार' की परिभाषा से बाहर रखना पूरी तरह से असंवैधानिक, मनमाना और अस्वीकार्य है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के उद्देश्य से 'परिवार' की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं है। जस्टिस पी।एस। नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच ने इस फैसले को खारिज कर दिया। एक महिला की ओर से हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। यह महिला एक मृत राशन डीलर की बेटी है। हाईकोर्ट ने अनुकंपा के आधार पर उचित मूल्य की दुकान पर डीलर के रूप में नियुक्ति के महिला के दावे को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ता महिला ने पहले 2019 सरकारी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

सरकारी आदेश में विवाहित बेटियों को 'परिवार' की परिभाषा से बाहर रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि विवाहित बेटी को परिभाषा से बाहर रखना उचित नहीं है, क्योंकि आश्रित कोटा के तहत डीलरशिप आवंटन का उद्देश्य वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे मृत व्यक्ति के परिवार को तत्काल सहायता प्रदान करना है। महिला ने पिता और माता की मृत्यु के बाद बहनों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी ली है।

सीएम नायडू ने गोदावरी पुष्करम-2027 के लिए भव्य योजनाओं का अनावरण किया

गोदावरी, 3 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि गोदावरी पुष्करम-2027 का आयोजन भव्य पैमाने पर किया जाए, जिसमें आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित किया जा सके। सचिवालय में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह उत्सव आध्यात्मिक पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए एक उत्प्रेरक का काम करे, क्योंकि गोदावरी बेसिन के किनारे कई मंदिर और तीर्थस्थल मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पवित्र स्नान में लगभग 9.95 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है,

और सबसे ज़्यादा भीड़ वाले दिनों में लगभग एक करोड़ तीर्थयात्री आ सकते हैं। इस अभूतपूर्व भीड़ को संभालने के लिए, सरकार ने छह ज़िलों में 525 स्नान घाट बनाने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें 237 नए घाट शामिल हैं; इससे घाटों की कुल लंबाई 4.5 किमी से बढ़कर 9.9 किमी हो जाएगी। अब तक, 211.97 करोड़ रुपये के 132 विकास कार्यों को मंज़ूरी दी जा चुकी है।

पहला घाट पोलावरम ज़िले के गुंडाला में बनाया जाएगा, जबकि अंतिम घाट कोनासीमा के अंतर्वेदी और बालुसुतिप्पा, काकीनाडा के गोवलंका और पश्चिम गोदावरी के नरसपुरम में स्थित होंगे। नायडू ने दोहराया कि पोलावरम परियोजना पुष्करम से पहले पूरी कर ली जाएगी और राष्ट्र को समर्पित की जाएगी, जिससे आगंतुकों के लिए एक अतिरिक्त आकर्षण पैदा होगा।

गाँव वालों ने 10 लॉरियों को रोका, 300 मवेशियों को बचाया

तिरुपति, 3 जून (एजेंसियां)। अन्नमय्या ज़िले के तंबालापल्ले विधानसभा क्षेत्र में पेद्दामंड्यम जेपी हाई स्कूल के पास, गाँव वालों ने 10 कंटेनर लॉरियों को रोका। आरोप है कि इन लॉरियों में अवैध रूप से मवेशियों को ले जाया जा रहा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इन कंटेनरों में लगभग 300 मवेशी थे, जिनमें गाय, बैल और भैंस शामिल थे। चूँकि मोलाकलेचेरुवु में एक पुलिस चेक-पोस्ट है, इसलिए बताया जा रहा है कि इन गाड़ियों ने कोई दूसरा रास्ता अपना लिया था। इस घटना का पता तब चला, जब एड्डुलावारीकोटा के एक निवासी ने इन कंटेनर लॉरियों की संदिग्ध हलचल देखी और उनका पीछा किया। बाद में, उसने पेद्दामंड्यम के निवासियों को इस बारे में बताया, जिन्होंने जेपी हाई स्कूल के पास इन लॉरियों को रोक लिया। पेद्दामंड्यम पुलिस मौके पर पहुँची और लॉरियों को ज़ब्त कर लिया।

कृष्णा नदी में 15 अक्टूबर तक रेत खनन पर रोक

अमरावती, 3 जून (एजेंसियां)। कृष्णा ज़िला प्रशासन ने मॉनसून के मौसम के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशानिर्देशों के अनुसार, 15 अक्टूबर तक कृष्णा नदी में रेत खनन पर रोक लगा दी है। साथ ही, अवैध खुदाई और परिवहन को रोकने के लिए निगरानी और सख़्ती के उपायों को भी तेज़ कर दिया है। अधिकारियों ने इस रोक की अवधि के दौरान उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के रेत की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, तय स्टॉकयार्ड में लगभग 10 लाख मीट्रिक टन रेत का भंडार भी जमा कर लिया है। ज़िला कलेक्टर डीके।

बालाजी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में ज़िला-स्तरीय रेत समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश जारी किए। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक वी। विद्यासागर नायडू, संयुक्त कलेक्टर एम। नवीन और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर ने बताया कि ये पाबंदियाँ एनजीटी और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार लागू की गई हैं, जो मॉनसून के मौसम में रेत खनन पर रोक लगाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध रेत खनन या परिवहन में शामिल लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

साढ़े चार महीने की इस रोक की अवधि के दौरान किसी भी तरह की कमी को रोकने के लिए, ज़िला प्रशासन ने पूरे ज़िले में नौ तय स्टॉकयार्ड में लगभग 10 लाख मीट्रिक टन रेत का भंडार जमा कर लिया है। जनता की माँग को पूरा करने के लिए, अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से चौबीसों घंटे रेत की आपूर्ति की जाएगी। बालाजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि रेत का परिवहन केवल अधिकृत स्टॉकयार्ड के माध्यम से ही हो, न कि सीधे नदी के किनारों से। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि रेत ले जाने वाले हर वाहन के पास एक ऑनलाइन-जनरेटेड बिल होना चाहिए, जिसमें तारीख, समय, स्टॉकयार्ड की जानकारी, उपभोक्ता का नाम और वाहन नंबर जैसे विवरण शामिल हों।

मन्यम ज़िले में एक आदिवासी की हत्या के आरोप में 16 लोग गिरफ़्तार

पार्वतीपुरम, 3 जून (एजेंसियां)। मन्यम ज़िले के पार्वतीपुरम मंडल के वेलागावालासा गाँव में काले जादू का शक होने पर 30 साल के एक आदिवासी व्यक्ति की बेरहमी से हत्या के मामले में 16 लोगों को गिरफ़्तार किया। ताडांगी रमेश (30) की गाँव वालों ने बेरहमी से हत्या कर दी और उसके शव को जलाने की कोशिश की।

पार्वतीपुरम पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और आधे जले हुए शव को बरामद किया। एएसपी मनीषा रेड्डी ने बताया कि ताडांगी गोपी पिछले कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित था।इसलिए, गोपी को शक हुआ कि ताडांगी रमेश ने उस पर काला जादू किया है। लोगों ने गोपी के परिवार वालों और पड़ोसियों द्वारा रमेश पर काला जादू करने के शक को लेकर फैलाई जा रही अफ़वाहों पर यकीन कर लिया। लोगों का समूह रमेश के घर गया, उसे घसीटकर बाहर निकाला और काला जादू करने के शक में पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

ड्रेनेज का काम हुए नहीं और 92 करोड़ के बिलों को हुआ भुगतान, तीन आरोपियों को रिमांड पर लेगी ईडी

इंदौर, 3 जून (एजेंसियां)। इंदौर के चर्चित ड्रेनेज घोटाले की जांच अब ईडी ने शुरू कर दी है। जांच में पाया गया कि इंदौर के अलग-अलग हिस्सों में पाइप और अन्य निर्माण कार्य हुए ही नहीं, लेकिन फर्जी बिल लगाकर नगर निगम से भुगतान होता रहा। वर्ष 2019 से इस घोटाले को अंजाम दिया जा रहा था, लेकिन अफसरों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इंदौर नगर निगम के कार्यपालन यंत्री की कार से फाइलें गायब होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और फिर इस घोटाले की परतें खुलती गईं।

अब इस मामले में पुलिस ने घोटाले के मास्टरमाइंड अभय राठौर, मोहम्मद जाकिर और राहुल वडेरा को गिरफ्तार किया है। ईडी ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अटैच की है। इस मामले में सबसे पहले एमजी रोड थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद जांच शुरू की गई थी। पुलिस ने दस से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन अब ईडी ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

जिन तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनका रिमांड लिया जाएगा। ईडी की एंट्री के बाद यह घोटाला फिर चर्चा में है, क्योंकि पुलिस जांच के दौरान कई अफसरों को छोड़ दिया गया था। नए सिरे से हो रही जांच में नए नाम सामने आ सकते हैं। इस घोटाले में लेखा विभाग के क्लर्क, ठेकेदार और संबंधित विभागों के इंजीनियर भी शामिल थे।

गुलदार का आतंकः पिंकी बहन से बोली तू भाग जा, पर सोनिया ने 'मौत' को ही भगा दिया

रामनगर, 3 जून (एजेंसियां)। मालधनचौड़ गांव में खेत में घास काट रही महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया। इस घटना में दो बहनों के आपसी प्यार और साहस ने मौत को भी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। घायल महिला का संयुक्त चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के अंतर्गत शाम चार बजे मालधनचौड़ देवीपुरा निवासी 34 वर्षीय पिंकी देवी पत्नी चंद्रपाल शाम चार बजे अपनी बड़ी बहन सोनिया के साथ खेत में घास काट रही थी। सोनिया के साथ उसकी छोटी बेटी भी थी। दोनों बहनें कुछ ही दूरी पर थी कि तभी झाड़ियों में घात लगाकर बैठे गुलदार ने पिंकी पर हमला कर दिया।

20 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रायरंगपुर में मनाएगी अपना 68वां जन्मदिन

भुवनेश्वर, 3 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 20 जून को 68 वर्ष की हो जाएंगी। इस बार वह अपना जन्मदिन अपनी जन्मभूमि रायरंगपुर में मनाएंगी। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल हरिबाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित कई केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्य, भाजपा के सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसद तथा 80 से अधिक विधायक शामिल होंगे। इस दौरान कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा।

इसके साथ ही राज्य में पेसा (पेसा) कानून

लागू करने को लेकर भी महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना जताई जा रही है। संयोगवश, ओडिशा में भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने का अवसर भी इसी अवधि में आ रहा है।

राज्य सरकार का दूसरा कार्यकाल 12 जून को दो वर्ष पूरा करेगा। इसी उपलक्ष्य में 20 जून को रायरंगपुर में एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी। राष्ट्रपति के जन्मदिन को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायरंगपुर में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह पहली बार होगा जब ओडिशा में किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री एक साथ शामिल होंगे।इसलिए इस आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए राज्य सरकार व्यापक तैयारियों में जुटी हुई है।

घने जंगल बने आतंकियों की ढालः आखिर कहां छिपे हैं आतंकी?, 12 दिन से जारी 'ऑपरेशन शेरूवाली' के सामने बड़ी चुनौती

राजोरी, 3 जून (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के घने जंगल और दुर्गम इलाके आतंकियों की ढाल और सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बन रहे हैं। कठुआ, उधमपुर और किश्तवाड़ में हिट एंड रन की साजिश अपनाने वाले आतंकियों ने अब राजोरी में भी यही तरीका अपनाया है। मंजाकोट सेक्टर के डोरिमल-गंभीर मुगला क्षेत्र में चल रहे ऑपरेशन शेरूवाली का यह स्पष्ट उदाहरण है। सुरक्षाबलों का अभियान बुधवार को 12वें दिन में प्रवेश कर गया, लेकिन आतंकियों को पकड़ना अभी भी मुश्किल साबित हो रहा है। इसी तरह किश्तवाड़ में ऑपरेशन त्राशी के दौरान भी कई-कई दिनों तक सर्च ऑपरेशन चले थे। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, मई में राजोरी में हुई दो मुठभेड़ों में आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर हमला करने के बाद घने जंगलों और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर ओझल होने का पैटर्न अपनाया। इसके बाद सुरक्षा बलों को बड़े इलाके में लंबा तलाशी अभियान चलाना पड़ा। किश्तवाड़, उधमपुर और कठुआ में पिछले डेढ़ वर्ष में इसी तरह की साजिश देखने को मिली थी। छोटे समूहों में काम करने वाले आतंकियों ने जंगलों में छोटे-छोटे ठिकाने बनाए, लगातार स्थान बदला और सुरक्षा बलों के दबाव के बावजूद लंबे समय तक सक्रिय रहे। कई बार मुठभेड़ होने के बाद भी वे जंगलों में छिपने और दूसरे क्षेत्रों में निकलने में सफल रहे थे। यही स्थिति कुछ समय तक उधमपुर के डूडू बसंतगढ़ और कठुआ के दुर्गम क्षेत्रों में भी देखने को मिली थी।

सोना बेचने की खबर पर केजरीवाल ने केंद्र सरकार को घेरा, पूछा- क्या देश का सोना भी बिक गया?

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश के स्वर्ण भंडार को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या देश का सोना बेचा जा रहा है और यदि ऐसा है तो इसकी वजह क्या है।सोशल मीडिया मंच एक्स पर बुधवार को किए गए पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि यदि यह खबर सही है कि देश के सोने का एक हिस्सा बेच दिया गया है, तो यह बेहद गंभीर मामला है।

उन्होंने सरकार से इस विषय पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। केजरीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा कि यदि देश के पास रखा सोना बेचना पड़ रहा है तो इसका मतलब है कि देश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर जनता के सामने सच्चाई रखनी चाहिए। आप प्रमुख ने कहा कि सरकार देश की आर्थिक स्थिति को लेकर कुछ नहीं बता रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें देश की वास्तविक परिस्थितियों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को यहीं रहना है और उन्हें देश की आर्थिक स्थिति की सही जानकारी मिलनी चाहिए। दरअसल, केजरीवाल ने अपने पोस्ट के साथ ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट साझा की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान युद्ध के कारण विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों पर पड़ने वाले प्रभाव से बचाने के लिए भारत के केंद्रीय बैंक ने अपने स्वर्ण भंडार का एक हिस्सा कम किया हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक या केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 4 जून, 2026 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार

मैं कभी, हम नहीं हो सकता
तू कभी, हम नहीं हो सकता
जब तक मैं तू छोडेगा।
तब जाकर हम बनेगा।

मारियो वॉइट के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

तेलंगाना-तुरिंगिया के बीच एमओयू

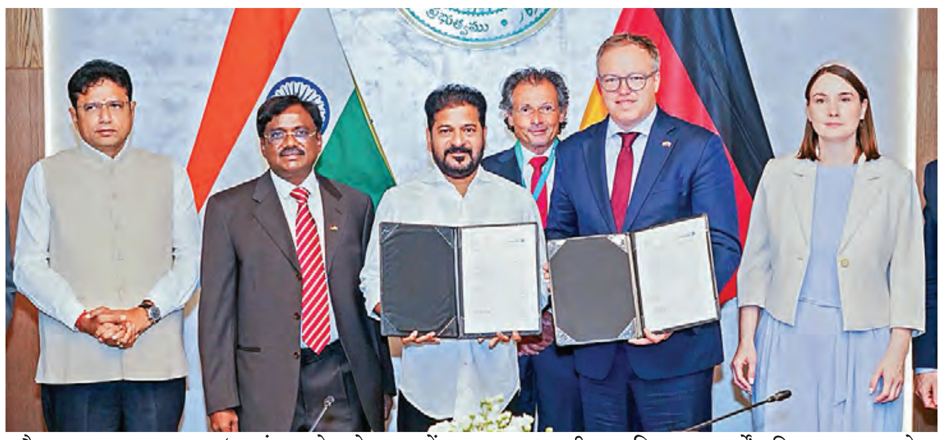

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीक, कौशल विकास, स्टार्टअप और लाइफ साइंस क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए तेलंगाना सरकार और जर्मनी के तुरिंगिया राज्य सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) किया गया है। इस अवसर पर जर्मनी के तुरिंगिया राज्य के मुख्यमंत्री मारियो वॉइट के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। बैठक में राज्य के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू तथा श्रम मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान तुरिंगिया के मुख्यमंत्री मारियो वॉइट ने तेलंगाना के विकास कार्यों की सराहना करते हुए तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन को भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भारत में नवाचार और विकास का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है तथा भारत-जर्मनी संबंधों में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण रोजगार क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं, ऐसे में युवाओं को नई तकनीकों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देना आवश्यक है। उन्होंने जर्मनी, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की आवश्यकताओं के अनुसार युवाओं को तैयार करने पर जोर दिया।

उन्होंने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तुरिंगिया के सहयोग की मांग की। साथ ही जर्मन भाषा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने में भी सहयोग का अनुरोध किया। तुरिंगिया प्रतिनिधिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग के लिए विशेषज्ञ टीम भेजने की इच्छा जताई, जिसका तेलंगाना सरकार ने स्वागत किया।

रक्षा सामग्री से बनी अवैध शराब की 58 बोतलें जब्त

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार रात कार्रवाई करते हुए करीब एक लाख रुपये मूल्य की रक्षा सामग्री से बनी अवैध शराब की खेप बरामद की। मामले में एक पूर्व सैनिक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों को मिली सूचना के आधार पर जांच दल ने पूर्व सैन्य कर्मचारी एस. चंद्रशेखर गौड़ को हिरासत में लिया। उसके घर की तलाशी के दौरान मध्य प्रदेश से मंगाई गई शराब की 11 बोतलें बरामद हुईं।

पूछताछ में आरोपी ने एक अन्य स्थान की जानकारी दी, जहां बड़ी मात्रा में शराब छिपाकर रखी गई थी। इसके बाद अधिकारियों ने वहां से 47 और बोतलें बरामद कीं। जब्त शराब में विभिन्न ब्रांडों की व्हिस्की, स्कॉच, वाइन तथा अन्य मदिरा शामिल हैं। कुल 58 बोतलें बरामद की गईं। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों के अनुसार, चंद्रशेखर लंबे समय से मध्य प्रदेश से कम कीमत पर रक्षा कर्मियों के लिए उपलब्ध शराब खरीदकर उसे सिकंदराबाद के सैनिकपुरी क्षेत्र में अवैध रूप से बेच रहा था।

केटीआर ने पवन कल्याण को करारा जवाब दिया

आर्थिक क्षेत्रवाद के नाम पर भी सवाल उठाए

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों का कड़ा जवाब देते हुए कहा है कि तेलंगाना राज्य सही मायने में वहां की जनता का है जिन्होंने राज्य के गठन के लिए लड़ाई लड़ी, बलिदान दिया और अपना खून बहाया। बुधवार को हैदराबाद के सोमजीगुडा प्रेस क्लब में आयोजित 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में बोलते हुए केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना अपने चार करोड़ लोगों की भूमि है और उन लोगों की भूमि है जिन्होंने राज्य निर्माण आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में सभी क्षेत्रों के लोगों का रहने, काम करने और व्यापार करने के लिए स्वागत है, और यह भी बताया कि पिछले एक दशक में यहां बसने वालों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं हुआ है। पवन कल्याण की क्षेत्रवाद की आलोचना पर आपत्ति जताते हुए, केटीआर ने तर्क दिया कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं ने भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और उन्होंने आंध्र राज्य के गठन के लिए पोट्टी श्रीरामुलु के नेतृत्व वाले आंदोलन का उदाहरण दिया। उन्होंने आर्थिक क्षेत्रवाद के नाम पर भी सवाल उठाए, जिसका जिक्र उन्होंने तेलंगाना से गुजरात में कथित तौर पर उद्योगों के स्थानांतरण के संदर्भ में किया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना के लोगों को देशभक्ति की शिक्षा की आवश्यकता नहीं है, और उन्होंने क्षेत्र के संघर्षों, बलिदानों और प्रतिरोध आंदोलनों के लंबे इतिहास पर प्रकाश डाला। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता के रूप में पवन कल्याण के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए, केटीआर ने कहा कि तेलंगाना अपने मामलों में बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि संविधान द्वारा गारंटीकृत किसी भी राजनीतिक दल को तेलंगाना में चुनाव लड़ने की स्वतंत्रता है, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि नेताओं को राज्य के बारे में बयान देने से पहले लोगों की आकांक्षाओं, भावनाओं और बलिदानों को समझना और उनका सम्मान करना चाहिए। केटीआर ने यह भी कहा कि तेलंगाना का गठन आसानी से नहीं हुआ, बल्कि दशकों के संघर्ष और हजारों बलिदानों के बाद हुआ है। उन्होंने नेताओं से आग्रह किया कि वे तेलंगाना से संबंधित मुद्दों पर बोलते समय राज्य के इतिहास और भावनाओं का ध्यान रखें।

बिजली के खंभे पर शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के बौधानगर क्षेत्र में बुधवार सुबह एक बिजली के खंभे पर शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। आग इंटरनेट और टेलीविजन केबलों के उलझे हुए गुच्छे में लगी, जिसके चलते क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, एलएन नगर में बिजली के खंभे के चारों ओर लिपटे इंटरनेट और टेलीविजन केबलों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई और केबल पूरी तरह जल गए। आग की चपेट में पास में खड़ी एक ऑटो रिक्शा भी आ गई, जिससे वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तत्काल विद्युत आपूर्ति बंद कर दी। समय रहते बिजली काटे जाने से आग को बड़े हादसे का रूप लेने से रोक लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। वहीं, क्षेत्र के निवासियों ने बिजली के खंभों से लटक रहे इंटरनेट और टेलीविजन केबलों के बड़े-बड़े बंडलों पर चिंता जताते हुए संबंधित विभागों से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

केंद्र ने 7,597 करोड़ रुपये की तेलंगाना सड़क मेगा परियोजना को मंजूरी दी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सड़क बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा देते हुए, केंद्र ने राष्ट्रीय राजमार्ग 63 और 563 के प्रमुख हिस्सों को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) और बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) के तहत चार लेन तक चौड़ा करने के लिए 7,597.16 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। निजामाबाद, जगतियाल, मंचरियाल और करीमनगर जिलों में फैली 190.76 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का उद्देश्य व्यस्त शहरी क्षेत्रों में यातायात को सुगम बनाना और माल ढुलाई को बेहतर बनाना है। उन्नत किए गए कॉरिडोर में प्रमुख शहरों के आसपास बाईपास बनाए जाएंगे और ये 100 किमी प्रति घंटे तक की गति सीमा का समर्थन करेंगे। पूरा होने पर, आर्मूर और मंचरियाल के बीच यात्रा का समय लगभग 90 मिनट कम होने की उम्मीद है, जबकि जगतियाल और करीमनगर के बीच यात्रा करने वालों को लगभग 45 मिनट की बचत होगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति सिद्धांतों के अनुरूप हैं और पांच आर्थिक केंद्रों, सात सामाजिक केंद्रों और दस लॉजिस्टिक केंद्रों को जोड़ेंगी। इससे देश के लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेगी, रसद दक्षता में सुधार करेगी और उत्तरी तेलंगाना में आर्थिक विकास को गति देगी। इसके अलावा, इस परियोजना से ईंधन की खपत, कार्बन उत्सर्जन और वाहन परिचालन लागत (वीओसी) में उल्लेखनीय कमी आएगी।

भट्टी ने लाइनमैन की विधवा को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा चेक सौंपा

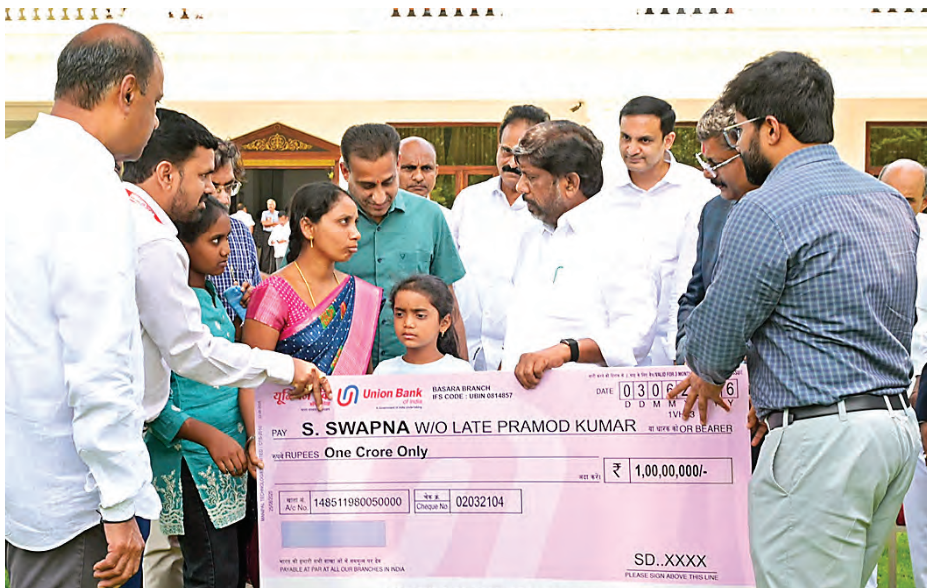

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लिमिटेड की उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी (एनपीडीसीएल) के लाइनमैन सोनकांबले प्रमोद कुमार के परिवार को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई। बुधवार को प्रजा भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मृतक की पत्नी और नामित व्यक्ति सोनकांबले स्वप्ना को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा चेक सौंपा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और एनपीडीसीएल के बीच पहले हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, यूएसएएसए-2/यूएसएसए-3 योजनाओं के तहत वेतन खाते रखने वाले कर्मचारियों को 1 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान किया जाता है। इस योजना के तहत, प्रमोद कुमार, जो एनपीडीसीएल के बसारा डिवीजन में लाइनमैन के रूप में कार्यरत थे, ने 23 सितंबर, 2024 को बसारा शाखा में अपना 'यूएसएसए-2' वेतन पैकेज खाता खोला था। दुर्भाग्यवश, 24 मार्च 2025 को ड्यूटी के दौरान एक दुर्घटना में उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद, उनकी नामित व्यक्ति स्वप्ना ने बसारा शाखा में बीमा दावा प्रस्तुत किया।

दावा राशि 1 करोड़ रुपये 30 मई 2026 को उनके बचत खाते में जमा कर दी गई। इस दावे का त्वरित निपटारा सरकार और बैंकिंग क्षेत्र दोनों की कर्मचारी कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह यूएसएस वेतन पैकेज योजनाओं के तहत प्रदान किए गए बीमा कवरेज के महत्व और लाभों को भी उजागर करता है।

एनपीडीसीएल के सीएमडी वरुण रेड्डी, वित्त निदेशक तिरुपति रेड्डी, यूनियन बैंक के सीईओ आशीष पांडे, कार्यकारी निदेशक अमरेश प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक रविंद्र बाबू, निजामाबाद क्षेत्रीय प्रमुख अरुणा सविता, मुख्य प्रबंधक वाईवी राघव और शाखा प्रबंधक विजय कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने चेक वितरण कार्यक्रम में भाग लिया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भाग लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सीएम रेवंत रेड्डी के साथ गर्मजोशी से मुलाकात की।

पीएमजे आभूषण प्रतिष्ठान चोरी कांड का मुख्य आरोपी चार दिन की पुलिस हिरासत में

करीमनगर, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पीएमजे आभूषण प्रतिष्ठान में हुई चर्चित चोरी के मुख्य साजिशकर्ता सुबोध सिंह को पुलिस ने बुधवार को चार दिन की हिरासत में ले लिया। उसे बिहार की पूर्णिया जिला जेल से पेशी वारंट पर करीमनगर लाया गया था।

पुलिस के अनुसार, सुबोध सिंह को 29 मई को अदालत में पेश किया गया था। इसके बाद पुलिस ने उससे पूछताछ के लिए हिरासत की मांग की थी। अदालत ने पुलिस की याचिका स्वीकार करते हुए 3 जून से 6 जून तक चार दिनों की हिरासत की अनुमति दी तथा 7 जून को आरोपी को पुनः अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। अदालत की अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने सुबोध सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए जिला जेल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

मामले में सुबोध सिंह के अलावा रघुनाथ कर्मकार, रवीश कुमार और महताब खान को भी पुलिस हिरासत में लिया गया है। अब तक इस चोरी कांड में शामिल बताए जा रहे 13 आरोपियों में से चार को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन प्रतिष्ठान से चोरी किया गया सोना अभी तक बरामद नहीं हो सका है। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार का भी पता नहीं चल पाया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हिरासत के दौरान पूछताछ से चोरी की वारदात, चोरी किए गए माल और अन्य फरार आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है।

यात्रियों की सुविधा के लिए बिलासपुर-येलाहांका के बीच विशेष रेलगाड़ियां चलेंगी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बिलासपुर और येलाहांका के बीच विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की घोषणा की है। इन विशेष सेवाओं का उद्देश्य यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है। रेलवे के अनुसार, रेलगाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-येलाहांका विशेष रेलगाड़ी की पांच सेवाएं 3 जून से 1 जुलाई के बीच प्रत्येक बुधवार को संचालित की जाएंगी। यह रेलगाड़ी दोपहर दो बजे बिलासपुर से प्रस्थान कर अगले दिन शाम सात बजे येलाहांका पहुंचेगी। इसी प्रकार, रेलगाड़ी संख्या 08262 येलाहांका-बिलासपुर विशेष रेलगाड़ी की पांच सेवाएं 4 जून से 2 जुलाई के बीच प्रत्येक गुरुवार को चलाई जाएंगी। यह रेलगाड़ी रात साढ़े नौ बजे येलाहांका से रवाना होकर शनिवार सुबह साढ़े तीन बजे बिलासपुर पहुंचेगी।

मार्ग में ये विशेष रेलगाड़ियां भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, वडसा, चंदा किला, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचेरियल, काजीपेट, चारलापल्ली, सिकंदराबाद, लिंगमपल्ली, विकाराबाद, तंदूर, यादगीर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंतकल, गूटी, अनंतपुर तथा धर्मावरम स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेंगी। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इन विशेष रेलगाड़ियों में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बों की व्यवस्था की गई है।

निःशुल्क हृदय पुनर्जीवन प्रशिक्षण शिविर छह जून को

40 प्रतिभागियों को मिलेगा अवसर

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की प्रमुख फ्रीमेसनरी इकाई लॉज कीज़ संख्या 297, जीवीके ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के सहयोग से छह जून को गोशामहल बारादरी मेसोनिक भवन में दोपहर दो बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक हृदय पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम लॉज कीज़ की सामुदायिक जनजागरण पहल "सीपीआर एंबेसडर बनें" के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य एक हजार नागरिकों को हृदय और श्वसन क्रिया रुकने की स्थिति में दी जाने वाली जीवनरक्षक प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्रदान करना है। आयोजकों के अनुसार, किसी व्यक्ति की हृदय गति या श्वास रुक जाने पर प्रारंभिक महत्वपूर्ण मिनटों में दिया गया यह उपचार जीवन बचाने में अत्यंत प्रभावी साबित हो सकता है। चिकित्सकीय सहायता पहुंचने से पहले सही समय पर की गई यह प्रक्रिया जीवित रहने की संभावना को काफी बढ़ा देती है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SMT KHAMER BEGUM W/o. MAINUDDIN BASHU LATE, # 17-2-478/28, KURMAGUDA, NEAR KARE SCHOOL, SAIDABAD, HYDERABAD, TG – 500059, shall henceforth be known as "QUAMMERUNISSA" both names are same person, with immediate effect.

I, No. 17014361 H, NK, Praveen Ghosh, R/o, Dist: Kollam, Kerala, changed my Son's name from Deva Nandh to Devanandh P, vide Affidavit No. 467029 dt. 03.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सौंदर्य निखारने वाले इंजेक्शनों पर सख्ती

क्लीनिकों में ऐसी सेवाएं अवैध घोषित

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सौंदर्य और स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाते हुए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद का उपयोग इंजेक्शन के रूप में नहीं किया जा सकता। नए निर्देशों के बाद विभिन्न क्लीनिकों और स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली कई सौंदर्यवर्धक तथा उम्ररोधी इंजेक्शन सेवाएं अवैध मानी जाएंगी। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत जारी नोटिस में कहा है कि सौंदर्य प्रसाधन केवल शरीर पर लगाने, डालने, छिड़कने अथवा स्प्रे करने के लिए होते हैं। इन्हें इंजेक्शन के रूप में उपयोग करने की अनुमति नहीं है। संगठन ने स्पष्ट किया कि इंजेक्शन के रूप में दिए जाने वाले उत्पाद सौंदर्य प्रसाधनों की श्रेणी में नहीं आते।

इन निर्देशों के बाद तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन को ऐसे क्लीनिकों और स्वास्थ्य केंद्रों के निरीक्षण तथा कार्रवाई का अधिकार मिल गया है, जो कथित रूप से त्वचा निखारने वाले इंजेक्शन, त्वचा संवर्धक उपचार और अन्य सौंदर्यवर्धक इंजेक्शन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। औषधि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अस्पतालों के बाहर संचालित हो रही ऐसी प्रक्रियाओं की सुरक्षा और निगरानी को लेकर लंबे समय से चिंताएं व्यक्त की जा रही थीं। नई अधिसूचना के माध्यम से उन संस्थानों को स्पष्ट संदेश दिया गया है जो सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सकीय श्रेणी की इंजेक्शन दवाओं के बीच की सीमा को धुंधला करने का प्रयास कर रहे हैं। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि त्वचा संबंधी रोगों या अन्य चिकित्सकीय समस्याओं के उपचार के लिए प्रचारित किए जाने वाले उत्पादों को औषधि संबंधी कड़े नियमों का पालन करना होगा। साथ ही किसी भी व्यक्ति या क्लीनिक को उत्पाद के मूल लेबल, निर्माता के चिह्न अथवा विवरण में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होगी।

अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप आज से

60 से अधिक देशों के खिलाड़ी लेंगे भाग

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अहमदाबाद के ईकेए एरिना में 4 से 8 जून तक आयोजित होने वाली पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप-2026 में 60 से अधिक देशों के 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता के साथ योगासन को वैश्विक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में नई पहचान मिलने की उम्मीद है। चैंपियनशिप के उद्घाटन संस्करण में अमेरिका, घाना, केन्या, मलेशिया, श्रीलंका, उज्बेकिस्तान सहित अनेक देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह आयोजन प्राचीन भारतीय योग परंपरा को अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रतियोगिता को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, गुजरात खेल प्राधिकरण, गुजरात पर्यटन तथा गुजरात योगासन खेल संघ का सहयोग प्राप्त है।

मानसून से पहले प्रशासन सतर्क

कोत्तागुडेम, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मानसून को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बी. रोहित राजू ने बुधवार को राज्य आपदा मोचन बल, जिला आपदा मोचन बल, सिंगरेनी बचाव दल और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में संभावित बाढ़ और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि बाढ़ की आशंका वाले निचले क्षेत्रों और गांवों की पहले से पहचान की जाए तथा वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की योजना तैयार रखी जाए। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर बाढ़ संभावित क्षेत्रों के निकट बचाव दलों की तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my clients is intending to purchase the property bearing in sy.no: 8/ఆ7/2, 8/ఆ7/3, 8/ఆ7/4, 8/ఆ/2/2, 8/ఆ/2/3, 8/ఆ/2/4 Pashambanda(V), Shamshabad(M), RANGA Reddy District admeasuring Ac 1.2958 gts from its lawful owner Sri. Surender Nath S/o: Jatindernath Sehgal, R/o: Picket, Secunderabad.

Any person having or claiming any rights interest claim demand or benefit what so ever in respect of the Schedule Property by way of sale, exchange, mortgage, gift, trust, development rights, inheritance, bequest, possession lease, license, tenancy, lis-pendens, lien, charge, maintains, easement or under any agreement or power of attorney what so ever or otherwise how so ever is hereby requested to notify the same in writing with documentary proof thereof the undersigned at the address as mentioned below **WITHIN 07 DAYS** from the date hereof, failing which it shall be construed that either there is no claim demand rights or interest what so ever in or over the Schedule Property adverse to the aforesaid owner or the same has been waived for all intent and purposes and sale shall be completed.

SURESH JAIN M.com., LL.M, PGDT, PGDCS
ADVOCATE & NOTARY
8-3-254, Market Street, Opp. Market P.S.,
Secunderabad-03 Cell No: **9885024004**

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my clients is intending to purchase the property Ac 0.3700 Gts. in sy.no: 8/ఆ/1/2, 8/ఆ2, Pashambanda(V), Shamshabad(M), RANGA Reddy District from its lawful owner Sri. Sehgal Rahul S/o: Sehgal Narender Nath, R/o: Picket, Secunderabad

Any person having or claiming any rights interest claim demand or benefit what so ever in respect of the Schedule Property by way of sale, exchange, mortgage, gift, trust, development rights, inheritance, bequest, possession lease, license, tenancy, lis-pendens, lien, charge, maintains, easement or under any agreement or power of attorney what so ever or otherwise how so ever is hereby requested to notify the same in writing with documentary proof thereof the undersigned at the address as mentioned below **WITHIN 07 DAYS** from the date hereof, failing which it shall be construed that either there is no claim demand rights or interest what so ever in or over the Schedule Property adverse to the aforesaid owner or the same has been waived for all intent and purposes and sale shall be completed.

SURESH JAIN M.com., LL.M, PGDT, PGDCS
ADVOCATE & NOTARY
8-3-254, Market Street, Opp. Market P.S.,
Secunderabad-03 Cell No: **9885024004**

क्या यूपी में फिर साथ आएंगे हाथ-हाथी

यूपी की सियासत में नया सियासी दांव! मायावती की बैठकों से बढ़ी हलचल

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। एक तरफ बीएसपी सुप्रीमो मायावती अपने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए लगातार बैठकें कर रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ यूपी कांग्रेस के नेता कह रहे है कि मायावती को इंडिया ब्लॉक में आ जाना चाहिए। रास्ते खुले हैं और बीजेपी को हराने के लिए सबको एक हो जाना चाहिए। बीएसपी सुप्रीमो मायावती लगातार अपने पार्टी के पदाधिकारी के साथ बैठके कर रही हैं। पार्टी के जनाधार को मजबूत करने की हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं।

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने अपने पार्टी के नेताओं को या निर्देश दिया है की जितने भी पुराने नेता हैं उन सब को वापस पार्टी के साथ जोड़ा जाए ताकि आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ा जा सके। बता दें कि पिछले 1 सालों में बीएसपी सुप्रीमो मायावती लगातार अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच में एक्टिव है और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति बना रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में उत्साहित है। समाजवादी पार्टी के साथ फिलहाल कांग्रेस पार्टी गठबंधन में है।

जाहिर तौर पर आगामी विधानसभा चुनाव के मध्य नजर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में सीट बंटवारे को लेकर भी बैठकर होगी। लेकिन, इससे पहले कांग्रेस पार्टी के नेता राजनीतिक दाव खेल रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि अंदर खान कांग्रेस पार्टी के नेता बीएसपी आलाकमान से भी बात कर रहे हैं ताकि और हमें विधानसभा चुनाव में बीएसपी के साथ कांग्रेस पार्टी का गठबंधन हो जाए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की पार्टी के नेता कमरे पर भी खुलकर बीएसपी सुप्रीमो मायावती की तारीफ करने लगे हैं। पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी ने कह दिया है कि हमारे लिए रास्ते खुले हुए हैं।

वैसे समाजवादी पार्टी के नेता यह बता रहे हैं कि कांग्रेस और बीएसपी के बीच कोई गठबंधन नहीं होने वाला है। इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में बहुत मजबूती के साथ है और इस तरीके का अफवाह फैलाना केवल बीजेपी की साजिश है। कांग्रेस पार्टी द्वारा यह कहना कि बीएसपी के साथ भी वह गठबंधन में जा सकते हैं।

इसको राजनीतिक जानकार सीट शेयरिंग पॉलिटिक्स के तौर पर देख रहे हैं कि कांग्रेस मार्केटिंग करके ज्यादा से ज्यादा विधानसभा सीट समाजवादी पार्टी से ले ले।

बस्ती में फरार पांच वांछितों की संपत्ति कुर्क, पुलिस की सख्त कार्रवाई से हड़कंप

बस्ती, 3 जून (एजेंसियां)। जिले की पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध अपना शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्यवाही की है। लंबे समय से फरार चल रहे पांच वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय के आदेशानुसार पुलिस ने कुर्की की कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान पुलिस टीम ने अभियुक्तों के घरों पर ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी कराई और उनकी चल-अचल संपत्ति को जब्त कर लिया। मंगलवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में संबंधित गांवों में पहुंचकर पुलिस ने कुर्की की प्रक्रिया शुरू की।

पुलिस ने घर-घर जाकर मुनादी कराई और स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि वांछित अभियुक्त तय समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनकी समस्त संपत्ति नीलाम कर दी जाएगी। इस कार्यवाही के तहत पुलिस ने अभियुक्तों की चल और अचल संपत्ति का ब्योरा खंगालते हुए उसे कुर्क करने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

भाजपा नेता की हत्या मामले में सीसीटीवी से मिले अहम सुराग, चार आरोपियों की तलाश में पुलिस

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। विभूतिखंड स्थित जलवा क्लब के बाहर भाजपा नेता शिवम सिंह की हत्या के मामले में पुलिस जांच लगातार आगे बढ़ रही है। अब तक की तफ्तीश में पुलिस ने चार और संदिग्ध आरोपियों को चिह्नित किया है। सीसी फुटेज और गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर इनकी पहचान की गई है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। विभूतिखंड पुलिस के अनुसार, हत्याकांड के मुख्य आरोपित और 25 हजार रुपये के इनामी अनुज सिंह को चंदौली के मुगलसराय क्षेत्र से गिरफ्तार किया जा चुका है। उसके कब्जे से एक तमंचा भी बरामद हुआ था। इसके अलावा विभूतिखंड पुलिस इस मामले में अलीगंज निवासी शांतनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक तथा आजमगढ़ निवासी विवेक सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

अमेरिका से एक शख्स कॉकरोच जनता पार्टी की बात करता है

याचिका यहां दाखिल हो रही, पीआईएल निस्तारित

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। पुणे का एक शख्स, अमेरिका से कॉकरोच जनता पार्टी की बात कह रहा है और बंगलूरू का एक याचिकाकर्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसके खिलाफ पीआईएल दाखिल करने चला आया। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने यह कहते हुए इस जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता ने गलत अधिकारिता में याचिका दाखिल की है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अनुरोध पर याचिका को वापस लेने की अनुमति देकर सक्षम अधिकारिता वाली अदालत के समक्ष याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति शेखर बी। सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने यह आदेश बंगलुरू निवासी एस। विग्नेश शिशिर की पीआईएल पर दिया। याची ने केंद्र सरकार समेत 21 प्रतिवादियों के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जल निगम ग्रामीण के चीफ इंजीनियर राम भवन राम के खिलाफ विजिलेंस जांच पर रोक लगा दी है। उनके खिलाफ अघोषित संपत्ति के संबंध में शिकायत हुई थी जिसके बाद राज्य सरकार ने जांच बैठाई थी। न्यायालय ने चीफ इंजीनियर की याचिका पर पारित अपने अंतरिम आदेश में कहा कि मामले में विचार की आवश्यकता है। अदालत ने सरकार से जवाब तलब करते हुए मामले की अगली सुनवाई 10 अगस्त को नियत की है। न

्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश चीफ इंजीनियर राम भवन राम की याचिका पर पारित किया है। याची ने सरकार के 24 नवंबर 2025 के विजिलेंस जांच के आदेश को चुनौती दी है। सुनवाई में सामने आया कि दो व्यक्तियों ने सरकार को शिकायत भेजकर याची पर भ्रष्टाचार से अकूत संपत्ति बनाने व महल जैसे आलीशान घर में रहने की बात कहते हुए, जांच की मांग की थी। याची की ओर से दलील दी गई कि ऐसी ही शिकायतों पर पूर्व में भी एक जांच हो चुकी है

2 मिनट की कॉल से मच गया हड़कंप

डायल-112 पर मंत्री राकेश सचान को मिली जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

कानपुर, 3 जून (एजेंसियां)। कानपुर देहात में यूपी डायल-112 पर फोन कर योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। कानपुर देहात के भोगनीपुर थाना क्षेत्र की देवीपुर चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों को देर रात यूपी डायल-112 के माध्यम से एक सूचना मिली। जिसमें डायल-112 देवीपुर में तैनात सिपाही श्याममिलन ने बताया कि एक कॉल आई है। कॉल करने वाला खुद को कानपुर नगर के रेउना क्षेत्र के मखौली गांव निवासी राममिलन होनी की जानकारी दे रहा है।

इस साथ कह रहा है कि कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को जान से मार देंगे। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सबसे पहले कॉल डिटेल और सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान की पुष्टि करने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद देवीपुर चौकी प्रभारी अतेंद्र कुमार की ओर से भोगनीपुर थाने में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी गई। देवीपुर चौकी प्रभारी अतेंद्र कुमार की तहरीर के आधार पर भोगनीपुर थाने में आरोपी राममिलन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कई पहलुओं पर की जा रही है।

कॉल किस उद्देश्य से की गई, आरोपी की मानसिक स्थिति क्या थी और उसके पीछे कोई अन्य कारण तो नहीं है, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। वही पूरे मामले को लेकर थाना प्रभारी ने बताया कि पीआरबी से मिली सूचना के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। साथ ही कॉल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाकर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

एनएसयूआई नेता पर दहेज हत्या का केस दर्ज

पत्नी ने देर रात में मायके फोन किया; सुबह फांसी पर लटका मिला शव

झांसी, 3 जून (एजेंसियां)। समथर कस्बे के नई बस्ती मोहल्ले में एक महिला की संदिग्ध मौत ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। कांग्रेस छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष भरत व्यास की पत्नी प्रिया व्यास का शव घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद मायके पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मृतका के पिता विनोद ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री प्रिया को शादी के बाद से ही दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उनकी शिकायत पर पति भरत व्यास, सास रोहिणी, देवर उदय, ताऊ राजेश और एक मौसी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार प्रिया की शादी फरवरी 2025 में पूरे रीति-रिवाज के साथ भरत व्यास से हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू हो गई थी।

मांगों को पूरा करने के लिए कई बार ऑनलाइन और नकद धनराशि भी दी गई, लेकिन कथित प्रताड़ना का सिलसिला नहीं रुका परिजनों का दावा है कि घटना से कुछ घंटे पहले प्रिया ने रात करीब 12 बजे अपने मायके फोन किया था, लेकिन देर रात होने के कारण कॉल रिसीव नहीं हो सकी। सुबह करीब 4 बजे जब भाई ने वापस फोन किया तो बहन की मौत की सूचना मिली।

यह खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजन तत्काल समथर पहुंच गए। मृतका के पिता और अन्य परिजनों का कहना है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि दहेज के लिए की गई हत्या है। उनका आरोप है कि बेटी की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता तो उसकी जान बच सकती थी। परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है। फरवरी 2025 में शुरू हुआ वैवाहिक जीवन महज 15 माह में दर्दनाक अंत तक पहुंच गया।

रूस से तेल की खरीद पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का विवादित बयान

बोले - 'तेल तब लेंगे, जब 'अब्बाजान' परमिशन देंगे'

सहारनपुर, 3 जून (एजेंसियां)। यूपी के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद अपने विवादित बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। मसूद ने सरकार की विदेश नीति और आर्थिक फैसलों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'पीएम मोदी अपनी विदेश नीति और 'दोस्ती' के नाम पर देश को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से विदेशी ताकतों खासतौर से अमेरिका के हाथों गिरवी रख दिया है।' भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए मसूद ने कहा, अमेरिका के दबाव में भारत महंगे पेट्रोलियम उत्पाद खरीद रहा है,

जिससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आगे आपूर्ति संकट की आशंका भी बन सकती है। भारत के रूस से तेल की खरीद पर अमेरिकी छूट को लेकर उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा,'तेल तब लेंगे, जब 'अब्बाजान' परमिशन देंगे।' हालांकि, सरकार साफ कह चुकी है कि 'भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और तेल खरीद को लेकर किसी बाहरी दबाव में नहीं है और पूरी तरह से अपने आर्थिक हितों के आधार पर सबसे सस्ते दामों पर तेल खरीदता है। इमरान मसूद ने अमेरिका-इजरायल जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर कहा, 'ईरान भारत का सच्चा दोस्त है, उनके सुप्रीम लीडर की हत्या की गई, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से संवेदना के दो शब्द भी नहीं आए, जबकि दुश्मन की मौत पर भी संवेदना व्यक्त की जाती है। ईरान तो भारत का दोस्त रहा है, जो हर बुरे वक्त में हिंदुस्तान के साथ खड़ा रहा है।

लेकिन मौजूदा सरकार कूटनीतिक जवाबदेही से पलायन कर रही है, इसीलिए उनकी हमारे प्रति नाराजगी बढ़ी है।' गाय को लेकर सीएम योगी के बयान पर इमरान मसूद ने कहा, 'गौमाता अगर गौमाता है तो क्या वह सिर्फ 14 साल तक ही गौमाता रहेगी? बंगाल सरकार ने 14 साल से बड़ी गाय को काटने की अनुमति दे दी है, तो क्या गाय 14 साल बाद गौमाता नहीं रहेगी? आप काटने की अनुमति क्यों देते हैं? बीफ एक्सपोर्ट बैन क्यों नहीं करते? आप इसे काटना बैन करिए।'

रिशु श्री मामले में आईएएस योगेश और अभिलाषा पर एफआईआर की तैयारी

टेंडर घोटाला मामले में कई कंपनियां भी एसयूवी और ईडी की रडार पर

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। बिहार में चर्चित टेंडर घोटाले और भ्रष्ट ठेकेदार रिशु श्री से कथित साठगांठ के मामले में अब दो आईएएस अधिकारियों योगेश कुमार सागर और अभिलाषा शर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसयूवी) ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सरकार से अनुमति मांगी है। एसयूवी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से मिले दस्तावेजों और अन्य सबूतों के आधार पर निगरानी विभाग से मार्गदर्शन मांगा है। इसके साथ ही पूरे मामले पर आगे की कानूनी राय के लिए महाधिवक्ता से भी सलाह ली जा रही है। इस मामले में नाम सामने आने के बाद दोनों आईएएस अधिकारियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है।

इनके अलावा कुछ अन्य अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। एसयूवी लगातार साक्ष्य इकट्ठा कर रही है ताकि मजबूत केस तैयार किया जा सके। पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में एसयूवी की टीम सहरसा पहुंची। टीम ने नगर निगम कार्यालय में टेंडर से जुड़े दस्तावेजों की जांच की और अधिकारियों से पूछताछ की। जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज मिलने की बात भी सामने आई है, जिन्हें आगे साक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

यह जांच पूर्व कार्यकाल में हुए टेंडर आवंटन से जुड़ी है। इस पूरे टेंडर घोटाले में अब 15 कंपनियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के घेरे में हैं। आशंका है कि इन कंपनियों को गलत तरीके से सरकारी ठेके दिए गए। इन कंपनियों को सबसे ज्यादा काम बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुइडको) से मिला है। इसके अलावा जल संसाधन विभाग और भवन निर्माण विभाग से भी कई प्रोजेक्ट दिए गए थे। ईडी ने जून 2025 में ही इन कंपनियों को चिन्हित कर नगर विकास एवं आवास विभाग से रिपोर्ट मांगी थी। जांच में कई कंपनियों के सीधे रिशु श्री से जुड़े होने के संकेत मिले हैं, जिनमें रिलायबल एंटरप्राइजेज और रिलायबल इंफ्रा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

तेज प्रताप यादव ने सीएम सम्राट चौधरी पर साधा निशाना

बोले- हमारी मां हमारे लिए सम्मान का विषय हैं

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख और लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बिहार के सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधा है और उन्हें ये सलाह दी है कि किसी भी इंसान पर टिप्पणी करते समय उसकी उम्र और सामाजिक गरिमा को ध्यान में रखें। तेज प्रताप यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं यही कहना चाहता हूं कि राज्य के नेताओं को, विशेषकर मुख्यमंत्री और वरिष्ठ पदों पर बैठे लोगों को, हमेशा संयमित और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। किसी भी व्यक्ति पर टिप्पणी करते समय उसकी उम्र, सम्मान और सामाजिक गरिमा का ध्यान रखना आवश्यक है। तेज प्रताप ने कहा, हमारी माता श्री हमारे लिए सम्मान का विषय हैं।

इसलिए किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत टिप्पणी उचित नहीं मानी जा सकती। लोकतंत्र में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन संवाद हमेशा शालीन और सम्मानजनक होना चाहिए। मर्यादित भाषा और आपसी सम्मान ही राजनीति की सबसे बड़ी पहचान है। दरअसल राबड़ी देवी के बंगले को लेकर चल रहे विवाद पर हालही में सीएम सम्राट चौधरी की प्रतिक्रिया सामने आई थी। सम्राट चौधरी ने लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा था कि बेटा को अलग घर चाहिए, माता को अलग घर चाहिए। उन्होंने कहा था, जिस दिन पार्टी और हमारे नेता कह देंगे कि आपका काम यहीं समाप्त होता है, मैं 24 घंटे के भीतर अपना झोला उठाकर वहां से चला जाऊंगा।

सम्राट ने ये भी कहा, मैं 1999 में सरकार में मंत्री के तौर पर आया। आज जिस घर में मैं हूं ये मेरा 11वां घर है। इनमें से मैं सिर्फ 3 घरों में रहा, बाकी सभी में मैंने सिर्फ अपना कार्यालय चलाया। कुछ लोगों को मोह है कि बेटा को अलग घर चाहिए, माता को अलग घर चाहिए, पिताजी को अलग घर चाहिए और जनता को छोड़ दीजिए। हम जनता के काम के लिए आए हैं। जिस दिन पार्टी और हमारे नेता कहेंगे कि आपका काम यहीं पर समाप्त होता है तो मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि सम्राट चौधरी 24 घंटे में अपना झोला उठाकर अपना प्राइवेट घर में चला जाएगा। हम जनता की भलाई के लिए आए हैं, हम अपने कल्याण के लिए नहीं आए हैं। जनता की भलाई की चिंता कीजिए, ये लोकतंत्र है।

गोलीबारी के बाद खान सर ने कोचिंग में पढ़ाने से किया इनकार

छात्रों से कहा- आज पढ़ाई नहीं हो पाएगी

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। चर्चित यूट्यूबर और शिक्षक खान सर ने आज अपने कोचिंग में पढ़ाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बुधवार सुबह घोषणा की है कि आज वह क्लास नहीं ले पाएंगे। आज पढ़ाई नहीं होगी। आपलोग शांति बनाएं रखें। पुलिस से अपील है कि वह जल्द से जल्द कार्रवाई करे।

खान सर ने पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए पूरी रात बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। उन्होंने कहा कि अब तक की पुलिस कार्रवाई से वे संतुष्ट हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सुरक्षा के लिए पूरी रात 50 से 60 पुलिसकर्मी तैनात रहे। सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए मैं प्रशासन का धन्यवाद करता हूं। बता दें कि दो जून की रात पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में स्थित खान सर की कोचिंग के पास अचानक फायरिंग से इलाके में हड़कंप मच गया।

आपसी रंजिश और मामूली विवाद के बाद हुई इस गोलीबारी से मौके पर अफरातफरी मच गई थी। खान सर ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या यही है कि हम इतनी कम फीस में बच्चों को क्यों पढ़ा रहे हैं और हमारी कोचिंग से इतने सारे छात्र परीक्षाओं में पास क्यों हो रहे हैं? जब हजारों गरीब बच्चे कामयाब होने लगते हैं, तो कुछ असामाजिक तत्वों को डर लगने लगता है। उन्हें लगता है कि वे हमें डरा-धमका कर चुप करा देंगे।

नवादा के नेता को बीजेपी में मिली बड़ी जिम्मेदारी माहुरी समाज ने किया भव्य सम्मान

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। बिहार भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना के सम्मान में मिर्जापुर स्थित माहुरी धर्मशाला में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में माहुरी समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए और फूल-मालाओं तथा अंगवस्त्र भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, गर्व और सम्मान का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने संजय कुमार मुन्ना की संगठनात्मक क्षमता, नेतृत्व कौशल और लंबे राजनीतिक अनुभव की जमकर सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा संगठन में प्रदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर उनकी नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है,

बल्कि यह पूरे नवादा जिले और माहुरी समाज के लिए भी गौरव का विषय है। रोटेरियन नीरज कुमार बब्लू ने कहा कि संजय कुमार मुन्ना ने वर्षों तक संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनकी कार्यशैली और समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा संगठन और अधिक मजबूत होगा। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए संजय कुमार मुन्ना ने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक साधारण कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपना भाजपा की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति का प्रमाण है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे।

जल निगम के चीफ इंजीनियर के खिलाफ विजिलेंस जांच पर हाई कोर्ट की रोक, राज्य सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जल निगम (ग्रामीण) के चीफ इंजीनियर राम भवन राम के खिलाफ चल रही विजिलेंस जांच पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि मामले में विस्तृत विचार की आवश्यकता है और राज्य सरकार से जवाब तलब करते हुए अगली सुनवाई 10 अगस्त को तय की है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह की पीठ ने चीफ इंजीनियर की रिट याचिका पर पारित किया।

याचिका में राज्य सरकार के 24 नवंबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत उनके खिलाफ विजिलेंस जांच शुरू कराई गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि दो व्यक्तियों ने सरकार को शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि चीफ इंजीनियर ने भ्रष्टाचार के जरिये अकूत संपत्ति अर्जित की है और वह लखनऊ शहर में महल जैसे आलीशान मकान में रहते हैं। शिकायत में उनकी घोषित और अघोषित संपत्तियों की जांच कराने की मांग की गई थी। इसी शिकायत के आधार पर सरकार ने विजिलेंस जांच के आदेश दिए थे।याची की ओर से अदालत में कहा गया कि इस मामले में पंचायती राज मंत्री और मुख्यमंत्री ने जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक और संयुक्त प्रबंध निदेशक (प्रशासन) स्तर पर भी जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि जिन दो व्यक्तियों के नाम से शिकायत भेजी गई थी, वे अपने दिए गए पते पर मिले ही नहीं।

याची ने तर्क दिया कि जब शिकायतकर्ताओं की पहचान और पते की पुष्टि नहीं हो सकी, तब केवल उस शिकायत के आधार पर विजिलेंस जांच कराना उन्हें अनावश्यक रूप से प्रताड़ित करने जैसा है। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने फिलहाल विजिलेंस जांच पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

दिनेश मकवाना आत्महत्या केस

सीबीआई ने परिवार से पूछताछ की हाईकोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई एफआईआर, 6 अधिकारियों की टीम पहुंची घर; दस्तावेज खंगाले

इंदौर, 3 जून (एजेंसियां)। इंदौर के कनाड़िया क्षेत्र के शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना आत्महत्या मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू कर दी है। भोपाल से पहुंची सीबीआई की टीम ने दिनेश मकवाना के घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों से पूछताछ की और मामले से जुड़े दस्तावेजों का निरीक्षण किया। दिनेश मकवाना ने नवंबर 2025 में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या से पहले उन्होंने आबकारी विभाग की तत्कालीन उपायुक्त मंदाकिनी दीक्षित पर 22 लाख रुपये रिश्वत लेने और हर महीने 3 लाख रुपये की मांग करने के आरोप लगाए थे। दिनेश के पास पांच शराब दुकानें संचालित थीं। परिजनों के अनुसार, सीबीआई के करीब 6 अधिकारी मंगलवार को मकवाना के घर पहुंचे। टीम ने लगभग तीन घंटे तक परिवार के अलग-अलग सदस्यों से पूछताछ की। अधिकारियों ने दिनेश के कमरे का निरीक्षण किया और उनके जीजा से भी जानकारी ली।

केरल में कल पहुंचेगा मानसून

15 से ज्यादा राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश की चेतावनी; राजस्थान-कश्मीर में गिरेंगे ओले

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून यानी कल केरल में दस्तक देगा। जिससे देश के कई हिस्सों में बारिश देखने को मिल सकती है। साथ ही तेज़ हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम वैज्ञानिक नीथा के। गोपाल ने कहा, अगर मौजूदा मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहता है, तो विभाग 4 जून को आधिकारिक तौर पर मानसून के आगमन की घोषणा कर देगा। आमतौर पर केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून के आसपास पहुंच जाता है। इस बार इसके पहुंचने में देरी हुई है।

मानसून के आगमन को देखते हुए मौसम विभाग ने केरल में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार के लिए अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम ज़िलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए गए हैं। इसके अलावा, गुरुवार को पथानामथिट्टा और कोझिकोड में भी ज़ोरदार बारिश होने की उम्मीद है। मौसम अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में कम समय में ही 11 से 20 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारत के बड़े हिस्सों में मानसून से पहले बारिश हो सकती है।

कई इलाकों में बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और मध्यम से भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। जिन राज्यों में आंधी-तूफान की गतिविधियां होने की संभावना है, उनमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड शामिल हैं। वहीं, केरल, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 8 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 50-60 किमी की रफ्तार से आंधी चल सकती है। कुछ जगहों पर 70 किमी की स्पीड से आंधी चलने की संभावना है।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 6 जून के दौरान हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में 4 जून को कुछ जगहों पर ओले गिरने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में कुछ जगहों पर धूल भरी आँधी चलने की बहुत अधिक संभावना है।

दबे पांव घर में घुसकर महिला के हाथ-पैर बांधे, फिर की दरिंदगी

सीहोर, 3 जून (एजेंसियां)। सीहोर जिले के बिलकिसगंज थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। एक युवक ने घर में घुसकर विवाहिता के साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। आरोपी ने पहले महिला को काबू में लेकर उसके हाथ-पैर बांधे और फिर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार घटना 31 मई की देर रात की है। पीड़िता का पति पास के गांव में एक बरात में गया हुआ था। घर में महिला अकेली थी। पति ने लौटने की सुविधा के लिए दरवाजे की केवल कुंडी लगाने को कहा था। रात करीब दो बजे जब महिला सो रही थी, तभी आरोपी खालिद खां दबे पांव घर के भीतर घुस आया। घर में प्रवेश करते ही उसने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और महिला को निशाना बनाया। पीड़िता ने आरोपी का विरोध किया और शोर मचाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने उसे बेरहमी से जमीन पर पटक दिया।

घुसपैठियों पर बड़ा एक्शन

131 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार; 160 से पूछताछ

अहमदाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। अवैध रूप से रह रहे विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। 131 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है जबकि 160 अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच ने देर रात एक संयुक्त तलाशी अभियान के तहत ये कार्रवाई की है। अलग-अलग टीमों ने शहर के चिन्हित इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। चांदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर इलाकों में सर्च अभियान चलाया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि कई घुसपैठिए फर्जी दस्तावेजों के आधार यहां अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस अधिकारी आधार कार्ड, वोटर आईडी और अन्य पहचान पत्रों की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

हिरासत में लिए गए 160 अन्य नागरिकों की नागरिकता और उनके स्थानीय संपर्कों की जांच की जा रही है। देर रात शुरू हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 290 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया था। जांच और डॉक्यूमेंट के मिलान के बाद 131 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया, जो अवैध रूप से रह रहे थे। वहीं, 160 अन्य संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन लोगों को फर्जी दस्तावेज बनाने और शहर में शरण देने में किन दलालों ने मदद की थी। मामले में जांच पूरी होने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत इन लोगों को वापस बांग्लादेश भेजा जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले को लेकर गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि गुजरात के गृह विभाग ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है।

अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और वडोदरा में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, एसओजी और अन्य एजेंसियां अलग-अलग इलाकों में जांच और तलाशी अभियान चलाए गए। रात भर चले इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवैध घुसपैठ और गैर-कानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

12 साल की बच्ची ने फांसी लगाकर जान दी

इंदौर, 3 जून (एजेंसियां)। इंदौर में एरोड्रम थाना क्षेत्र में 12 साल की एक बच्ची ने फांसी लगाकर सुसाइड किया। घटना प्रगति नगर, छोटा बांगड़दा क्षेत्र की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक राधिका पुत्री राकेश ने अपने घर में दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्मघाती कदम उठाया। राधिका ने हाल ही में सरकारी स्कूल से पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण की थी। घटना का पता तब चला जब उसकी छोटी बहन ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने आसपास के लोगों को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा खोला गया तो राधिका फंदे पर लटकी मिली। परिजनों ने बताया कि राधिका की मां एक स्कूल में भोजन बनाने का काम करती है। घटना के समय वह अपनी बड़ी बेटी के साथ काम पर गई हुई थी।

शाम को दोनों बाजार से राशन और सब्जी लेकर घर लौटे, तब घटना की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार राधिका के पिता राकेश का चार महीने पहले बीमारी के कारण निधन हो गया था। परिवार में दो बहनें और एक भाई हैं। घटना के समय दोनों भाई-बहन घर के बाहर खेल रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रास्ते बंद, बैरिकेडिंग और पुलिस का कड़ा पहरा

दिल्ली से सटे इस घनी आबादी वाले इलाके में बुलडोजर एक्शन शुरू, टेंशन में 5 लाख लोग

फरीदाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद की सघन बस्ती नेहरू कॉलोनी में बुधवार सुबह से बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस बल और दलबल के साथ पहुंचकर अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बड़ी कार्रवाई के लिए मौके पर 6 जेसीबी और एक विशालकाय तोड़फोड़ मशीन लगाई गई है, जिसकी मदद से मकानों को जमींदोज किया जा रहा है। अचानक हुए इस एक्शन से प्रभावित परिवारों में हड़कंप मच गया है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस अभियान के तहत कुल कितने मकानों को तोड़ा जाएगा।

बुधवार सुबह करीब 7 बजे जैसे ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची, पूरे इलाके को सुरक्षा के लिहाज से पुलिस छावनी में बदल दिया गया। किसी भी संभावित विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने नेहरू कॉलोनी की तरफ जाने वाले सभी प्रमुख रास्तों को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। मेट्रो रोड, सैनिक कॉलोनी, बिजली दफ्तर मार्ग, मुल्ला होटल क्षेत्र और तारण नंबर की ओर जाने वाले रास्तों पर मजबूत बैरिकेडिंग की गई है। रास्ते बंद होने के कारण स्थानीय निवासियों और सुबह-सुबह दफ्तर व अपने काम पर निकलने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों को कई किलोमीटर का लंबा चक्कर काटकर जाना पड़ रहा है।

नगर निगम के आला अधिकारियों का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने सड़कों, सार्वजनिक भूमि और ग्रीन बेल्ट पर किए गए सभी अवैध निर्माणों और अतिक्रमण को हटाने के कड़े निर्देश दिए हैं। निगम की दलील है कि सार्वजनिक उपयोग की इस जमीन को खाली कराना विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए बेहद जरूरी है। दूसरी तरफ, नेहरू कॉलोनी पुनर्वास विभाग की भूमि पर बसी एक बेहद पुरानी और घनी बस्ती है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, यहां करीब 10,000 मकान बने हुए हैं और लगभग 5 लाख लोगों की जिंदगी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस इलाके से जुड़ी है।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने आखिरी वक्त पर बदला बैठक का ठिकाना, टेम्पो में सवार होकर डाचीगाम पहुंचे मंत्री-विधायक

श्रीनगर, 3 जून (एजेंसियां)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के साथ निर्धारित बैठक का स्थान अपने गुपकार स्थित आवास से बदलकर बुधवार को चश्माशाही कर दिया। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री आवास गुपकार में एकत्रित हुए मंत्री, विधायक और सांसद बाद में वहां से रवाना हो गए तथा टेम्पो वाहनों के जरिए डाचीगाम क्षेत्र की ओर प्रस्थान किया, जहां अब बैठक आयोजित होने की संभावना है।

बैठक स्थल में अचानक किए गए इस बदलाव ने राजनीतिक हलकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। इस बैठक को सरकार की रणनीति, सुशासन की प्राथमिकताओं और सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रतिनिधियों के बीच समन्वय से जुड़े महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बैठक में जम्मू-कश्मीर से जुड़े महत्वपूर्ण प्रशासनिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होगी। श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र स्थित चश्मा शाही-दाचीगाम बेल्ट में जारी इस बैठक से संबंधित अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

जाली दस्तखत मामला

गिरफ्तारी से बचने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक बनर्जी, अदालत ने क्या कहा?

कोलकाता, 3 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को फर्जी दस्तखत मामले में सीआईडी की संभावित कार्रवाई के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को राज्य सीआईडी द्वारा टीएमसी विधायकों के कथित हस्ताक्षर जालसाजी की जांच के संबंध में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग करने वाली याचिका दायर करने की अनुमति दे दी है।

यह जांच दो विधायकों द्वारा विधानसभा सचिवालय में की गई शिकायत पर आधारित है। विधायकों ने आरोप लगाया था कि टीएमसी के उस प्रस्ताव में उनके हस्ताक्षर जाली किए गए थे, जिसमें बालीगंज के विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त करने का प्रस्ताव था। विधानसभा सचिवालय ने टीएमसी के निलंबित विधायकों ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा की शिकायत पर कोलकाता पुलिस में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में, राज्य के गृह सचिव ने जांच सीआईडी को स्थानांतरित कर दी थी।

इन विधायकों को बाद में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए टीएमसी से निष्कासित कर दिया गया था। अभिषेक बनर्जी के वकीलों द्वारा मौखिक अनुरोध पर न्यायमूर्ति अपूर्बा सिन्हा रे की अवकाशकालीन पीठ ने एफआईआर को चुनौती देने और किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा की मांग करने वाली याचिका दायर करने की अनुमति दी। टीएमसी सांसद बनर्जी के वकीलों ने बताया कि इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को होने की संभावना है।

गौरतलब है कि टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव पर शनिवार को दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर शहर में कथित चुनाव के बाद भड़की हिंसा के पीड़ित के घर जाने के दौरान हमला हुआ था। सीआईडी ने सोमवार को अभिषेक बनर्जी को कथित हस्ताक्षर जालसाजी मामले के संबंध में तलब किया था। हालांकि, इस नोटिस पर उन्होंने अस्वस्थता का हवाला देते हुए एजेंसी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही उन्होंने पेशी के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। सामने आई एक नई जानकारी के अनुसार, सीआईडी ने बनर्जी को आठ जून को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है।

टीएमसी नेता दीपांकर के खेत से निकले नोटों से भरे 5 बोरे, जमीन में छिपाया था करोड़ों का सोना

गूगल में बार-बार सर्च करने पर कम्युनिस्ट नेता दीपांकर भट्टाचार्य की फोटो से बनी भ्रम की स्थिति

24 परगना 3 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता और बदुरिया नगर पालिका चेयरमैन दीपांकर भट्टाचार्य की गिरफ्तारी के बाद बड़ा बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने पहले होटल पर छापेमारी के दौरान उनके पास से 80 लाख रुपये बरामद किए, जिसके बाद घर के आसपास तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान पास के जूट के खेत से नोटों से भरे पांच बोरे और भारी मात्रा में सोने के जेवर मिले। पुलिस के मुताबिक, अब तक कुल 2.24 करोड़ रुपये नकद बरामद हो चुके हैं। इस खुलासे के बाद राज्य की राजनीति में हड़कंप मच गया है।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि दीपांकर भट्टाचार्य किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस ने बिना वक्त गंवाए एक स्थानीय होटल में छापेमारी कर बादुरिया

चेयरमैन दीपांकर भट्टाचार्य

के मेयर (चेयरमैन) को रंगे हाथों दबोच लिया। शुरुआती तलाशी में ही नेता जी के पास से 80 लाख रुपये नगद बरामद हुए थे। इसके तुरंत बाद पुलिस ने नगर पालिका में हुए भारी वित्तीय गबन और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के तहत उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

जब पुलिस दीपांकर भट्टाचार्य के घर के आसपास तलाशी अभियान चला रही थी, तभी उनकी नजर पास के एक जूट के खेत पर पड़ी। खेत की मिट्टी संदिग्ध लगने पर खुदाई की गई, जहां से पांच बड़े जूट के बोरे बरामद हुए। इन बोरों से 2.24 करोड़ रुपये नकद और भारी मात्रा में सोने के जेवरात मिले। पुलिस अधिकारियों ने बरामदगी की पुष्टि करते हुए कहा कि अब तक कुल नकद बरामदगी 2.24 करोड़ रुपये पहुंच चुकी है।

27 मई के स्वतंत्र वार्ता के अंक में प्रकाशित खबर में त्रुटिवश टीएमसी नेता दीपांकर भट्टाचार्य के ठिकानों पर 80 लाख रुपए कैश बरामद से प्रकाशित समाचार में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता दीपांकर भट्टाचार्य का फोटो छप गया है। इसे छापने से पहले बार-बार गुगल सर्च करने पर उन्हीं का फोटो सामने आ रहा था। इसलिए भ्रम वश उक्त फोटो प्रकाशित हो गया। जिसके लिए हमें खेद है।

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल ने ग्रहण किया डीजीपी का पदभार

चेन्नई, 3 जून (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल ने बुधवार सुबह तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाल लिया। वह राज्य पुलिस बल का नेतृत्व करने वाले 34वें अधिकारी बन गए हैं। उन्होंने सुबह 10:45 बजे चेन्नई के कामराजर सलाई स्थित डीजीपी मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। महेश कुमार अग्रवाल की नियुक्ति हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद हुई है। चुनाव के दौरान भारतीय चुनाव आयोग के निर्देश पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौर को तमिलनाडु पुलिस का प्रभारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। टीवीके के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई। राज्य सरकार ने राजीव कुमार, संदीप राय राठौर और महेश कुमार अग्रवाल के नामों का पैनल यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन को भेजा था। नई दिल्ली में हुई बैठक में यूपीएससी ने इस पैनल को मंजूरी दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने महेश कुमार अग्रवाल को तमिलनाडु पुलिस के सर्वोच्च पद के लिए चुना। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल के पास पुलिस सेवा का तीन दशक से अधिक का अनुभव है।

शादी के 99 दिन बाद वकील बेटी की मौत

पिता बोले- सेना में मेजर पति ने दहेज के लिए परेशान किया

भोपाल, 3 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल की त्विषा शर्मा के बाद अब जबलपुर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। चेन्नई निवासी पी दक्षिणामूर्ति की 27 वर्षीय बेटी कविता की मौत उसकी शादी के 99 दिन बात हो गई। पिता ने इसे दहेज हत्या बताया है। वह पिछले एक साल से न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। कविता पेशे से एडवोकेट थी और मद्रास हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करती थी। पिता का आरोप है कि शादी के बाद जम्मू कश्मीर आरआरसी रेजिमेंट, सेना में मेजर डॉक्टर पति ने उनकी बेटी कविता को दहेज के लिए प्रताड़ित किया था। ज्यादा पैसों की मांग पूरी न होने पर उसकी हत्या कर दी गई। पी। दक्षिणामूर्ति ने बताया कि 9 जून 2025 को वह खुद अपनी बेटी को ससुराल छोड़कर आए थे।

उस समय कविता पूरी तरह स्वस्थ थी। पिता के मुताबिक, वह मुस्कुरा रही थी और अपने भविष्य को लेकर उत्साहित थी लेकिन उसी रात करीब 9:30 बजे परिवार को सूचना मिली कि कविता बाथरूम में गिर गई है और उसे अस्पताल ले जाया गया है। आधी रात को मिली इस सूचना के बाद परिवार अगले दिन जबलपुर पहुंचा। दक्षिणामूर्ति का कहना है कि जब उन्होंने सैन्य अस्पताल में बेटी को देखा तो

वह वेंटिलेटर पर थी। उसके शरीर में कोई हरकत नहीं थी और आंखों में भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाई दे रही थी। कुछ घंटों बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता का आरोप है कि कविता शादी के बाद लगातार मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो रही थी। उन्होंने बताया कि बेटी के मोबाइल फोन में मिले मैसेज और बातचीत से पता चला कि उसे बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ता था।

घर में पहले से मेड होने के बावजूद उससे बर्तन साफ करवाए जाते थे, शौचालय साफ करवाया जाता था और पूरे घर का काम कराया जाता था। पिता का कहना है कि कविता एक पढ़ी-लिखी और आत्मनिर्भर वकील थी, दक्षिणामूर्ति ने आरोप लगाया कि शादी से पहले भी लड़के पक्ष की ओर से भारी दहेज की मांग की गई थी। परिवार ने लगभग 100 तोला सोना, 20 लाख रुपये के हीरे के आभूषण, महिंद्रा एक्सयूवी कार, चांदी के सामान और घर-गृहस्थी का पूरा सामान दिया था।

आईएसआई-दाऊद ने रची इंडिया के खिलाफ साजिश

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई से जुड़े अंडरवर्ल्ड मॉड्यूल की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पाकिस्तान में बैठे दाऊद इब्राहिम के गुर्गे भारत में युवाओं को अपने नेटवर्क से जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। जांच एजेंसियों को शक है कि दिल्ली में किसी प्रभावशाली व्यक्ति को निशाना बनाने की योजना बनाई जा रही थी। हालांकि वह व्यक्ति कौन था, इसका अब तक पता नहीं चल पाया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और महाराष्ट्र एटीएस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय हुजैफा फारूक अहमद हाशमी को मुंबई से सटे भायंदर इलाके से गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया है कि हुजैफा पिछले एक महीने से पाकिस्तान में बैठे यावर खान के संपर्क में था। यावर खान ने हुजैफा के अलावा पहले से गिरफ्तार कुर्ला निवासी साजिद शेख और मुंब्रा से गिरफ्तार तौकीर को भी जल्द से जल्द दिल्ली पहुंचने के लिए कहा था। यावर ने बताया था कि दिल्ली में किसी व्यक्ति को टारगेट करना है, लेकिन उस व्यक्ति की पहचान नहीं बताई गई थी। पुलिस ने आरोपियों से पूछा कि आखिर किसे निशाना बनाना था तो हुजैफा ने बताया कि उसने भी पाकिस्तान में बैठे यावर खान से यही सवाल पूछा था, लेकिन यावर ने कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया था।

चंडीगढ़ में पढ़ने वाली छात्रा को नशे के जाल में फंसा मंगवाए लाखों के आभूषण, पुलिस जांच में जुटी

भराड़ी (बिलासपुर), 3 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के एक गांव की रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा को नशे के जाल में फंसाकर उससे घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण मंगाने का मामला सामने आया है। छात्रा के परिजनों ने आरोप लगाया है कि चंडीगढ़ के निकट पढ़ाई के दौरान कुछ लोगों ने पहले उसे चिट्टे (हेरोइन) की लत लगाई और बाद में उसी कमजोरी का फायदा उठाकर उससे घर के कीमती जेवरात चोरी कराए। मामले में एक युवक सहित अन्य लोगों की संलिप्तता की आशंका जताई गई है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार युवती चंडीगढ़ के निकट खरड़ में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही थी। वह एक पीजी आवास में रहती थी और पढ़ाई में काफी होनहार मानी जाती थी। परिवार ने बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ उसे पढ़ाई के लिए बाहर भेजा था।

परिजनों के मुताबिक सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन कुछ दिन पहले अचानक पीजी संचालक का फोन आया, जिसने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। पीजी संचालक ने छात्रा के पिता को बताया कि उनकी बेटी का व्यवहार पिछले कुछ दिनों से असामान्य दिखाई दे रहा है। वह कई बार नशे की हालत में नजर आई और उसकी गतिविधियां भी संदिग्ध लग रही थीं। संचालक ने यह भी बताया कि युवती अचानक पीजी छोड़कर कहीं चली गई है और किसी को उसके ठिकाने की जानकारी नहीं है। बेटी के लापता होने और मोबाइल फोन बंद होने से परिवार के होश उड़ गए। चिंतित माता-पिता तुरंत चंडीगढ़ रवाना हो गए। वहां रिश्तेदारों और परिचितों की मदद से युवती की तलाश शुरू की गई।

परिजनों ने कई स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन शुरू में कोई सफलता नहीं मिली। करीब दो दिन तक लगातार तलाश के बाद उन्हें युवती के संभावित ठिकाने की जानकारी मिली। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनकी बेटी पूरी तरह नशे की गिरफ्त में आ चुकी है और कुछ लोग उसका गलत फायदा उठा रहे हैं। आशंका जताई है कि ऐसे गिरोह बाहर पढ़ने वाले युवाओं, विशेषकर छात्राओं को अपना निशाना बना रहे हैं। परिजनों ने पुलिस के समक्ष घर से जेवर चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएसपी घुमारवीं विशाल वर्मा ने कहा कि मामले की शिकायत मिली है। जांच जारी है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रूसी स्टील्थ फाइटर 'चेकमैट' की पहली उड़ान

अमेरिकी एफ-35 का तोड़ देगा घमंड

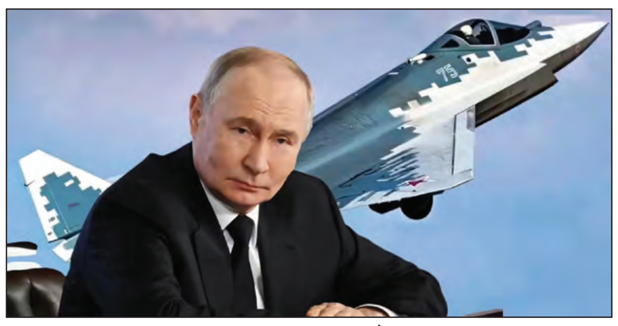

मॉस्को, 3 जून (एजेंसियां)। रूस की लड़ाकू विमान बनाने वाली यूएसी कंपनी के सीईओ वादिम बडेखा ने पुष्टि कर दी है कि एसयू-75 लड़ाकू विमान के प्रोटोटाइप पर काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन ने एसयू-75 चेकमेट पांचवीं पीढ़ी के फाइटर प्रोग्राम के लिए बनाए जा रहे पहले उड़ान प्रोटोटाइप पर काम शुरू कर दिया है। ये बहुत बड़ी खबर है और एसयू 57 के बाद रूस का ये दूसरा स्टील्थ लड़ाकू विमान है। इस विमान को 2021 में दुनिया के सामने लाया गया था और अब इसके 2027 तक उड़ान भरने की उम्मीद है। हालांकि ये विमान अपने तय टाइमलाइन से काफी पीछे चल रहा है।

2021 में अनुमान लगाया गया था कि यह फाइटर जेट 2026 तक सर्विस में आ जाएगा और उस हिसाब से इसकी पहली उड़ान 2023 या उससे पहले ही हो जानी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। तब से लेकर अब तक इस विमान के डिजाइन में अब काफी बदलाव आ चुका है और यह 2021 में दिखाए गए मॉकअप से काफी अलग होगा। बहुत संभव है कि रूस ने एसयू-57 स्टील्थ फाइटर बनाने के दौरान तकनीक में जो तरक्की की हो उसे इस विमान में इस्तेमाल किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे भी संकेत मिले हैं कि इस फाइटर विमान का नाम बदल दिया जाएगा और 'एसयू-75 चेकमेट' नाम का इस्तेमाल सिर्फ कुछ समय के लिए मार्केटिंग के मकसद से किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसयू-75 प्रोग्राम को इस उम्मीद के साथ शुरू किया गया था कि इसके डेवलपमेंट की लागत बहुत कम होगी क्योंकि इसमें एसयू-57 वाली ही टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा लेकिन कई वर्ष बीतने से इसकी लगत बढ़ गई है। एसयू-75 और एसयू-57 दोनों ही विमानों में एक जैसा इंजन, कंपोजिट मटीरियल, हथियार और बड़े विमान के रडार और एवियोनिक्स सूट का एक छोटा रूप शामिल है। यह चीनी जे-16 और जे-10सी या अमेरिकी एफ-15 और एफ-16 के डेवलपमेंट जैसा ही होगा। ये अपने-अपने '4+ जेनरेशन' और चौथी जेनरेशन में ट्विन और सिंगल इंजन वाले फाइटर विमानों के 'हाई-लो' कॉम्बिनेशन हैं।

रूस के भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि हालांकि एसयू-75 प्रोग्राम को एक्सपोर्ट मार्केट में एसयू-57 पांचवीं जेनरेशन के फाइटर विमान के मुकाबले कम लागत और कम रखरखाव वाला विकल्प देने के लिए शुरू किया गया था फिर भी इस बात की काफी संभावना है कि रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज भी इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाएंगी।

रूस का एसयू-75 अमेरिका के एफ-35 और चीन के जे-20 की टक्कर का 5th जेनरेशन लड़ाकू विमान जैसा है। रूस के पास पहले से दोहरे इंजन वाला भारी एसयू-57 स्टील्थ विमान मौजूद है। लेकिन यह नया विमान सिंगल-इंजन वाला है जिससे यह हल्का, बेहद फुर्तीला और सस्ता है। इसमें ओपन-आर्किटेक्चर इलेक्ट्रॉनिक्स और एआई पायलट असिस्टेंस दी गई है जो युद्ध के समय को-पायलट की तरह काम करता है।

रूसी रक्षा अधिकारियों के अनुसार इस प्रोटोटाइप की पहली उड़ान इसी साल तय की गई है जिसके लिए फैक्टरी में इसके पुर्जों और सेंसरों का परीक्षण शुरू हो चुका है।

इस विमान की सबसे बड़ी खासियत इसकी कम कीमत है जो लगभग 25-30 मिलियन डॉलर के करीब होने की उम्मीद है। यानि अमेरिका का F-35 इससे करीब तीन गुना ज्यादा महंगा है। रूस ने भारत को इस विमान की पेशकश की है। रूस चाहता है कि भारत इस प्रोजेक्ट में भागीदार बने और भारत में ही तकनीक ट्रांसफर के साथ इसका 100% निर्माण किया जाए।

एसयू-57 प्रोग्राम को लेकर रूस ने काफी डेवलपमेंट्स किए हैं। नवंबर 2025 में इसकी पहली एक्सपोर्ट डिलीवरी पक्की हो गई है लेकिन एसयू-75 चेकमैट जो कि एक छोटा और सिंगल-इंजन वाला स्टील्थ जेट है का भविष्य अभी भी बहुत धुंधला और अनिश्चित है।

बांग्लादेश के लिए संकरी राह

भारत संग तनाव पर बांग्लादेशी एक्सपर्ट की चेतावनी, संभलकर चलें तारिक रहमान

ढाका, 3 जून (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर धीरे-धीरे ही सही तनाव बढ़ रहा है। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने का ऐलान किया है। अधिकारियों की सख्ती के बाद उन लोगों में दहशत फैल गई है, जिनके पास सही दस्तावेज नहीं है। इस बीच भारत-बांग्लादेश के अहम क्रॉसिंग पॉइंट पर लोगों की भीड़ जमा होने लगी है। बांग्लादेश वापस लौटने की कोशिश में लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं।

पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान

वर्षों तक अवैध घुसपैठियों को निकालने की राह में पश्चिम बंगाल सबसे बड़ी ढांचागत रुकावट था। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का नई दिल्ली से बार-बार टकराव होता रहा। 4 मई को चुनावी नतीजों के बाद वह टकराव खत्म हो चुका है। बीजेपी की जीत के बाद नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पहली ही कैबिनेट बैठक में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को जमीन सौंपने का वादा किया।

इसके साथ ही 24 मई को सभी 23 जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे बिना दस्तावेज वाले संदिग्ध प्रवासियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनाएं। इन होल्डिंग सेंटरों में लोगों को रखा जाने लगा है। यहां से इन्हें बीएसएफ को सौंप दिया जाता है, जो इन अवैध घुसपैठियों को सीमा पार धकेल देती है। भारत की तरफ से सीमा पार धकेले जाने को लेकर बांग्लादेश ने कड़ा विरोध किया है। एक अजीब घटनाक्रम में 31 मई को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने बीएसएफ पर 13 लोगों को सीमा पार धकेलने का आरोप लगाया। बीजीबी ने कहा कि उसने लोगों को बांग्लादेश में घुसने से रोक दिया। लेकिन इससे अजीब स्थिति पैदा हो गई। भारत ने भी उन्हें अंदर नहीं घुसने दिया, जिसके बाद वे सभी लोग नो मैन्स लैंड में फंस गए। यह एक दो देशों की सीमा के बीच का क्षेत्र होता है जिस पर किसी का अधिकार नहीं होता। दोनों पक्षों के बीच फ्लैग मीटिंग हुई, लेकिन कोई हल नहीं निकला। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का कहना है कि 7 मई 2025 से 26 जनवरी 2026 तक यानी 8 महीने में भारत से 2479 लोगों को बांग्लादेश में धकेला गया। बीजीबी के अनुसार, इनमें से कम से कम 120 लोगों की पहचान बाद में भारतीय नागरिक के तौर पर हुई, जबकि कुछ रोहिंग्या शरणार्थी थे। बांग्लादेश ने इस तरह की घटनाओं पर कड़ा विरोध जताया है।

बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद ने हाल ही में कहा, हम किसी भी सूरत में लोगों को इस तरह सीमा पार धकेले जाने को स्वीकार नहीं करेंगे। बांग्लादेशी लेखकर और पत्रकार जन्नतुल नईम ने सीमा पार जबरन धकेले जाने के पीछे आर्थिक पहलू का जिक्र किया है। डेली स्टार में लिखे लेख में उन्होंने कहा कि भारत ने न्यायिक रूप से भेजने के बजाय प्रशासनिक रूप से देश निकाला का तरीका अपना लिया है।

नईम ने कहा कि इस बदलाव को जानबूझकर डिजाइन किया गया है ताकि यह अदालतों की निगरानी में होने वाली वापसी की प्रक्रिया के मुकाबले ज्यादा तेज, कम खर्चीला और कम जवाबदेह हो। नईम कहते हैं कि बॉर्डर पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

बांग्लादेश की तरफ से बीजीबी ने संकेत दिया है कि वह घुसपैठ की कोशिशों का विरोध करेगा। इस बीच 8-11 जून को नई दिल्ली में बीजीबी और बीएसएफ की डीजी स्तर की बैठक होने जा रही है। बांग्लादेश में फरवरी में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार आने के बाद यह पहली बैठक है। इस बैठक में बांग्लादेश की तरफ से सीमा पार जबरन धकेले जाने का मुद्दा उठाए जाने की उम्मीद है।

भारत से चाहते हैं अच्छे संबंध

साइप्रस को ब्रह्मोस मिसाइलें मिलने के डर ने बदले तुर्की के सुर, बढ़ाया दोस्ती का हाथ

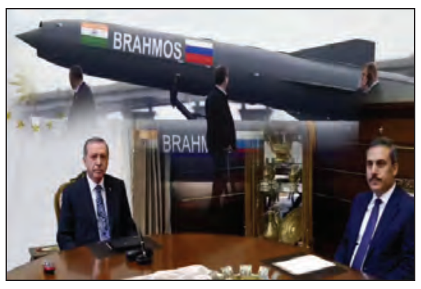

अंकारा, 3 जून (एजेंसियां)। तुर्की की रेसेप तैयप एर्दोगन सरकार के सुर भारत को लेकर बदल गए हैं। तुर्की के विदेश मंत्री ने भारत से नाराजगी दूर करने और अच्छे संबंध बनाने की बात कही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि भारत-तुर्की संबंधों के बीच में पाकिस्तान नहीं आना चाहिए। तुर्की का यह बदला हुआ रुख तब दिखा है, जब तुर्की के कट्टर दुश्मन साइप्रस ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइलें और कामिकाज ड्रोन खरीदने की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए हैं।

तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने एक कार्यक्रम में भारत-तुर्की संबंधों पर हुए एक सवाल पर कहा, 'अगर भारत को इस बात से नाराजगी है कि हमारे पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध हैं तो ऐसे तो कई देश हैं, जिनके इस्लामाबाद के साथ करीबी रिश्ते हैं। पाकिस्तान से रिश्ते को आपसी संबंधों के बीच में नहीं लाया जाना चाहिए।' फिदान ने आगे कहा कि द्विपक्षीय स्तर पर भारत के साथ हमारी कोई समस्या नहीं है। हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह इस मुद्दे (पाकिस्तान) को किसी दूसरे नजरिए से ना देखे। फिदान ने भारत को इस बात के लिए मनाने की कोशिश की है कि तुर्की-पाकिस्तान के रिश्ते की वजह से दिल्ली उनसे दूरी ना बनाए। फिदान का बयान साफतौर पर तुर्की के बदले हुए रुख को दिखाता है। तुर्की ने बीते कुछ समय में अंतरराष्ट्रीय मंचों से लगातार पाकिस्तान की भाषा बोली है।

अल नीनो पर विश्व मौसम विज्ञान संगठन की भविष्यवाणी

जून से अगस्त तक 80 फीसदी बनने की संभावना, मॉनसून पर खतरा

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। दुनिया भर के मौसम और भारत में आने वाले मॉनसून के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने मंगलवार को अपनी चेतावनी में बताया है कि इस साल जून और अगस्त के बीच अल नीनो बनने की संभावना 80% फीसदी है। यह चेतावनी अल नीनो के बारे में पिछले आकलन में बदलाव को दिखाती है।

कुछ दिन पहले ही अमेरिका के क्लाइमेट पूर्वानुमान केंद्र ने भी अल नीनो के अनुमान को बढ़ाकर 82% कर दिया था। इसके पहले अप्रैल में यह 65 फीसदी रखा गया था। ये बदलाव बताते हैं कि प्रशांत महासागर में होने वाली घटना के चलते शुरू हुआ वायुमंडलीय बदलाव तेजी से हो रहा है। अल नीनो उस घटना को कहा जाता है, जिसमें मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का जल अपने लंबे समय के औसत से गर्म हो जाता है। आम तौर पर 9 से 12 महीने तक चलने वाला यह सिस्टम दुनिया भर के तापमान और बारिश के पैटर्न को बुरी तरह प्रभावित करता है। इससे मौसम में बदलाव का खतरा बढ़ता है।

अल नीनो की घटना दक्षिण एशिया में मॉनसून को कमजोर करती है। इसका मतलब है कि इस बार भारत में मॉनसून कमजोर हो सकता है, जिसके चलते ज्यादा तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अपडेट में कहा गया है कि जो अल नीनो अभी बन रहा है, वह मध्यम दर्जे का होगा और काफी मजबूत भी हो सकता है। यह भारत के लिए मुश्किल बढ़ाने वाला होगा, क्योंकि भारत पहले से ही कमजोर मॉनसून का सामना कर रहा है।

डब्ल्यूएमओ ने यह भी कहा कि अल नीनो की स्थिति कम से कम नवम्बर तक बनी रहेगी। इसकी संभावना करीब 90% या उससे ज्यादा है। अल नीनो की घटना लगातार गर्म हो रही दुनिया के लिए और भयावह होने वाली है।

13 साल उम्र, 3 साल में 700 लोगों ने रेप किया

ब्रिटेन की संसद में ग्रूमिंग गैंग पीड़ितों की गवाही, ज्यादातर आरोपी पाकिस्तान मूल के

लंदन, 3 जून (एजेंसियां)। ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में अपने एक भाषण से ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग कांड पर फिर से बहस छेड़ दी है। उन्होंने इस भाषण में पीड़ितों की गवाही पढ़ी। उन्होंने संसद को बताया कि रेप गिरोह की दो हफ्तों की जांच की सुनवाई के दौरान जो बातें कही गईं, उसे पूरी दुनिया को सुननी चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि एक पीड़ित से 13 से 16 साल की उम्र के बीच 600-700 अलग-अलग पुरुषों ने रेप किया। लोव ने कहा, ब्रिटेन के कम से कम 85 इलाकों में संगठित बाल यौन शोषण के संकेत मिले हैं। संसद में पढ़ी गई गवाहियों में सामूहिक दुष्कर्म, हिंसा, धमकी और नस्लीय अपमान के आरोप शामिल थे।

एक गवाही में कहा गया कि पीड़ित को ड्रग्स देकर कई लोगों के हवाले किया जाता था। उन्हें पिंजरों में कैद रखा जाता था। दूसरी पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जाती थी। रूपर्ट लोव ने कहा- अब इन मामलों पर चुप नहीं रहा जा सकता। पिछले साल अगस्त में लोव ने कहा था कि रेप कांड में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के पुरुष शामिल हैं। ये दशकों से गैंग चला रहे हैं और इनकी संख्या अनुमान से कहीं ज्यादा हैं।

लोव के संसद में दिए भाषण के मुताबिक, एक पीड़ित ने कहा- आरोपी ने अपनी पैंट उतारी, मेरा रेप किया। फिर उसने एक खाली बोतल उठाई और उसे जबरदस्ती मेरे प्राइवेट पार्ट के अंदर डाल दिया और बोतल का शीशा तोड़ दिया। उस समय मेरी उम्र लगभग 12 या 13 साल थी। लोव ने एक और पीड़ित की कहानी बताई। पीड़ित ने कहा- उन पुरुषों ने मुझे पकड़ रखा था और बारी-बारी से मेरे साथ रेप किया, मेरे हाथ-पैर भी दबाए रखे। उन्होंने मुझे बार-बार पीटा, किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। जांच के दौरान एक पीड़ित ने कहा- आरोपी लगातार ऐसे कमेंट करते थे, जिनसे लगता था कि वे श्वेत और ईसाई लड़कियों को कम नैतिक या निचले दर्जे वाली मानते थे। कुछ पुरुष मुस्लिम लड़कियों को इज्जतदार और उच्च मूल्यों वाली बताते थे। इस तरह वे हमारे साथ किए व्यवहार को सही ठहराते थे। ब्रिटिश सांसद ने एक और महिला की कहानी बताते हुए दावा किया कि उसके साथ रेप करने वाले आरोपी पुलिस अधिकारी थे। गवाही में कहा गया- देश के अलग-अलग हिस्सों में कई पुलिस अधिकारियों ने मेरा रेप किया।

मौत के 4 महीने बाद होगा खामनेई का अंतिम संस्कार

ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, 2 करोड़ लोग जनाजे में शामिल हो सकते हैं

तेहरान, 3 जून (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के लगभग चार महीने बाद उन्हें दफनाया जाएगा। खामेनेई को उनकी अंतिम इच्छा के मुताबिक मशहद शहर में शिया इस्लाम के चर्चित इमाम रजा के पवित्र दरगाह परिसर के पास दफनाया जाएगा।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुताबिक खामेनेई को 21 जून के आसपास आखिरी विदाई दी जा सकती है। 28 फरवरी को तेहरान में उनके आवास पर हुए अमेरिका-इजराइल के हमले में उनकी मौत हो गई थी।

उनका राजकीय अंतिम संस्कार पहले 4 मार्च को होने वाला था, लेकिन युद्ध की वजह से इसे टाल दिया गया था। अधिकारियों को उम्मीद है कि तेहरान, कुम और मशहद में होने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे तीन दिन निर्धारित किए गए हैं।

खामेनेई का मुख्य अंतिम संस्कार समारोह तेहरान में होगा, जो कम से कम 24 घंटे तक चलने की उम्मीद है। इसके बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक शहर कुम ले जाया जाएगा और फिर मशहद पहुंचाया जाएगा, जहां इमाम रजा के दरगाह परिसर में दफनाया जाएगा।

तेहरान नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि दफन से पहले खामेनेई के पार्थिव शरीर को कुम और मशहद की सड़कों पर अंतिम यात्रा के रूप में ले जाया जाएगा।

यह जानकारी आईआरजीसी के एक बयान में दी गई। अगर खामेनेई के जनाजे में वास्तव में 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, तो यह इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के 1989 वाले रिकॉर्ड से कहीं बड़ा आयोजन होगा।

1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के जनाजे में करीब 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग शामिल हुए थे। यह उस समय ईरान की कुल आबादी का लगभग छठा हिस्सा था।

इस कार्यक्रम को आज भी दुनिया के सबसे बड़े जनाजों में गिना जाता है। इतनी भारी भीड़ उमड़ी थी कि भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग घायल हुए थे।

शिया ईरान बनाम सुन्नी पाकिस्तान, मजबूरी में दोनों बने भाई-भाई

अमेरिका ने बनाई असीम मुनीर की किस्मत

इस्लामाबाद/तेहरान, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में अभी तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। ट्रंप के लिए इज्जत बचाकर ईरान युद्ध से बाहर निकलना अत्यंत जरूरी है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं और जनता ईरान युद्ध का हिसाब किताब मांग रही है। दूसरी तरफ इसका सबसे ज्यादा फायदा पाकिस्ता को हो रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर पाकिस्तान में अपनी सत्ता और मजबूत कर रहे हैं। लेकिन असल सवाल ये है कि पाकिस्तान और ईरान जो एक दूसरे पर कभी भरोसा नहीं करते उनमें ऐसी जुगलबंदी दिखने की क्या वजह है।

ऑब्ज़र्वर रिसर्च फ़ाउंडेशन मिडिल ईस्ट के कबीर तनेजा ने लिखा है कि ईरान शिया देश है और पाकिस्तान परमाणु हथियार वाला सुन्नी देश। ईरान परमाणु बम बनाना चाहता है और इसीलिए इजरायल-अमेरिका ने उसपर हमला किया था। ईरान दशकों से एक शक्तिशाली इस्लामिक देश बनकर मुस्लिम उम्मा का नेता बनना चाहा है जबकि पाकिस्तान का ध्यान हमेशा से भारत पर रहा है। भले ही ईरान और पाकिस्तान के बीच कभी पूर्ण युद्ध नहीं हुआ है लेकिन दोनों एक दूसरे के ऊपर हमला करते रहे हैं। कबीर तनेजा ने लिखा है कि पाकिस्तान के पास मध्यस्थता का कोई अनुभव नहीं है और ईरान से उसके रिश्ते भी अच्छे नहीं रहे हैं।

हालांकि पाकिस्तान 1970 के दशक में एक बार अमेरिका को चीन के साथ संबंध सामान्य करने में मदद की थी। लेकिन मौजूदा समय में ये दो राजनीतिक घटनाएं बताती हैं कि पाकिस्तान और ईरान के बीच बना यह नया पुल कितना अनोखा है। पहली घटना असीम मुनीर की डोनाल्ड ट्रंप से नजदीकी और दूसरी घटना पश्चिम एशिया की इस्लामी राजनीति में पाकिस्तान की वापसी। जनवरी 2024 में ईरान और पाकिस्तान एक-दूसरे पर सीमावर्ती अशांत इलाकों में मिसाइलें दाग चुके हैं।

500 तहसीलदारों की हड़ताल, दफ्तरों में भटकते रहे लोग

बीजेपी विधायक की गिरफ्तारी की मांग, कांग्रेस बोली- सरकार बचा रही

रायपुर/सरगुजा, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 500 से ज्यादा तहसीलदार आज हड़ताल पर हैं। राजस्व कामकाज बंद कर अधिकारियों ने सीतापुर से भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो की गिरफ्तारी की मांग की है। आरोप है कि विधायक ने सरगुजा जिले के नायब तहसीलदार तुषार मानिक की पिटाई की थी।

इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आज प्रदेशभर के तहसीलदार राजधानी रायपुर पहुंचे हैं। हड़ताल के कारण राज्य की अधिकांश तहसीलों में कामकाज पूरी तरह ठप है। लोग राजस्व कामकाज के लिए भटकते दिखाई दिए। इस पर कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने सवाल उठाते हुए सरकार पर विधायक को बचाने का आरोप लगाया है। वहीं, वकीलों ने हड़ताल का विरोध किया है, पटवारी संघ ने समर्थन दिया है। बीजेपी ने जांच के बाद दोषी पर कार्रवाई की बात कही।

बता दें कि इससे पहले 30 मई को कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संघ ने हड़ताल की थी। तब विधायक ने खुद गिरफ्तारी देने की बात कही थी। हालांकि अब तक कार्रवाई नहीं होने पर आज फिर प्रदर्शन किया जा रहा है।

विधायक रामकुमार टोप्पो का आरोप है कि, नायब तहसीलदार तुषार मानिक ने उनकी चचेरी बहन से अभद्रता की थी। तुषार मानिक का आरोप है कि, बहन के साथ अभद्रता का आरोप लगाते हुए विधायक और उनके समर्थकों ने उनकी पिटाई की थी।

बाद में दोनों पक्षों की शिकायत के बाद काउंटर एफआईआर हुई थी। इसी के बाद राज्य के सभी तहसीलदार एकजुट हुए और कामकाज बंद कर विधायक पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

35 फीट ऊंचे पुल से नदी में कूदा, मौत

रायगढ़, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक युवक ने मांड नदी पर बने अंबेटिकरा पुल से करीब 35 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। लेकिन वो दोबारा पानी से बाहर नहीं निकल सका। कूदते समय दोस्तों ने उसका वीडियो बनाया, जो अब वायरल हो रहा है। घटना के बाद से ही पुलिस और डीडीआरएफ की टीम ने नदी में युवक की तलाश कर रही थी। 22 घंटे की मशक्कत के बाद युवक की लाश तैरती हुई मिली। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है। इससे पहले बिलासपुर जिले में अलग-अलग जगहों पर हुए हादसों में 2 युवकों की डूबने से मौत हो गई।

बालेन शाह को माफी मांगनी चाहिए

भारत पर दिए गये बयान से भड़के पूर्व नेपाली राजदूत, देशभर में प्रदर्शन

काठमांडू, 3 जून (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के 'भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान पर विरोध कम होने का नाम नहीं ले रहा है। भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत नीलांबर आचार्य ने प्रधानमंत्री के दावे पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे अपरिपक्व और गलत जानकारी पर आधारित बताया है। उन्होंने 'खबर हब' को दिए एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री बालेन शाह से माफी की मांग की है। आपको बता दें कि नीलांबर आचार्य ने नेपाल-भारत सीमा मुद्दों पर करीब से काम किया है और नेपाल-भारत प्रबुद्ध व्यक्तियों के समूह के सदस्य के रूप में भी काम किया है। उनका कहना है कि दोनों देशों के बीच अधिकांश सीमा विवाद यानि लगभग 97 से 98 प्रतिशत आपसी समझ के माध्यम से पहले ही सुलझा लिए गए हैं। उन्होंने खबर हब से बात करते हुए तर्क दिया कि भारत की तरफ से ऐसा कोई आधिकारिक संचार नहीं हुआ है जिसमें ऐसा कहा गया हो गया हो कि नेपाल ने भारत की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है। ऐसे में प्रधानमंत्री का बयान तथ्यों की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। उन्होंने ऐसे संवेदनशील मामलों में स्पष्टता, जवाबदेही और कूटनीतिक जिम्मेदारी की जरूरत पर जोर दिया है। नीलांबर आचार्य ने खबर हब से कहा कि प्रधानमंत्री ने गलत बात कही है।

नवग्रहाधिपति सूर्य देव की प्रेरणादायक कथा

एक समय स्वर्गलोक के सत्ता सिंहासन पर आसीन इन्द्रदेव ने सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु से अनुरोध किया कि आप लोग क्रमशः अपने मुख से अपना-अपना शुभ, अशुभ, आकृति-प्रकृति, व्यक्तित्व, प्रभाव, शक्ति, पराक्रम और गरिमा का वर्णन करें। तब नव ग्रहों में सबसे पहले सूर्य ने अपने गुणों का गुणगान करते हुए कहा-

सर्वप्रथम सूर्यदेव ने कहा-

हे राजन! मैं पृथ्वी से तेरह लाख गुना बड़ा हूं। मेरा रंग पीलेपन लिए हुए लाल है। मैं सौरमंडल का स्वामी हूं। प्रत्येक जड़-चेतन प्राणियों की आत्मा मैं ही हूं। मेरे प्रकाश से ही सब प्रकाशित होते हैं। मैं अंधकार और अज्ञान का शत्रु हूं। मेरे द्वारा ही धातुओं और रत्नों में रंग एवं चमक आती है। सभी ग्रह-नक्षत्र मेरी ही आकर्षण शक्ति से अपनी-अपनी कक्षा में स्थित और गतिमान हैं। समस्त इंद्रधनुषी रंगों का स्रोत मैं ही हूं। मेरी असंख्य किरणें समस्त लोकों को आलोकित करती हैं, इसलिए मैं सहस्रांशु कहलाता हूं। यह सातों रंग ही मेरे सात घोड़े हैं, जो मेरे प्रखर एवं दिव्य रथ को खींचते हैं। मैं समस्त ग्रहों का राजा हूं। चंद्रमा मेरा मंत्री है। शनि मेरा पुत्र है। बृहस्पति और मंगल मेरे अभिन्न मित्र हैं। मैं क्षत्रिय वर्ण हूं और अग्नि तत्व प्रधान हूं।

मैं ही पृथ्वी पर जल की वर्षा करके जीव-जंतुओं और वनस्पतियों को अंकुरित, पल्लवित, पुष्पित एवं फलित करता हूं। मानव के हृदय, आंखों और स्नायु आदि पर मेरा ही प्रभाव रहता है। मेरा शुभ प्रभाव होने पर साधारण व्यक्ति भी राजा, मंत्री या राष्ट्राध्यक्ष बन जाता है। शारीरिक, मानसिक रोग, दुःख, उदासीनता, अपमान, मंदाग्नि, उदर की क्षीणता और रोगों का आगमन मेरे प्रतिकूल प्रभाव के कारण ही होता है।

जो मेरे दिन यानी रविवार को व्रत रखते हैं, नमक नहीं खाते, उन्हें मैं रोगमुक्त रखता हूं। जो लोग उपरोक्त वस्तुएं न खाते और न छूते हुए मेरे दिन व्रत-उपवास रखते हैं तथा उगते समय मेरे स्वरूप को अर्घ्य देकर विधिवत पूजन करते हैं, उन पर मैं प्रसन्न होकर उन्हें धन-धान्य से परिपूर्ण करके जीवन में सफलता देता हूं।

मैं परम प्रतापी और समस्त जगत की आत्मा हूं, अतः ब्रह्मस्वरूप हूं। मेरे दिन यानी रविवार को जन्म लेने वाला व्यक्ति तेजस्वी, चतुर, स्वाभिमानी और दानी होता है। उदार प्रकृति वाला ऐसा व्यक्ति कुलभूषण होता है। उसे 21वें तथा 22वें वर्ष में मेरी कृपा प्राप्त होती है। मैं प्रसन्न रहूं तो उसका भाग्योदय करा देता हूं। यदि रुष्ट रहूं तो इन्हीं वर्षों में कष्ट देता हूं। ऐसे व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक नहीं होती, यदि अनुकूल हूं तो 99 वर्ष तक का जीवन देता हूं।

मेरे रविवार के दिन संगीत, शिक्षा-दीक्षा, औषधि सेवन करना, पशुपालन करना, नौकरी का प्रारंभ करना, हवन-यज्ञ करना तथा मंत्र-उपदेश को ग्रहण करना शुभ होता है। मैं अन्न-शस्य खरीदने-बेचने, सीखने और वाद-विवाद में सफलता दिलाता हूं। मेरे वार में पुष्य नक्षत्र हो तो महायोग बनता है। इस रवि-पुष्य योग में की गई हर साधना शीघ्र सिद्धिदायक होती है। साधक, तांत्रिक और ज्योतिषी रवि-पुष्य की शुभ घड़ियों में अपना तांत्रिक प्रयोग या साधना करने को उत्सुक रहते हैं।

मेरे दिन गाय का घी खाना बल, वीर्य एवं स्वास्थ्यवर्धक है, किंतु गुड़, तेल और शहद खाना हानिकारक है। मेरे उदय-अस्त से पृथ्वी के हर चराचर प्रभावित होते हैं तथा उदय पर जागते और क्रियाशील होते हैं। अस्त होने पर क्रियाहीन होकर सोते हैं, यदि नहीं सोते तो पाचन तंत्र बिगड़ जाता है। पृथ्वी के जिस भाग पर मेरी किरणें नहीं पड़तीं, वह भाग भूतों, प्रेतों, राक्षसों और निशाचरों का डेरा बन जाता है। चोर-चांडालों का भय मेरे प्रकाश के बिना प्राणियों को सताता रहता है। जन्मकुंडली में 3, 6, 10, 11वें स्थान पर मैं शुभ प्रभाव देता हूं। मेरी स्वराशि सिंह, उच्च राशि मेष तथा नीच राशि तुला है।

हर समस्या का समाधान देवताओं के पास नहीं, इन देवियों के पास है!

हिंदू धर्म में अलग-अलग देवियों को विशेष आशीर्वाद से जोड़ा गया है। भक्त अपनी समस्याओं और दिव्य मार्गदर्शन के लिए किसी विशेष देवी की सच्ची श्रद्धा से पूजा करते हैं। यहां हम बताएंगे कि कठिन समय, दुख और चुनौतियों में कौन सी देवी आपकी मदद कर सकती हैं। आप अपनी जरूरत के अनुसार उस विशेष देवी शक्ति से जुड़ सकते हैं।

जिंदगी में आने वाली हर छोटी-बड़ी परेशानी का हल हमेशा देवताओं के पास ही नहीं होता, कई बार समाधान हमारी पूजनीय देवियों के रूप में भी मिलता है। मान्यता है कि धन, संतान, विवाह, करियर, स्वास्थ्य, भय या शांति जैसी अलग-अलग समस्याओं के लिए अलग-अलग देवियों की आराधना की जाती है। सही देवी की पूजा करने से मनोवांछित फल मिलने की आशा की जाती है। यहां जानिए, आपकी विशेष समस्या के लिए किस देवी की पूजा की जाती है।

नकारात्मकता महसूस हो रही है: मां काली की पूजा करें- मां काली बुराई के विनाश और सुरक्षा का प्रतीक हैं। वे जीवन से अंधकार और भ्रम को दूर करती हैं। जो लोग नकारात्मक ऊर्जा, बुरी शक्तियों और डर से परेशान हैं, उन्हें मां काली की पूजा करनी चाहिए। मां काली की पूजा करने से बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलती है और डर दूर होता है।

धन और समृद्धि के लिए: मां लक्ष्मी - मां लक्ष्मी धन, समृद्धि और खुशहाली की देवी हैं। अगर आप आर्थिक तंगी, पैसों की कमी या धन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं तो मां लक्ष्मी की पूजा करें। उनकी कृपा से धन, समृद्धि और आर्थिक स्थिरता मिलती है।

ज्ञान और बुद्धि के लिए: मां सरस्वती - मां सरस्वती शिक्षा, ज्ञान और रचनात्मकता की देवी हैं। जो लोग अपना ज्ञान, रचनात्मकता और बुद्धि बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए। छात्र अपनी एकाग्रता बढ़ाने, पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने और रचनात्मकता के लिए मां सरस्वती की पूजा करें।

मां पार्वती सौहार्द, संतुलन, प्रेम, वैवाहिक सुख और शांति की देवी हैं। जो लोग मनचाहा जीवनसाथी पाना चाहते हैं या अपने रिश्ते में खुशहाली चाहते हैं, वे मां पार्वती की पूजा करें। उनकी कृपा से वैवाहिक जीवन में सुख और शांति मिलती है।

संतोष के लिए: मां संतोषी – मां संतोषी संतोष, शांति और पूर्णता की देवी हैं। लोग हर शुक्रवार को मां संतोषी की पूजा करते हैं। अगर आप रोजमर्रा की जिंदगी में परेशान हैं और मनचाही इच्छा की पूर्ति चाहते हैं तो मां संतोषी की पूजा करें। सच्ची श्रद्धा और शुद्ध मन से पूजा करने पर मां संतोषी सभी इच्छाएं पूरी करती हैं।

शक्ति और सुरक्षा के लिए: मां दुर्गा – मां दुर्गा शक्ति, साहस और निर्भयता की देवी हैं। जो लोग अपने छुपे हुए डर को दूर करना चाहते हैं, अपनी शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ाना चाहते हैं, वे मां दुर्गा की पूजा करें। मां दुर्गा सभी बाधाओं को दूर करती हैं, आत्मविश्वास और साहस बढ़ाती हैं और जीवन की हर चुनौती से लड़ने की शक्ति देती हैं।

जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, समय उसे सफलता और अनेक अवसर प्रदान करता है

समय अत्यंत मूल्यवान शक्ति है। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, समय उसे सफलता और अनेक अवसर प्रदान करता है। भारतीय कालगणना में समय को ईश्वर का स्वरूप माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि काल ही विष्णु, शिव और इंद्र है। अर्थात समय में सृष्टि के पालन, संहार और संचालन की दिव्य शक्तियां समाहित हैं। काल के अनेक अंग और रूप हैं, जो जीवन के विभिन्न आयामों को प्रभावित करते हैं। इसलिए हमें समय के प्रति सदैव सजग, सावधान और अनुशासित रहना चाहिए और हर एक पल का सदुपयोग करना चाहिए।

जब दुर्योधन ने भीम को विष देकर गंगा में फेंका, फिर हुआ चमत्कार!

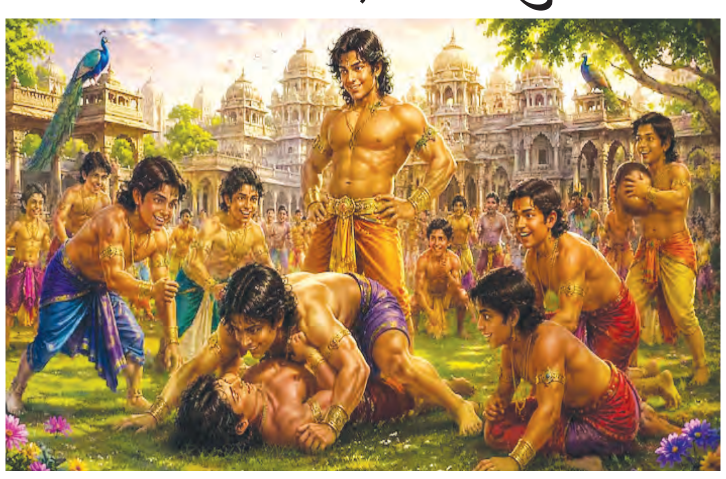

हस्तिनापुर में पांडव और कौरव एक साथ शिक्षा प्राप्त करते और खेलकूद में भाग लेते थे। सभी राजकुमारों में भीम सबसे अधिक बलवान थे। उनकी शक्ति और साहस देखकर लोग आश्चर्यचकित रह जाते थे। यही असाधारण बल धीरे-धीरे दुर्योधन के मन में ईर्ष्या और द्वेष का कारण बनने लगा।

भीम खेल-खेल में कौरवों को उठा लेते, पेड़ों को हिलाकर उन्हें नीचे गिरा देते और जलक्रीड़ा में भी सभी पर भारी पड़ते थे। दुर्योधन को यह सब बिल्कुल पसंद नहीं था। उसे लगता था कि भीम की बढ़ती शक्ति भविष्य में उसके लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकती है।

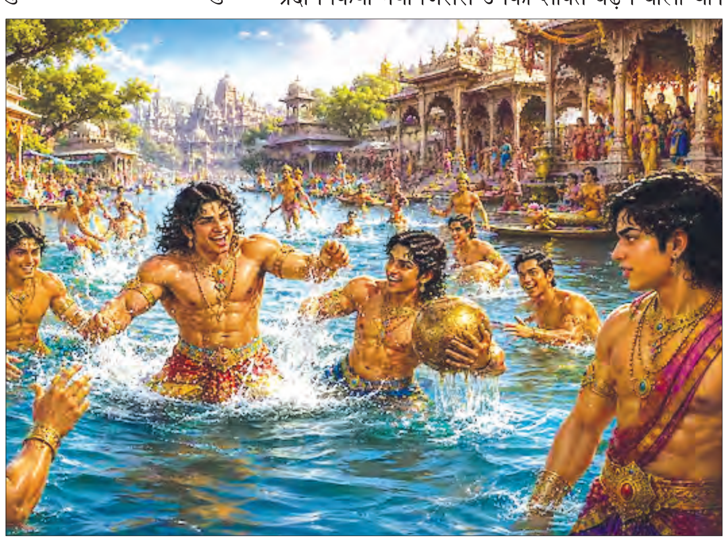

दुर्योधन ने मन ही मन भीम को रास्ते से हटाने का निश्चय कर लिया। उसने एक ऐसी योजना बनाई जिसमें किसी को उस पर संदेह भी न हो। उसने गंगा तट पर बने सुंदर प्रमाणकोटि उद्यान में जल-विहार और मनोरंजन का आयोजन करने का प्रस्ताव रखा।

दुर्योधन के निमंत्रण पर सभी पांडव और कौरव प्रमाणकोटि पहुँचे। वहाँ सुंदर भवन, मनोरंजन के साधन और स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। सभी राजकुमार खेलकूद और जल-विहार में मग्न हो गए, जबकि दुर्योधन अपनी गुप्त योजना को सफल बनाने का अवसर खोज रहा था।

जब सभी राजकुमार भोजन कर रहे थे, तब दुर्योधन ने अवसर देखकर भीम के भोजन में घातक विष मिला दिया। भीम को इस विश्वासघात का कोई आभास नहीं था। उन्होंने सामान्य रूप से भोजन किया और कुछ समय बाद विष का प्रभाव उनके शरीर पर दिखाई देने लगा।

विष के प्रभाव से भीम अचेत होकर गहरी नींद में चले गए। रात के समय दुर्योधन ने उन्हें बेलों से बांध दिया और गुप्त रूप से गंगा की तेज धारा में फेंक दिया। उसे विश्वास था कि अब भीम कभी वापस नहीं लौटेंगे और उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी समाप्त हो जाएगा।

गंगा की धारा में बहते हुए भीम नागों के क्षेत्र में पहुँच गए। वहाँ अनेक सर्पों ने उन्हें डस लिया। आश्चर्य की बात यह थी कि सर्पों के विष ने उनके शरीर में पहले से मौजूद विष का प्रभाव समाप्त कर दिया। कुछ समय बाद भीम को चेतना वापस आने लगी।

होश में आने पर भीम की भेंट नागराज वासुकि और अन्य नागों से हुई। नागों ने उन्हें पहचान लिया और सम्मानपूर्वक अपने लोक में ले गए। वहाँ भीम का आदर-सत्कार किया गया और उन्हें विशेष दिव्य पेय प्रदान किया गया जिससे उनकी शक्ति बढ़ने वाली थी।

नागलोक में भीम को दिव्य अमृत तुल्य रस पिलाया गया। उस अद्भुत पेय को ग्रहण करने के बाद उनके शरीर में दस हजार हाथियों के बराबर बल आ गया। भीम पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली बन गए और उनका आत्मविश्वास भी कई गुना बढ़ गया।

कुछ समय बाद भीम हस्तिनापुर लौटे और माता कुंती तथा अपने भाइयों से मिले। सभी उन्हें जीवित देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। भीम ने पूरी घटना सुनाई, लेकिन युधिष्ठिर ने सावधानी बरतने की सलाह दी। इस घटना ने पांडवों और कौरवों के बीच बढ़ती शत्रुता को और स्पष्ट कर दिया।

अर्जुन ने कैसे जीती द्रोणाचार्य की परीक्षा?

द्रोणाचार्य ने अपने सभी शिष्यों पांडवों और कौरवों की धनुर्विद्या की परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने एक कृत्रिम गिद्ध को वृक्ष की ऊँची शाखा पर रखवाया और सभी राजकुमारों को एक-एक करके बुलाया। यह केवल निशानेबाजी की नहीं, बल्कि एकाग्रता और मानसिक स्थिरता की भी परीक्षा थी।

सबसे पहले युधिष्ठिर को बुलाया गया। द्रोणाचार्य ने पूछा, तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है? युधिष्ठिर ने उत्तर दिया कि उन्हें वृक्ष, गिद्ध, गुरु और अपने भाई सभी दिखाई दे रहे हैं। अन्य राजकुमारों ने भी इसी प्रकार उत्तर दिया। द्रोणाचार्य समझ गए कि उनका ध्यान लक्ष्य पर पूरी तरह केंद्रित नहीं है।

जब अर्जुन की बारी आई, तो द्रोणाचार्य ने वही प्रश्न पूछा। अर्जुन ने कहा, ₹मुझे केवल गिद्ध की आँख दिखाई दे रही है।₹ गुरु ने फिर पूछा कि क्या उन्हें वृक्ष या अन्य कोई वस्तु दिख रही है। अर्जुन ने स्पष्ट कहा कि उनका ध्यान केवल लक्ष्य पर है। यह सुनकर द्रोणाचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए।

द्रोणाचार्य ने अर्जुन को बाण चलाने की अनुमति दी। जैसे ही अर्जुन ने प्रत्यंचा खींचकर बाण छोड़ा, वह सीधा गिद्ध की आँख पर जाकर लगा। सभी राजकुमार अर्जुन की अद्भुत एकाग्रता और कौशल देखकर आश्चर्यचकित रह गए। द्रोणाचार्य ने समझ लिया कि अर्जुन साधारण शिष्य नहीं, बल्कि असाधारण धनुर्धर हैं।

एक दिन भोजन करते समय तेज हवा से दीपक बुझ गया, फिर भी अर्जुन बिना कठिनाई के भोजन करते रहे। तभी उनके मन में विचार आया कि यदि अभ्यास निरंतर किया जाए तो अंधकार में भी कार्य संभव है। उसी दिन से अर्जुन ने रात के समय भी धनुर्विद्या का अभ्यास आरंभ कर दिया।

अर्जुन की अथक मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने उन्हें सभी शिष्यों से श्रेष्ठ बना दिया। द्रोणाचार्य ने उनकी प्रतिभा को पहचानकर विशेष अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्रदान किया। अर्जुन केवल बल से नहीं, बल्कि एकाग्रता, अभ्यास और गुरु-भक्ति के कारण महान धनुर्धर बने। यही गुण आगे चलकर उन्हें महाभारत का महान योद्धा बनाते हैं।

16 पत्थर के स्तंभों पर टिकी सदियों पुरानी आस्था की विरासत, यहां विराजती हैं त्रिदेवियां

अगर आप गर्मियों की छुट्टी के लिए प्लान बना रहे हैं तो छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित रतनपुर में ऐसा ही एक मंदिर है। श्री महामाया देवी मंदिर प्रमुख शक्ति स्थलों में गिना जाता है। 12वीं शताब्दी में निर्मित यह भव्य मंदिर अपनी धार्मिक मान्यता, ऐतिहासिक विरासत और वास्तुकला के कारण श्रद्धालुओं और इतिहास प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र रहा है। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से ही सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और हर कार्य में सफलता मिलती है। नागर शैली में निर्मित यह मंदिर उत्तर दिशा की ओर मुख किए हुए है और एक विशाल जलकुंड के किनारे स्थित है।

श्री महामाया देवी मंदिर प्रमुख शक्ति स्थल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित रतनपुर में भी ऐसा ही एक मंदिर है। श्री महामाया देवी मंदिर प्रमुख शक्ति स्थलों में गिना जाता है। 12वीं शताब्दी में निर्मित यह भव्य मंदिर अपनी धार्मिक मान्यता, ऐतिहासिक विरासत और वास्तुकला के कारण श्रद्धालुओं और इतिहास प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र रहा है।

धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी है पहचान

हरे-भरे पहाड़ों और सैकड़ों तालाबों से घिरे रतनपुर की पहचान उसकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी हुई है। महामाया देवी मंदिर ना केवल आस्था के प्रमुख केंद्र में से एक है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास, कला और संस्कृति का भी महत्वपूर्ण प्रतीक है। यहां पहुंचने वाला हर श्रद्धालु और पर्यटक मंदिर की दिव्यता, स्थापत्य भव्यता और ऐतिहासिक महत्व से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाता।

श्री महामाया देवी मंदिर का इतिहास

सोलह विशाल पत्थर के स्तंभों पर टिका यह मंदिर आज भी मध्यकालीन भारतीय स्थापत्य कला की उत्कृष्टता का उदाहरण माना जाता है। रतनपुर कभी कलचुरी राजाओं की राजधानी हुआ करता था। इसी काल में महामाया मंदिर का निर्माण हुआ। मान्यता है कि कलचुरी शासक राजा रत्नदेव ने देवी की आराधना के बाद इस क्षेत्र को अपनी राजधानी बनाया था। इसके बाद यहां मंदिरों, किलों, महलों और तालाबों का निर्माण हुआ।

सिद्ध शक्तिपीठ है महामाया मंदिर

महामाया मंदिर सिद्ध शक्तिपीठ है, जो मूल रूप से त्रिदेवी स्वरूप- महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती को समर्पित है। समय के साथ मंदिर में कई बदलाव हुए और वर्तमान स्वरूप में यहां देवी महामाया की विशेष पूजा की जाती है। गर्भगृह में स्थापित देवी की प्रतिमा महिषासुर मर्दिनी और सरस्वती के स्वरूप का अद्भुत संगम मानी जाती है।

महामाया मंदिर की वास्तुकला

मंदिर की वास्तुकला इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में शामिल है। नागर शैली में निर्मित यह मंदिर उत्तर दिशा की ओर मुख किए हुए है और एक विशाल जलकुंड के किनारे स्थित है। लगभग 18 इंच मोटी चारदीवारी से घिरा यह मंदिर 16 पत्थर के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। मंदिर में प्रयुक्त कई मूर्तियां और शिल्पकृतियां पुराने खंडित मंदिरों से लाई गई थीं, जिनमें कुछ जैन मंदिरों की कलाकृतियां भी शामिल हैं।

मंदिर में कई देवी-देवताओं की प्रतिमाएं

मंदिर परिसर में केवल महामाया देवी ही नहीं, बल्कि महाकाली, भद्रकाली, सूर्य देव, भगवान विष्णु, भगवान शिव, भैरव और हनुमान जी की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। इससे यह परिसर एक व्यापक धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है।

1039 में संतोष गिरि नामक तपस्वी ने कराया था निर्माण

महामाया मंदिर के निकट स्थित कांतिदेवल मंदिर भी ऐतिहासिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। माना जाता है कि इसका निर्माण 1039 में संतोष गिरि नामक तपस्वी ने कराया था। बाद में कलचुरी शासक पृथ्वीदेव द्वितीय ने इसका विस्तार कराया। अपनी सुंदर नक्काशी, चार प्रवेश द्वारों और आकर्षक स्थापत्य के कारण यह मंदिर भी पर्यटकों और शोधकर्ताओं को आकर्षित करता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 4 जून - 2026

ममता की अग्निपरीक्षा

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चुनावी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जिस प्रकार के आंतरिक संकट का सामना कर रही है, उसने पार्टी के भविष्य को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण टीएमसी की राजनीति और संगठन दोनों शासन के इर्द-गिर्द विकसित हुए थे। ऐसे में सत्ता से दूर होते ही पार्टी के भीतर असंतोष सतह पर आने लगा है। बगावत, अनुशासनहीनता और नेतृत्व पर बढ़ते दबाव के बीच यह संकट टीएमसी के गठन के बाद के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। टीएमसी की सबसे बड़ी ताकत हमेशा ममता बनर्जी का संघर्षशील और जनआधारित नेतृत्व रहा है। उन्होंने 34 वर्षों तक पश्चिम बंगाल पर शासन करने वाले वाम मोर्चे के खिलाफ जनभावनाओं को संगठित किया और वर्ष 2011 में सत्ता परिवर्तन का इतिहास रचा। ममता की पहचान ऐसी नेता की रही है जो राजनीतिक संघर्ष को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि स्वयं मैदान में उतरकर लड़ाई लड़ती हैं। यही कारण है कि विपक्ष में आने के बाद भी उन्होंने संघर्ष का रास्ता चुना है। चुनाव के बाद हुई हिंसा के विरोध में कोलकाता में उनका धरना और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना इसी रणनीति का हिस्सा है। वह यह संदेश देना चाहती हैं कि टीएमसी लड़ाई के मैदान में डटी हुई है और हार को अंतिम सत्य मानने को तैयार नहीं है। लेकिन इस बार चुनौती केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संगठनात्मक भी है। पार्टी के भीतर एकजुटता को लेकर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। हाल ही में ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई विधायकों की बैठक में अपेक्षा से बेहद कम उपस्थिति ने नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी। इसके बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो विधायकों का निष्कासन और फर्जी हस्ताक्षर प्रकरण से जुड़ी शिकायतों ने संकट को और गहरा कर दिया। वहीं निलंबित प्रवक्ता ऋ जू दत्ता का यह दावा कि लगभग 50 विधायक पार्टी से अलग होकर चुनाव चिह्न पर दावा ठोक सकते हैं, भले ही राजनीतिक बयानबाजी हो, लेकिन इससे संगठन के भीतर की बेचैनी का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, भारतीय राजनीति में चुनावी हार अक्सर दलों की वास्तविक ताकत और एकजुटता की परीक्षा बन जाती है। तमिलनाडु में एआईएडीएमके और महाराष्ट्र में शिवसेना के उदाहरण बताते हैं कि सत्ता से दूर होने के बाद दलों के भीतर असंतोष और नेतृत्व संघर्ष तेज हो जाते हैं। पश्चिम बंगाल में भी वर्षों तक सत्ता में रहने के कारण टीएमसी के अनेक नेता और कार्यकर्ता विपक्ष की राजनीति की चुनौतियों से अपरिचित रहे हैं। ऐसे में स्वयं को ढालना आसान नहीं होगा। राजनीतिक हिंसा का मुद्दा भी इस संकट को और जटिल बना रहा है। निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में असुरक्षा, भय और भविष्य को लेकर अनिश्चितता का माहौल है। यही बेचैनी कई बार संगठनात्मक असंतोष का रूप ले लेती है। ममता बनर्जी बगावती सुरों पर कार्रवाई करके और अनुशासन का संदेश देकर पार्टी को एकजुट रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन यह प्रयास कितना सफल होगा, यह आने वाला समय तय करेगा। टीएमसी आज केवल एक चुनावी हार से नहीं जूझ रही, बल्कि अपनी संगठनात्मक मजबूती, नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक प्रासंगिकता की भी परीक्षा दे रही है। ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष की भूमिका निभाते हुए कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने और पार्टी को टूटने से बचाने की है। यदि वह इस संकट से संगठन को निकालने में सफल रहती हैं, तो टीएमसी फिर से मजबूत वापसी कर सकती है। लेकिन यदि आंतरिक कलह और असंतोष बढ़ता गया, तो यह संकट बंगाल की राजनीति में एक बड़े बदलाव का कारण भी बन सकता है। यही कारण है कि आज सबकी नजरें टीएमसी और ममता बनर्जी की अगली राजनीतिक चाल पर टिकी हुई है।

अस्तित्व हीनता के दौर से गुजर रहा पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

दक्षिण एशिया का परमाणु शक्ति संपन्न देश पाकिस्तान आज अपने इतिहास के सबसे बुरे दौरों में से गुजर कर अपने अस्तित्व संकट के लिए संघर्षरत है। पाकिस्तान देश का नाम कभी भी वैश्विक नक्शे से विलुप्त होने की कगार पर है। पाकिस्तान की ना कोई निश्चित अंतरिम नीति है ना ही कोई विदेश नीति,केवल विध्वंस और चरमपंथियों के दम पर पाकिस्तान अब तक पूरे विश्व में आतंक फैलाता रहा है अब वह खुद आतंकवाद महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है।

एक ओर लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं, दूसरी ओर बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा, चरमपंथी संगठनों की सक्रियता, महंगाई की मार तथा अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबावों ने देश को गंभीर संकट में डाल दिया है। वर्तमान परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि पाकिस्तान केवल आर्थिक संकट ही नहीं बल्कि राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक संकट से भी जूझ रहा है।

पाकिस्तान में लोकतंत्र लंबे समय से सेना और निर्वाचित सरकारों के बीच शक्ति-संघर्ष का शिकार रहा है। हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के बजाय सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर का उल्लेख किए जाने से यह बहस फिर तेज हो गई कि पाकिस्तान में वास्तविक शक्ति किसके हाथ में है। अनेक विश्लेषकों ने इसे पाकिस्तान की कमजोर लोकतांत्रिक व्यवस्था और सेना के बढ़ते प्रभाव का संकेत माना। दूसरी बड़ी चुनौती बलूचिस्तान में बढ़ती अस्थिरता है। 2026 में बलोच लिबरेशन आर्मी द्वारा कई समन्वित हमले किए गए, जिनमें सैन्य प्रतिष्ठानों, बैंकों और पुलिस ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं ने न केवल पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाया बल्कि चीन और अमेरिका जैसे संभावित निवेशकों की चिंताएँ भी बढ़ा दीं। बलूचिस्तान पाकिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का केंद्र है, किंतु स्थानीय लोगों में लंबे समय से उपेक्षा और शोषण की भावना बनी हुई है। यही कारण है कि अलगाववादी आंदोलन समय-समय पर उग्र रूप धारण कर लेता है। महंगाई पाकिस्तान की जनता के लिए सबसे बड़ी पीड़ा बन चुकी है। ईरान-अमेरिका तनाव और पश्चिम एशिया में संघर्षों के कारण तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। पाकिस्तान, जो अपनी अधिकांश ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयातित तेल पर निर्भर है, इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हुआ। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि ने आम नागरिक के जीवन को कठिन बना दिया है। बढ़ती महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग दोनों की क्रय शक्ति को कमजोर कर दिया है, जबकि बेरोजगारी और आर्थिक मंदी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

इसी बीच पाकिस्तान एक नई कूटनीतिक दुविधा में भी फँसा हुआ है। अमेरिका चाहता है कि अधिक से अधिक मुस्लिम देश अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होकर इज़राइल के साथ संबंध सामान्य करें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों से इस दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। किंतु पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कहा कि फिलिस्तीन समस्या के समाधान के बिना इज़राइल को मान्यता देना उसके लिए स्वीकार्य नहीं है। अब्राहम अकॉर्ड्स का विरोध केवल पाकिस्तान सरकार तक सीमित नहीं है।

दोस्ती, दूरी और ड्रैगन: भारत-नेपाल संबंधों की कहानी

राजेश जैन

दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत और नेपाल का रिश्ता सबसे अनोखा, जटिल और सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। दुनिया में बहुत कम ऐसे पड़ोसी देश हैं जिनके बीच सीमाएं भी खुली हों और समाज भी इतने गहरे स्तर पर जुड़े हों। भारत और नेपाल का संबंध केवल दो सरकारों का संबंध नहीं है; यह सदियों से साझा संस्कृति, धर्म, भाषा, व्यापार, परंपराओं और मानवीय रिश्तों का जीवंत उदाहरण रहा है लेकिन यही रिश्ता समय-समय पर अविश्वास, राष्ट्रवाद, सीमा विवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की वजह से तनावपूर्ण भी हो जाता है।

हाल के दिनों में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक बयान ने फिर यही सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर भारत-नेपाल संबंध बार-बार सीमा विवाद और राजनीतिक असहजता के मोड़ पर क्यों पहुंच जाते हैं। बालेन शाह ने नेपाली संसद में कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा कर रखा है। बयान के बाद नेपाल की संसद में हंगामा मच गया। विपक्ष ने उनसे सबूत मांगे, विदेश मंत्रालय को सफाई जारी करनी पड़ी और सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। पहली नजर में यह एक सामान्य राजनीतिक बयान लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह उस गहरे बदलाव का संकेत है जो पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंधों में दिखाई दे रहा है। यह केवल सीमा विवाद का मामला नहीं है। इसके पीछे राष्ट्रवाद, भू-राजनीति, चीन की बढ़ती भूमिका, नेपाल की नई राजनीतिक सोच और भारत की पारंपरिक पड़ोसी नीति से जुड़ी कई परतें मौजूद हैं।

भारत और नेपाल का रिश्ता आधुनिक सीमाओं से कहीं पुराना है। हिमालय से गंगा के मैदान तक फैली सांस्कृतिक धारा ने दोनों देशों को हजारों वर्षों से जोड़े रखा है। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर और भारत की काशी के बीच धार्मिक संबंध हों या जनकपुर और अयोध्या का सांस्कृतिक जुड़ाव-दोनों देशों ने हमेशा एक-दूसरे को प्रभावित किया है। नेपाल के लाखों नागरिक भारत में शिक्षा प्राप्त करते हैं, रोजगार करते हैं और व्यापार से जुड़े हैं। भारतीय शहरों में नेपाली समुदाय सहज रूप से घुला-मिला दिखाई देता है। भारत की सेना में गोरखा रेजिमेंट का गौरवपूर्ण इतिहास दोनों देशों के भरोसे और साझेदारी का प्रतीक रहा है। खुली सीमा ने इस रिश्ते को और विशेष बनाया है। दुनिया के अधिकांश देशों के विपरीत भारत और नेपाल के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे के यहां आ-जा सकते हैं। यही वजह है कि भारत-नेपाल संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंध भी हैं। राजनीतिक तनाव पैदा हो सकते हैं लेकिन जनता के स्तर पर अपनापन अक्सर बना रहता है।

भारत-नेपाल संबंधों की आधुनिक संरचना काफी हद तक 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि पर आधारित है। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग, व्यापार और नागरिक आवाजाही को आसान बनाना था। उस समय चीन में कम्युनिस्ट क्रांति और हिमालयी क्षेत्र की बदलती भू-राजनीति को देखते हुए भारत नेपाल को अपनी सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता था। इस संधि ने नेपाल को भारत के साथ विशेष आर्थिक और सुरक्षा संबंध दिए। व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े। लेकिन समय के साथ नेपाल में यह धारणा मजबूत होने लगी कि यह संधि बराबरी के आधार पर नहीं बनी थी। नेपाल के कई राजनीतिक दल और बुद्धिजीवी इसे "असमान संधि" बताते रहे हैं। भारत इस संधि को सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण मानता है, जबकि नेपाल इसे अपनी संप्रभुता और स्वतंत्र विदेश नीति से जोड़कर देखता है। यही कारण है कि संधि की पुनर्समीक्षा की मांग समय-समय पर उठती रहती है।

भारत और नेपाल के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद का है। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता जैसे क्षेत्रों को लेकर दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं। नेपाल का कहना है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार महाकाली नदी के उद्गम के आधार पर सीमा तय होनी चाहिए, जबकि भारत बाद के प्रशासनिक नियंत्रण और पुराने नक्शों का हवाला देता है।

यह विवाद 2020 में सबसे ज्यादा उभरा, जब भारत ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इसके जवाब में नेपाल ने संविधान संशोधन कर नया नक्शा पारित किया, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया। नेपाल में इसे राष्ट्रीय अस्मिता का मुद्दा बना दिया गया। सड़कों पर प्रदर्शन हुए और भारत विरोधी भावना तेज हो गई।

भारत इन क्षेत्रों को अपनी रणनीतिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है क्योंकि ये चीन सीमा के बेहद करीब स्थित हैं। मानसरोवर यात्रा और सीमा व्यापार के लिहाज से भी लिपुलेख का विशेष महत्व है। दूसरी ओर नेपाल इसे अपनी संप्रभुता का प्रश्न मानता है। बालेन शाह का हालिया बयान भी इसी राजनीतिक वातावरण की उपज माना जा रहा है। उन्होंने ब्रिटेन की संभावित भूमिका का जिक्र कर नया विवाद खड़ा कर दिया। भारत हमेशा सीमा विवादों को द्विपक्षीय तरीके से सुलझाने की नीति पर कायम रहा है, इसलिए नेपाल की ओर से तीसरे पक्ष का संकेत नई दिल्ली के लिए असहज करने वाला था।

भारत-नेपाल संबंधों को अब चीन के बिना समझना संभव नहीं है। पिछले एक दशक में चीन ने नेपाल में तेजी से अपना प्रभाव बढ़ाया है। सड़क, रेल, हाइड्रोपावर और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में चीन का निवेश लगातार बढ़ रहा है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत नेपाल को चीन एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। वह चीन के साथ आर्थिक और राजनीतिक संबंध बढ़ाकर भारत के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। नेपाल की राजनीति में भी चीन की भूमिका पहले से कहीं अधिक सक्रिय दिखाई देती है। भारत के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। नई दिल्ली हमेशा नेपाल को अपनी उत्तरी सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा मानती रही है। खुली सीमा और हिमालयी भूगोल के कारण भारत नहीं चाहता कि कोई बाहरी शक्ति नेपाल में अत्यधिक प्रभाव स्थापित करे।

हालांकि नेपाल के सामने एक व्यावहारिक सच्चाई भी है। उसका अधिकांश व्यापार भारत से होता है। पेट्रोलियम, खाद्यान्न, दवाइयां और रोजमर्रा की जरूरतों का बड़ा हिस्सा भारत से आता है। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं। ऐसे में चीन प्रभाव बढ़ा सकता है, लेकिन भारत की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता।

भारत-नेपाल संबंधों में 2015 का वर्ष एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है। नेपाल ने नया संविधान लागू किया, जिसका मधेशी समुदाय ने विरोध किया। मधेश आंदोलन के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर आपूर्ति बाधित हो गई। नेपाल में यह धारणा बनी कि भारत ने "अनौपचारिक नाकेबंदी" की है।

हालांकि भारत ने हमेशा कहा कि यह समस्या सीमा पर चल रहे आंदोलन की वजह से थी लेकिन नेपाल में भारत विरोधी भावना तेजी से बढ़ी। नेपाली राजनीति में यह मुद्दा आज भी बेहद संवेदनशील है। कई नेपाली इसे भारत की "हस्तक्षेपकारी नीति" का उदाहरण मानते हैं।

इस घटना ने नेपाल की जनता और राजनीतिक वर्ग के एक हिस्से में यह भावना पैदा की कि भारत नेपाल पर दबाव बनाने के लिए अपनी आर्थिक निर्भरता का उपयोग कर सकता है। यही वह दौर था जब चीन ने नेपाल में अपनी सक्रियता और बढ़ा दी। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद आर्थिक स्तर पर भारत और नेपाल की साझेदारी लगातार मजबूत बनी हुई है। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। नेपाल के आयात का बड़ा हिस्सा भारत से आता है। भारतीय कंपनियां नेपाल में बैंकिंग, दूरसंचार, शिक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश कर रही हैं।

हाल के वर्षों में बिजली व्यापार और हाइड्रोपावर सहयोग दोनों देशों के संबंधों का नया सकारात्मक आयाम बनकर उभरा है। नेपाल जलविद्युत उत्पादन की अपार क्षमता रखता है। भारत नेपाली बिजली खरीदने में रुचि दिखा रहा है। इससे नेपाल की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है। डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ रहा है। यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली और सीमा पार डिजिटल लेनदेन दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को आधुनिक रूप दे रहे हैं। यह दिखाता है कि राजनीतिक तनाव के बावजूद व्यावहारिक सहयोग जारी है।

नेपाल को दक्षिण एशिया का "वाटर टावर" कहा जाता है। कोसी, गंडक और महाकाली जैसी नदियां दोनों देशों की अर्थव्यवस्था और कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

साइबर पर जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

प्रो. आरके जैन

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्डों की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरिख तथा यूएसआई लुगानो के शोधकर्ताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवर्ड्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूज़र्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाने वाले यूज़र्स 'जीरो-नॉलेज एनक्रिप्शन' को फाइनल सिक्योरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खामियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवर्ड्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जो सिक्योरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिस्क में बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंट्स से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूज़र्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है। असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैक्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉगर, ब्राउज़र की कमजोरियां, सप्लाई-चेन अटैक्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शेयरिंग सिस्टम और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे ग्रुप वॉल्ट को रिस्क में डाल सकती हैं। 'ज़ीरो-नॉलेज' भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसेज़ विश्वसनीय रहें। यदि आधारभूत ढांचा ही समझौता कर ले, तो एनक्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्योरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती। इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवर्ड्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्योरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाना भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवर्ड्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्योरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह मैच्योर नहीं हुआ है और सभी वेबसाइट्स तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं करते। ऐसे में यूज़र्स को पुराने और नए दोनों सिक्योरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है।

बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपर्ट्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्योरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्योरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजमेंट मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेज़ी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूज़र विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेक्निकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। साफ है कि टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के साथ जागरूक और अलर्ट यूज़र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। बदलते साइबर परिदृश्य का सबसे बड़ा सबक यही है कि सिक्योरिटी कभी स्टेबल नहीं रहती। पासवर्ड मैनेजर्स ने पासवर्ड दोहराव की समस्या घटाई है, लेकिन अब वे खुद साइबर क्रिमिनल्स के निशाने पर हैं। इसलिए न अंधा ट्रस्ट उचित है और न ही उनका पूरी तरह से त्याग।

जरूरत सतर्कता, बैलेंस्ड अप्रोच और नई टेक्नोलॉजी के साथ खुद को लगातार अपडेट रखने की है। पासकी, हार्डवेयर सिक्योरिटी कीज, बायोमेट्रिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम्स भविष्य की दिशा तय करेंगे, लेकिन सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी जागरूक यूज़र ही रहेगा। जब तक डिजिटल आदतों में बदलाव नहीं आएगा, साइबर खतरे बने रहेंगे।

जीएसटी यानी गवर्नमेंट सर्वाइवल टैक्स

डॉ टी महादेव राव

भैया! जी एस टी का वास्तविक अर्थ क्या है? माल और सेवा कर यानी गुड्स एंड सर्विस टैक्स ही न। आप तो कुछ और कहने लगे? जो सिखाया गया है उस हिसाब से तुम जो कह रहे हो वह सही है लेकिन जो यथार्थ में हो रहा है उसके अनुसार जी एस टी मतलब गवर्नमेंट सर्वाइवल टैक्स यानी सरकार को बचाने का कर। सरकार को क्यों और किसलिए इस कर या जीएसटी से बचाया जा सकता है? तो वजह यह है कि मुफ्त की रेवड़ियां जो तथाकथित अस्सी करोड़ जनता में बांटी जा रही हैं, जैसे मुफ्त में राशन, चिकित्सा सुविधा, पेंशन, बस में यात्रा सुविधा, सस्ते मकान और भी जो सुविधाएं दी जा रही हैं उनकी भरपाई करने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं हैं। फलस्वरूप जीएसटी का कोड़ा बार बार मध्यम वर्ग पर लटकाया जाता है और रेवड़ियां खरीदने के लिए पैसे जुटाए जाते है। कभी ये टैक्स तो कभी वो टैक्स मध्य वर्ग पर थोपी जाती हैं, मुद्रा वसूली जाती है। लेकिन भैया! जीएसटी का फंडा मेरे समझ में नहीं आया। अब देखिए न मैं समोसे की दुकान पर गया और समोसा मांगा। उसने कहा अखबार में दूंगा तो नौ रुपए, दोने में ग्यारह रुपए और प्लेट में लोगे तो साढे बारह रुपए लगेंगे। खैर मैं नौ रुपए वाला खाया और आ गया। मुझे समझ में नहीं आता कि समोसे और चटनी की न कोई गुणवत्ता बढ़ी है और न मात्रा ही बढी। ऐसे में अघोषित इमरजेंसी में लूटना क्या लोकतंत्र का हिस्सा है?

यह तो वही बात हो गई कि किसी के मुंह का निवाला छीन कर किसी और को जबरन दे देना। मजे की बात तो यह है कि इस सारी करतूत को समर्थन करते सत्ता पक्ष और उनके भक्त मंडली पर मुझे दया आती है कि उनके दिमाग का फ्यूज पता नहीं कब से उड़ गया और तभी भी इस तरह की बातों को अपने सरलता और सहजता का पर्याय मानने लगे हैं। इसका कोई उपाय तो होगा भैया! वरना प्रत्यक्ष रूप से इनकम टैक्स की सीमा बढ़ने की खुशी अपरोक्ष रूप से जीएसटी के नाम पर लूट लेने के दुख में बदल जायेगी और हम ठन ठन गोपाल हो जायेंगे। कोई उपाय बताएं भैया! उपाय क्या है? लोगों की सोच में परिवर्तन होना चाहिए। अंध समर्थन, मुफ्त की लालच से बचना होगा। मेहनत से रोटी कमानी होगी। किसी न किसी रोजगार से जुड़ना होगा, सरकारी रोजगार की आशा छोड़कर। लेकिन ऐसा करेगी जनता, जिसे कई सालों से फोकट का चंदन घिस मेरे नंदन की तर्ज पर मुफ्तखोरी की आदत जो हो गई है। उन्हें भी तो लगता होगा न कि यह गलत है। काम करना चाहिए। पैसे कमाने चाहिए। आत्मनिर्भर भारत के नारे की तरह आत्मनिर्भर होना चाहिए। तब बदलाव आयेगा और जरूर आएगा।

शिक्षा परीक्षा पर संकट

डॉ घनश्याम बादल

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होती है। यदि उसी शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता और पारदर्शिता संदेह के घेरे में आ जाए, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि भविष्य के साथ खिलवाड़ बन जाता है। देश में पिछले दिनों की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। एक ओर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएँ सामने आ रही हैं, तो दूसरी ओर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर उठे विवाद ने लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को संकट में और अभिभावकों व शिक्षकों को चिंता में डाल दिया है।

वैसे ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ है हाल के वर्षों में देश ने अनेक परीक्षा घोटाले देखे हैं। कभी भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले बाजार में बिकते पाए गए, कभी प्रतियोगी परीक्षाओं में संगठित गिरोहों की भूमिका उजागर हुई और कभी तकनीकी कमियों ने पूरी प्रक्रिया को विवादों में ला खड़ा किया। लेकिन 2026 में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) विवाद ने इस समस्या को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाया। लाखों विद्यार्थियों की महीनों की तैयारी, परिवारों की अपेक्षाएँ और भविष्य की योजनाएँ अचानक अनिश्चितता के भंवर में फँस गईं। प्रश्न यह है कि आखिर बार-बार वही गलतियाँ क्यों दोहराई जा रही हैं?

प्रश्नपत्र लीक होना कोई साधारण घटना नहीं है। यह केवल कुछ कागजों के बाहर आने का मामला नहीं बल्कि उस विश्वास की हत्या है जिसके आधार पर छात्र वर्षों तक मेहनत करते हैं। एक विद्यार्थी जब रातों जागकर पढ़ाई करता है, तब उसे यह भरोसा होता है कि परीक्षा कक्ष में उसकी प्रतिस्पर्धा केवल ज्ञान और परिश्रम से होगी। लेकिन जब प्रश्नपत्र पहले ही कुछ लोगों तक पहुँच जाए, तो ईमानदार मेहनत करने वाला छात्र स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। यह स्थिति प्रतिभा के साथ अन्याय और भ्रष्टाचार को पुरस्कार देने जैसी है। इसी बीच सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर उठे विवाद ने एक अलग प्रकार की चिंता पैदा की है। डिजिटल तकनीक का उद्देश्य पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना था, लेकिन जब तकनीकी व्यवस्था ही विवाद का कारण बन जाए तो स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठते हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों की शिकायतें, मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर उत्पन्न संदेह तथा प्रशासनिक स्तर पर हुई हलचल ने यह संकेत दिया कि कहीं न कहीं तैयारी, निगरानी अथवा क्रियान्वयन में गंभीर कमी रही है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सीबीएसई के अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला भी चर्चा का विषय बन गया है। सरकार ने इसे प्रशासनिक निर्णय माना है और साथ ही ओएसएम प्रणाली की खरीद तथा क्रियान्वयन की जांच के लिए समिति गठित की है। लेकिन आम नागरिक और विद्यार्थी यह पूछने का अधिकार रखते हैं कि यदि सब कुछ ठीक था तो फिर इतनी बड़ी कार्रवाई की आवश्यकता क्यों पड़ी? और यदि वास्तव में कोई गड़बड़ी थी तो

उसकी जिम्मेदारी किसकी है? वैसे इस कदम का एक संदेश तो जाएगा कि लोकतंत्र में जवाबदेही केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं हो सकती; शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को भी अपने निर्णयों के परिणामों का उत्तर देना पड़ता है। हालाँकि अभी किसी भी जांच के निष्कर्ष आने से पहले किसी व्यक्ति या संस्था को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी सच है कि बार-बार सामने आ रही ऐसी घटनाएँ केवल संयोग नहीं हो सकतीं। कहीं न कहीं लापरवाही है, कहीं न कहीं निगरानी की कमी है और संभव है कि कुछ मामलों में भ्रष्टाचार तथा संगठित परीक्षा माफियाओं की भूमिका भी हो। शिक्षा क्षेत्र में उभरता यह अविश्वास एक गंभीर संकट है। इन घटनाओं का सबसे अधिक प्रभाव विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। परीक्षा रद्द हो जाए, परिणाम विवादों में घिर जाएँ या मूल्यांकन पर प्रश्न उठ जाएँ, तो सबसे पहले छात्र का आत्मविश्वास प्रभावित होता है। एक वर्ष की तैयारी, आर्थिक संसाधनों का निवेश और परिवार की उम्मीदें अचानक अनिश्चितता में बदल जाती हैं। कई छात्र तनाव, निराशा और अवसाद का सामना करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि व्यवस्था की गलतियों की कीमत हमेशा विद्यार्थी ही चुकाते हैं। इस संकट का दूसरा पक्ष और भी गंभीर है। जब युवाओं को यह लगने लगे कि सफलता का मार्ग मेहनत से नहीं बल्कि जोड़-तोड़, तकनीकी खामियों या भ्रष्ट तंत्र से होकर गुजरता है, तब समाज की नैतिक नींव कमजोर होने लगती है। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं है; यह नागरिक चरित्र निर्माण की प्रक्रिया भी है। यदि शिक्षा व्यवस्था ही अन्याय का प्रतीक बन जाए तो उसका दुष्प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

नई पीढ़ी को क्यों पसंद आ रही हैं विंटेज वॉच?

फैशन में फिर लौटा पुराने दौर का जादू

1940 से 1990 के दशक की विंटेज घड़ियां आज की युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। क्लासिक डिजाइन, रॉयल लुक और सस्टेनेबल फैशन की वजह से इनकी मांग लगातार बढ़ रही है।

क्या आपको अपनी पहली घड़ी याद है? शायद वह अब फैशन में न हो, लेकिन पुराने दौर का वही क्लासिक डिजाइन आज फिर से ट्रेंड बन चुका है। स्मार्टफोन के दौर में जहां लोग हर समय देखने के लिए मोबाइल पर निर्भर हो चुके हैं, वहीं आज की युवा पीढ़ी फिर से विंटेज वॉच की ओर लौट रही है।

1940 से 1990 के दशक की घड़ियां अब सिर्फ समय देखने का साधन नहीं रहीं, बल्कि फैशन, स्टाइल और व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुकी हैं। आजकल जेन-जी (आज की युवा पीढ़ी) के बीच इन घड़ियों का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और यही वजह है कि बाजार में विंटेज स्टाइल घड़ियों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

पुरानी घड़ियों का नया फैशन ट्रेंड

एक समय था, जब पुरानी घड़ियों को केवल घर की यादगार चीज माना जाता था, लेकिन अब वही घड़ियां युवाओं की पहली पसंद बन रही हैं। कॉलेज स्टूडेंट्स से लेकर कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स तक, हर कोई विंटेज वॉच पहनना पसंद कर रहा है।

इन घड़ियों का डिजाइन आज की मॉडर्न घड़ियों से बिल्कुल अलग होता है। इन घड़ियों का छोटा डायल, लेदर स्ट्रैप, गोल्डन फ्रेम और सिंपल लुक इन्हें बेहद खास बनाता है। इनका क्लासिक स्टाइल लोगों को रॉयल और एलिगेंट लुक देता है। आज की युवा पीढ़ी ऐसी चीजें अधिक पसंद कर रही है, जिसमें कोई कहानी या फिर इतिहास छिपा हो। विंटेज वॉच सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक इमोशनल और स्टाइल स्टेटमेंट भी बन चुकी हैं।

सस्टेनेबल फैशन का बढ़ता चलन

आजकल लोग बार-बार नई चीजें खरीदने के बजाय लंबे समय तक चलने वाली चीजों को चुन रहे हैं। विंटेज वॉच इस सोच पर पूरी तरह फिट बैठती हैं। यही कारण है कि सस्टेनेबल फैशन के साथ इनकी लोकप्रियता और बढ़ रही है।

इसके अलावा विंटेज वॉच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये हर लुक के साथ आसानी से मैच हो जाती हैं, चाहे फॉर्मल ड्रेस हो, कैजुअल आउटफिट या पार्टी लुक। ये हर स्टाइल में क्लासी टच जोड़ती हैं।

महिलाओं में भी तेजी से बढ़ रहा क्रेज

अब सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी विंटेज वॉच को फैशन का अहम हिस्सा बना रही हैं। स्लिम डायल और एलिगेंट डिजाइन वाली घड़ियां महिलाओं के बीच काफी पसंद की जा रही हैं। आज कई बड़े फैशन और लग्जरी ब्रांड्स पुराने डिजाइन को नए अंदाज में लॉन्च कर रहे हैं। घड़ियों में विंटेज लुक के साथ मॉडर्न फीचर्स का शानदार मेल देखने को मिलता है।

सोशल मीडिया से मिला इस ट्रेंड को बढ़ावा

आज के दौर में सोशल मीडिया पर विंटेज फैशन का क्रेज लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। सेलिब्रिटीज, फैशन इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स अक्सर अपने लुक में विंटेज वॉच को शामिल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो देखकर युवा भी इस ट्रेंड की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। पुराने दौर की क्लासिक घड़ियां अब मॉडर्न फैशन के साथ मिलकर एक नया और यूनिक लुक तैयार कर रही हैं।

विंटेज वॉच पहनने से व्यक्तित्व में एक अलग शालीनता, रॉयल अंदाज और क्लासी लुक झलकता है। यही वजह है कि लोग इन्हें केवल समय देखने का साधन नहीं, बल्कि अपनी पहचान और पर्सनैलिटी का हिस्सा मानने लगे हैं। कई युवाओं के लिए यह फैशन के साथ-साथ पुराने दौर की यादों और इतिहास से जुड़ाव का भी प्रतीक बन चुकी हैं।

फैशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले समय में विंटेज और मॉडर्न स्टाइल का यह मिश्रण और ज्यादा लोकप्रिय होगा। लोग अब ऐसे फैशन को पसंद कर रहे हैं, जिसमें स्टाइल के साथ कहानी, भावनाएं और अलग पहचान भी जुड़ी हो। यही कारण है कि विंटेज वॉच का ट्रेंड आने वाले वर्षों में और तेजी से बढ़ सकता है।

गर्मी में घमोरियों से हैं परेशान तो अपनाएं ये देशी टिप्स

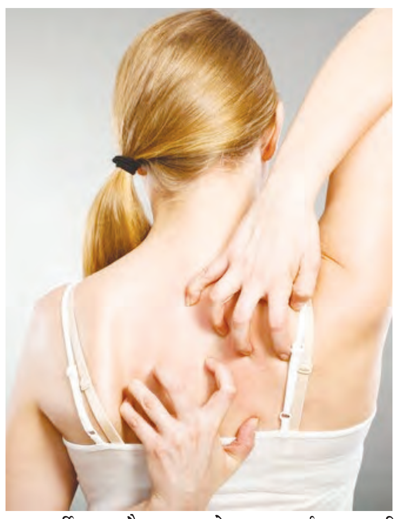

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं लेकर आता है। इनमें सबसे आम समस्या है घमोरियां । तेज धूप, अधिक पसीना और उमस भरा मौसम त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देता है, जिससे शरीर पर छोटे-छोटे लाल दाने, जलन और खुजली की समस्या होने लगती है। बच्चे हों या बड़े, घमोरियां किसी को भी परेशान कर सकती हैं।

घमोरियों की वजह से न सिर्फ असहजता महसूस होती है, बल्कि कई बार त्वचा में जलन और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में लोग महंगे पाउडर और क्रीम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई घरेलू उपाय भी इस समस्या में राहत पहुंचा सकते हैं।

भारतीय घरों में सदियों से कुछ प्राकृतिक नुस्खों का उपयोग त्वचा को ठंडक पहुंचाने और घमोरियों से राहत पाने के लिए किया जाता रहा है। इन उपायों में मौजूद प्राकृतिक गुण त्वचा को आराम देने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यदि समस्या गंभीर हो, पस बनने लगे या लंबे समय तक बनी रहे तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

आइए जानते हैं कि गर्मी में घमोरियों से राहत पाने के लिए कौन-से देसी उपाय अपनाए जा सकते हैं और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

घमोरियां क्यों होती हैं?

घमोरियां गर्मियों में होती है। इसका कारण है पसीने की ग्रंथियां बंद होना।

अत्यधिक पसीना आने पर त्वचा के छिद्र बंद हो सकते हैं।

उमस और गर्म वातावरण जोखिम बढ़ाता है।

टाइट और सिंथेटिक कपड़े समस्या को बढ़ा सकते हैं।

बच्चों और अधिक पसीना आने वाले लोगों में यह ज्यादा देखने को मिलती है।

घमोरियों में कौन-सा देसी उपाय राहत दे सकता है?

एलोवेरा और गुलाब जल

ताजा एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाने में मदद कर सकता है।

गुलाब जल त्वचा को तरोताजा महसूस करा सकता है।

दोनों का उपयोग त्वचा की जलन कम करने में सहायक माना जाता है।

पहले त्वचा के छोटे हिस्से पर परीक्षण कर लें।

घमोरियों से बचने के लिए क्या करें?

दिन में पर्याप्त पानी पिएं।

ढीले और सूती कपड़े पहनें।

अधिक देर तक पसीने वाले कपड़े न पहनें।

धूप से लौटने के बाद स्नान करें।

त्वचा को साफ और सूखा रखें।

क्या खानपान का भी असर पड़ता है?

घमोरियां से बचने के लिए शरीर को ठंडा रखना जरूरी है।

नारियल पानी, छाछ और मौसमी फल लें।

अधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन कम करें।

खीरा, तरबूज और खरबूजा जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं।

शरीर में पानी की कमी न होने दें।

डॉक्टर से कब संपर्क करना चाहिए?

घमोरियां में कुछ लक्षणों को नजरअंदाज न करें। अगर ये लक्षण या संकेत दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। जैसे,

घमोरियों में तेज दर्द हो।

पस या संक्रमण दिखाई दे।

बुखार के साथ समस्या बढ़े।

घरेलू उपायों के बावजूद आराम न मिले।

त्वचा पर सूजन या गंभीर एलर्जी हो जाए।

रोजमर्रा की छोटी आदतें जो आपका कार्बन फुटप्रिंट घटा सकती हैं

हर साल 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस याद दिलाता है कि पृथ्वी की रक्षा सिर्फ सरकारों या बड़ी कंपनियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति की भूमिका इसमें अहम है। आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, वनों की कटाई और कार्बन उत्सर्जन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ रहा है।

कार्बन फुटप्रिंट का मतलब है, हमारी रोजमर्रा की गतिविधियों से वातावरण में छोड़ी जाने वाली ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा। इसे कम करने के लिए बड़े बदलाव नहीं, बल्कि छोटी-छोटी आदतें भी काफी असर डाल सकती हैं। यदि हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ी सी सावधानी बरते, तो वैश्विक स्तर पर बड़ा सकारात्मक बदलाव संभव है।

जैसे कि ऊर्जा बचाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना और पानी की बचत करना, ये सभी ऐसे कदम हैं जो सीधे पर्यावरण को फायदा पहुंचाते हैं। इस लेख में ऐसी 10 आसान और रोजमर्रा की आदतों के बारे में जानिए, जिन्हें अपनाकर आप अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम कर सकते हैं और एक बेहतर भविष्य में योगदान दे सकते हैं।

कार्बन फुटप्रिंट क्या होता है?

कार्बर फुटप्रिंट का मतलब है हमारे जीवनशैली का पर्यावरण पर असर।

हमारी गतिविधियों से निकलने वाली CO मात्रा को कार्बन फुटप्रिंट कहते हैं।

इसमें परिवहन, बिजली उपयोग और खानपान शामिल होते हैं।

ज्यादा कार्बन फुटप्रिंट का मतलब ज्यादा प्रदूषण।

इसे कम करके जलवायु परिवर्तन को धीमा किया जा सकता है।

पर्यावरण बचाने के लिए 10 आदतें

परिवहन से कार्बन फुटप्रिंट कैसे कम करें?

यात्रा के तरीके बदलें, जैसे

छोटी दूरी के लिए पैदल चलें या साइकिल का उपयोग करें।

सार्वजनिक परिवहन अपनाएं।

कारपूलिंग करें।

इलेक्ट्रिक वाहनों का विकल्प चुनें।

घर में बिजली की बचत कैसे करें?

ऊर्जा उपयोग में समझदारी जरूरी है। जैसे,

LED बल्ब का उपयोग करें

अनावश्यक लाइट और पंखे बंद रखें

एसी का तापमान नियंत्रित रखें

ऊर्जा दक्ष उपकरण खरीदें

खाने-पीने की आदतें कैसे असर डालती हैं?

डाइट भी पर्यावरण को प्रभावित करती है। जैसे,

स्थानीय और मौसमी भोजन खाएं।

पैकेज्ड फूड कम करें।

मांसाहार कम करने से कार्बन उत्सर्जन घटता है।

भोजन की बर्बादी रोकें।

छोटे बदलाव बड़ा असर कैसे डालते हैं?

एक व्यक्ति की आदत लाखों लोगों पर असर डाल सकती है।

छोटी बचत मिलकर बड़ा बदलाव लाती है।

पर्यावरण संरक्षण एक सामूहिक प्रयास है।

नियमित आदतें लंबे समय में बड़ा फर्क पैदा करती हैं।

कार्बन फुटप्रिंट कम करने के आसान तरीके क्या हैं?

सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का उपयोग करें

बिजली की बचत करें

प्लास्टिक का कम उपयोग करें

पानी की बचत करें

स्थानीय और मौसमी भोजन खाएं

रीसाइक्लिंग करें

पेड़ लगाएं

ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग करें

मांसाहार कम करें

डिजिटल वेस्ट (अनावश्यक डेटा/ईमेल) कम करें।

जहाँ स्मृति कविता बन जाती है

पुस्तक समीक्षा

मैंने 'पोएम्स अक्रॉस टाइम' को एक परिचित भाव के साथ पढ़ना शुरू किया। मैं बिभू आचार्य को कुछ समय से जानता हूँ और वर्षों से उनकी कलाकृतियों की प्रशंसा करता रहा हूँ, जिनमें से कुछ मेरे निजी संग्रह का भी हिस्सा हैं। उनकी कलात्मक साधना की जो बात मुझे सदैव आकर्षित करती रही है, वह है उसकी स्पष्टता और संयम। उनके कार्यों में प्रायः ऐसा अनुभव होता है कि वे दर्शक को अभिभूत करने के बजाय उसे ठहरकर, धीरे-धीरे जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं। इसी कारण मैं इस संकलन को पढ़ने के लिए उत्सुक हुआ और यह जानना चाहता था कि वे गुण एक भिन्न माध्यम में किस प्रकार दिखाई देंगे।

इस पुस्तक की सबसे विशिष्ट बात इसकी संरचना है। यह संकलन आचार्य परिवार की तीन पीढ़ियों की रचनाओं को एक साथ प्रस्तुत करता है। आज कविता-संग्रहों की कोई कमी नहीं है, परन्तु बहुत कम पुस्तकें ऐसी पीढ़ीगत दृष्टि प्रदान करती हैं। परिणामस्वरूप यह केवल कविताओं का संग्रह नहीं रह जाता, बल्कि यह इस बात का दस्तावेज़ बन जाता है कि परिवार के विभिन्न सदस्यों ने जीवन, परिवर्तन, अनिश्चितता और व्यक्तिगत विकास को लेखन के माध्यम से किस प्रकार समझा और अभिव्यक्त किया।

जैसे-जैसे मैं इस संग्रह को पढ़ता गया, मेरा ध्यान केवल अलग-अलग कविताओं पर ही नहीं, बल्कि उनके आपसी संबंधों पर भी गया। उद्देश्य, वृद्धावस्था, क्षति, महत्वाकांक्षा, मित्रता, अकेलापन और मृत्यु जैसे विषय पूरे संग्रह में बार-बार उभरते हैं। रोचक बात यह है कि कविताएँ किसी एक अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुँचतीं। इसके बजाय वे दिखाती हैं कि एक ही अनुभव को आयु, परिस्थिति और स्वभाव के अनुसार अलग-अलग ढंग से समझा जा सकता है।

इस संकलन की एक प्रमुख विशेषता इसकी सहजता है। कविताओं की भाषा और अभिप्राय सामान्यतः सीधे और स्पष्ट हैं। पाठकों को उनसे जुड़ने के लिए किसी विशेष साहित्यिक ज्ञान की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेखन में एक संवादात्मक गुण है जो इसे सहज और आत्मीय बनाता है। प्रभाव उत्पन्न करने के लिए जटिलता पर निर्भर होने के बजाय पुस्तक अवलोकन और चिंतन को अधिक महत्व देती है।

हालाँकि इस सरलता को

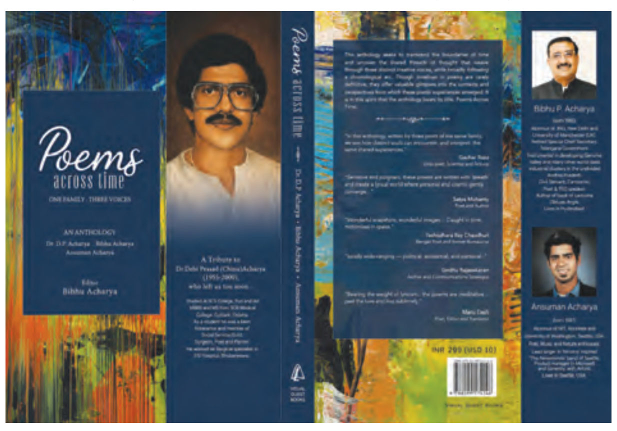

गहराई के अभाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। कुछ कविताएँ पाठक के मन में इसलिए ठहर जाती हैं क्योंकि वे परिचित अनुभवों को बिना अनावश्यक अलंकरण के प्रस्तुत करती हैं। कहीं-कहीं लेखन निराशा, अनिश्चितता और समय के प्रवाह पर शांत और ईमानदार दृष्टि डालता है। ये अमूर्त दार्शनिक अभ्यास नहीं हैं; वे जीवन के वास्तविक अनुभवों से उपजे हैं और इसी कारण प्रभावशाली बनते हैं।

मुझे यह भी रोचक लगा कि यह संकलन व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और व्यापक पारिवारिक कथा के बीच संतुलन बनाए रखता है। प्रत्येक रचनाकार की अपनी अलग आवाज़ है, फिर भी पूरे संग्रह में एक सूक्ष्म निरंतरता दिखाई देती है। कविताओं को साथ पढ़ने पर साझा मूल्यों और बार-बार लौटने वाली चिंताओं का बोध होता है, जबकि प्रत्येक लेखक का व्यक्तित्व भी स्पष्ट बना रहता है। यही संतुलन इस पुस्तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

संकलन की दृश्य प्रस्तुति भी अनुभव को समृद्ध बनाती है। कलाकृतियों और चित्रों का समावेश लेखन से ध्यान हटाए बिना एक संदर्भ स्थापित करता है। अनेक पुस्तकों में दृश्य तत्व केवल सजावटी प्रतीत होते हैं, किन्तु यहाँ वे परियोजना के व्यापक उद्देश्य—एक परिवार की रचनात्मक यात्रा को संरक्षित और साझा करने—का अभिन्न भाग लगते हैं। कविता और दृश्य कला का यह संयोजन संग्रह को एक विशिष्ट और आत्मीय स्वर प्रदान करता है।

कला-जगत से जुड़े व्यक्ति के रूप में मैं अक्सर विरासत, संरक्षण और सांस्कृतिक स्मृति पर होने वाली चर्चाओं से परिचित रहता हूँ। सामान्यतः ये चर्चाएँ संस्थाओं, अभिलेखागारों या सार्वजनिक उपलब्धियों पर केंद्रित होती हैं। 'पोएम्स अक्रॉस टाइम' की जो बात मुझे विशेष रूप से पसंद आई, वह यह है कि यह इन विचारों को एक अधिक व्यक्तिगत दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। यह दर्शाती है कि रचनात्मक परम्पराएँ परिवारों के भीतर कैसे आगे बढ़ती हैं और लेखन किस प्रकार उन अनुभवों को सुरक्षित रखने का माध्यम बन सकता है जो अन्यथा समय के साथ लुप्त हो जाते।

यह संकलन कविता को नए सिरे से परिभाषित करने का प्रयास नहीं करता, और इसकी आवश्यकता भी नहीं है। इसका महत्व कहीं और निहित है। यह पाठकों को ऐसे स्वरों के साथ समय बिताने का अवसर देता है जो विचारशील, ईमानदार और जीवनानुभवों से जुड़े हुए हैं। पुस्तक अपने सर्वोत्तम रूप में तब दिखाई देती है जब वह साधारण अवलोकनों और व्यक्तिगत चिंतन को स्वयं बोलने देती है।

संग्रह के अंत तक पहुँचते-पहुँचते मेरे मन में किसी एक कविता या पंक्ति की छाप नहीं रह गई, बल्कि पूरी परियोजना का सामूहिक प्रभाव बना रहा। तीन पीढ़ियों को लिखित शब्द के माध्यम से संवाद करते और अपने विचारों को एक-दूसरे के साथ साझा करते देखना अपने आप में अर्थपूर्ण अनुभव है। यह पुस्तक शांत ढंग से दिखाती है कि रचनात्मकता समय की सीमाओं को पार कर लोगों को जोड़ सकती है—बड़े दावों के माध्यम से नहीं, बल्कि उन बातों को दर्ज करने के सरल प्रयास से जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं।

जो पाठक चिंतनशील लेखन, पारिवारिक इतिहास और व्यक्तिगत अनुभवों से उपजी कविता का आनंद लेते हैं, उनके लिए 'पोएम्स अक्रॉस टाइम' एक सार्थक पुस्तक है। इसकी सफलता इसी में है कि यह स्वयं के प्रति ईमानदार रहती है—यह स्वरों, स्मृतियों, अवलोकनों और चिंतन का एक संग्रह है जिसे सावधानीपूर्वक एक साथ प्रस्तुत किया गया है। ऐसा करके यह हमें एक महत्वपूर्ण स्मरण कराती है कि रचनात्मक अभिव्यक्ति एक साथ गहराई से व्यक्तिगत और शांत रूप से स्थायी हो सकती है।

वैभव कुमार मोदी
समीक्षक

धूप से आकर तुरंत नहाना सही या गलत?

गर्मी के मौसम में जब हम तेज धूप में बाहर से घर लौटते हैं, तो शरीर गर्म और पसीने से भरा होता है। ऐसे में अधिकतर लोग तुरंत नहाने की आदत डाल लेते हैं, ताकि राहत महसूस हो सके। लेकिन क्या यह आदत शरीर के लिए सही है?

विशेषज्ञों के अनुसार धूप से आने के तुरंत बाद नहाना हमेशा सुरक्षित नहीं माना जाता। इसलिए सही तरीका अपनाना जरूरी है। यदि आप भी धूप से आने के बाद तुरंत नहाने की आदत रखते हैं, तो पहले शरीर को सामान्य तापमान पर आने देना चाहिए। आइए जानते हैं इससे जुड़ी जरूरी सावधानियां और सही तरीका।

धूप से आकर तुरंत नहाना चाहिए या नहीं?

तुरंत ठंडे पानी से न नहाएं

जब आप तेज धूप से आते हैं तो शरीर अंदर से बहुत गर्म होता है।

ऐसे में सीधे ठंडे पानी से नहाने पर शरीर को अचानक "थर्मल शॉक" लग सकता है। इससे सिर दर्द, चक्कर आना, कमजोरी या

सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए तुरंत ठंडा पानी लेने से बचना चाहिए।

कुछ देर आराम करें

धूप से आने के बाद शरीर को सामान्य तापमान में आने का समय देना जरूरी होता है। कम से कम 15 से 30 मिनट आराम करने से शरीर धीरे-धीरे ठंडा हो जाता है। इस दौरान आप हल्का बैठकर या पंखे में आराम कर सकते हैं।

गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें

अगर नहाना जरूरी लगे तो ठंडे पानी की जगह हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

इससे शरीर को झटका नहीं लगता और थकान भी कम होती है।

यह तरीका शरीर को सुरक्षित तरीके से रिफ्रेश करता है।

ज्यादा पसीना हो तो पहले पोंछ लें

धूप से आने के बाद शरीर पर पसीना और धूल जमा हो जाती है।

ऐसे में पहले गीले या सूखे कपड़े से शरीर को पोंछ लेना चाहिए।

इससे शरीर की गर्मी कुछ कम हो जाती है और नहाना आसान हो जाता है।

पानी पीना न भूलें

धूप में रहने से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन हो जाता है।

ऐसे में तुरंत पानी, नारियल पानी या ORS पीना जरूरी है।

इससे शरीर का तापमान भी नियंत्रित रहता है और कमजोरी भी दूर होती है।

क्या हो सकते हैं नुकसान?

सिर दर्द और चक्कर आना

सर्दी-जुकाम

शरीर में अचानक ठंड लगना

ब्लड प्रेशर असंतुलन

तो क्या करें?

धूप से आने के तुरंत बाद नहाना हमेशा सही नहीं होता। शरीर को थोड़ा समय देकर सामान्य स्थिति में लाना ज्यादा सुरक्षित है। गुनगुने पानी का इस्तेमाल और पर्याप्त आराम से आप गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

जैकलीन 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहुंचीं कोर्ट, खुद को बताया बेकसूर

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार (3 जून) को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुईं। सुनवाई के दौरान जैकलीन ने जज के सामने अपना पक्ष रखा और खुद पर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह गलत बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट की कार्यवाही खत्म होने के बाद वे मीडिया से बिना बात किए वहां से रवाना हो गईं।

क्या है यह पूरा मामला?

यह मामला सुकेश चंद्रशेखर नाम के एक हाई-प्रोफाइल ठग से जुड़ा है। आरोप है कि सुकेश ने जेल के अंदर रहते हुए एक बड़े कारोबारी की पत्नी से 200 करोड़ रुपए की जबरन वसूली थी। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ED) का दावा है कि सुकेश ने इसी वसूली के पैसों का एक बड़ा हिस्सा जैकलीन और उनके परिवार पर खर्च किया था। सुकेश ने जैकलीन को करोड़ों रुपए के महंगे गिफ्ट दिए थे, जिनमें लग्जरी गाड़ियां, ब्रांडेड बैग, गहने और महंगे पालतू जानवर शामिल थे।

ED और जैकलीन के वकीलों का क्या कहना है?

जांच एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में जैकलीन को भी आरोपी बनाया है। एजेंसी का कहना है कि जैकलीन को सुकेश के आपराधिक रिकॉर्ड और गलत तरीकों से कमाए पैसों की जानकारी थी, फिर भी उन्होंने उससे महंगे तोहफे लेना जारी रखा।

जैकलीन की लीगल टीम की दलील

दूसरी तरफ, जैकलीन के वकीलों का कहना है कि एक्ट्रेस पूरी तरह से बेकसूर हैं। वे खुद सुकेश की साजिश का शिकार हुई हैं। उन्होंने सुकेश को एक आम बिजनेसमैन समझकर उससे दोस्ती की थी। फिलहाल, कोर्ट इस बात पर विचार कर रहा है।

दलाई लामा ने ग्रहण किया 'मेडिटेशन्स' के लिए ग्रैमी अवॉर्ड

समारोह में बेटों के साथ पहुंचे उस्ताद अमजद अली खान

आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में मौजूद अपने कार्यालय में आयोजित एक समारोह में अपना ग्रैमी पुरस्कार ग्रहण किया। यह पुरस्कार उन्हें एल्बम 'मेडिटेशन्सः द रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा' के लिए दिया गया। सरोद उस्ताद अमजद अली खान ने अपने बेटों, अमान अली और अयान अली के साथ यह पुरस्कार उन्हें दिया।

क्या बोले अमजद अली खान?

अमजद अली खान ने मीडिया से कहा, 'हमने अपने बेटों, अमान अली बंगश और अयान अली बंगश के साथ सरोद बजाया है। हम दलाई लामा की आवाज के साथ सरोद बजाते हैं। इसलिए हम दलाई लामा को ग्रैमी पुरस्कार भेंट करने के लिए यहां आए हैं।'

धन्य हुए अयान अली बंगश

अयान अली बंगश ने ग्रैमी जीत और दलाई लामा के साथ सहयोग को एक आशीर्वाद बताया। उन्होंने कहा, 'यहां होना हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है और हम सचमुच धन्य महसूस कर रहे हैं। यह हमारे लिए एक आशीर्वाद जैसा है। हम बहुत आभारी हैं कि दलाई लामा ने इस प्रोजेक्ट को अपना आशीर्वाद दिया और हमें इसका हिस्सा बनने की अनुमति दी। यह सब उनके आशीर्वाद की वजह से ही संभव हुआ है।'

ईश्वर की कृपा है

शास्त्रीय संगीतकार अमान अली बंगश ने इस मौके पर कहा 'इस साल हमने ग्रैमी जीता। ईश्वर की बहुत कृपा रही। यह सब दलाई लामा के आशीर्वाद की वजह से है।'

दलाई लामा का बयान

दलाई लामा ने इस साल की शुरुआत में ऑडियोबुक श्रेणी में यह पुरस्कार जीता था। फरवरी में आयोजित समारोह के दौरान संगीतकार रूफस वेनराइट ने दलाई लामा की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार किया था।

इस पुरस्कार के जवाब में, दलाई लामा के कार्यालय ने एक संदेश जारी किया जिसमें आध्यात्मिक गुरु ने कहा 'मैं इस सम्मान को कृतज्ञता और विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं इसे किसी व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि हमारी साझा वैश्विक जिम्मेदारी की पहचान के रूप में देखता हूं। मेरा विश्वास है कि शांति, करुणा, हमारे पर्यावरण की देखभाल और मानवता की एकता की समझ, ये सभी आठ अरब मनुष्यों के सामूहिक कल्याण के लिए आवश्यक हैं। मैं आभारी हूं कि यह ग्रैमी सम्मान इन संदेशों को और अधिक व्यापक रूप से फैलाने में मदद कर सकता है।'

एसजे सूर्या की फिल्म 'किलर' के सेट पर हादसा!

एक टेक्नीशियन का हुआ निधन; तीन घायल

अभिनेता एसजे सूर्या की अपकमिंग फिल्म 'किलर' के सेट पर बुधवार तड़के एक हादसा हो गया। इस हादसे में एक टेक्नीशियन की मौत हो गई। हादसे में कम से कम तीन अन्य घायल हो गए। एक अहम सीन की शूटिंग के दौरान एक बैलून गैस सिलेंडर फट गया। टेक्नीशियनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनमें से एक को बचाया नहीं जा सका।

जख्मी हुए चार टेक्नीशियन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना बुधवार सुबह करीब 5 बजे चेन्नई के पेरम्बूर में मौजूद बिन्नी मिल्स कॉम्प्लेक्स में हुई। जब एक बम धमाके का सीन फिल्माया जा रहा था, तभी शूटिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा एक बैलून गैस सिलेंडर फट गया। मदुरवोयल के मदन (26), कुंद्रथुर के शक्तिवेल (27), मदुरवोयल के सूर्या (23) और नेरकुंड्रम के दिनाकरन (24) नाम के टेक्नीशियन घायल हो गए।

पुलिस कर रही जांच

सभी चारों को तुरंत राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां मदन को मृत घोषित कर दिया गया। बाकी लोगों का इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। सूत्रों का कहना है कि घायल हुए सभी टेक्नीशियन स्पेशल इफेक्ट्स विभाग से जुड़े थे।

फिल्म के अहम कलाकार

यह पता नहीं चल पाया है कि घटना के समय सूर्या सेट पर मौजूद थे या नहीं। इस फिल्म में एसजे सूर्या और प्रीति असरानी अहम किरदार में हैं। इस फिल्म से सूर्या निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं। फिल्ममेकर्स की तरफ से अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

रणवीर सिंह को राहत, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज ने वापस लिया असहयोग निर्देश

एक्टर के खिलाफ जारी रहेगी कानूनी लड़ाई

'डॉन 3' विवाद को लेकर अब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज और रणवीर सिंह आमने-सामने आ गए हैं। मामले में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज ने रणवीर सिंह के खिलाफ असहयोग निर्देश जारी किया था। इसके बाद हालांकि, आईएमपीएए समेत कई अन्या संस्थाओं ने रणवीर का समर्थन किया था।

वहीं रणवीर ने भी फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज के खिलाफ लीगल नोटिस जारी किया था। अब इस मामले में एक नया मोड़ आया है, क्योंकि फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज ने रणवीर सिंह के खिलाफ जो असहयोग निर्देश जारी किया था, उसे वपास ले लिया है।

अन्य असोसिएशन की अपील के बाद लिया फैसला

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज आज इस पूरे मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज का कहना है कि उनके असहयोग निर्देश जारी करने के बाद कई और असोसिएशन का उन्हें रिक्वेस्ट आया कि इस तरह का नॉन कॉपरेशन को वापस ले लीजिए।

फेडरेशन की ओर से कहा गया कि आईएमपीएए, प्रोड्यूसर गिल्ड और चिंटा जैसे अन्य एसोसियेशन ने इस नॉन कॉपरेशन को वापस लेने की अपील की थी। अब उनकी इस अपील और रिक्वेस्ट के बाद हमने इसे वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि, रणवीर की ओर से भेजे गए लीगल नोटिस का जवाब दिया जाएगा।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज ने क्या कहा?

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कुछ समय पहले अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ असहयोग निर्देश जारी किया था।

इस निर्देश के तहत फेडरेशन से जुड़े तकनीशियन, कर्मचारी और सदस्य रणवीर सिंह से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सहयोग नहीं करने वाले थे।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज का आरोप था कि रणवीर सिंह ने फिल्म 'डॉन-3' की शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिससे निर्माताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

इसके बाद इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन ने मामला फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज को भेजा और फेडरेशन ने रणवीर सिंह के खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव जारी कर दिया।

अब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज ने अपना नॉन-कोऑपरेशन आदेश वापस ले लिया है।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज के मुताबिक आईएमपीएए, प्रोड्यूसर गिल्ड इंडिया और चिंटा जैसी संस्थाओं ने फेडरेशन से अनुरोध किया कि इंडस्ट्री के व्यापक हितों को देखते हुए इस आदेश को वापस लिया जाए। इसके बाद इसे वापस ले लिया गया।

फेडरेशन ने साफ कर दिया है कि असहयोग निर्देश वापस लेने का फैसला इंडस्ट्री संगठनों के अनुरोध पर लिया गया है, न कि किसी कानूनी दबाव के कारण।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज का कहना है कि रणवीर के लीगल नोटिस का विधिवत जवाब दिया जाएगा और संगठन अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करेगा।

इसी बीच रणवीर सिंह ने भी फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज के खिलाफ कानूनी कदम उठाया। अभिनेता की ओर से फेडरेशन को एक लीगल नोटिस भेजा गया है। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज के मुख्य सलाहकार अशोक पंडित ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें रणवीर सिंह की तरफ से नोटिस प्राप्त हुआ है। हालांकि, फेडरेशन ने साफ कर दिया है कि असहयोग निर्देश वापस लेने का फैसला इंडस्ट्री संगठनों के अनुरोध पर लिया गया है, किसी कानूनी दबाव के कारण नहीं। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज ने स्पष्ट किया कि अभिनेता के लीगल नोटिस का विधिवत जवाब दिया जाएगा और संगठन अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करेगा।

सीएम विजय से मिले निर्देशक आरजे बालाजी, 'करुप्पु' के लिए जताया आभार

निर्देशक आरजे बालाजी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'करुप्पु' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। अब हाल ही में आरजे बालाजी ने तमिलनाडु के नवोदित मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय (थलापति विजय) से मुलाकात की है। बालाजी ने इस मुलाकात की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। उन्होंने इस मुलाकात और अनुभव को अविश्वसनीय बताया है।

हर चीज के लिए धन्यवाद

अपने एक्स अकाउंट पर विजय से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए आरजे बालाजी ने लिखा, 'उस शख्स के साथ जिसने करप्पू की शुरुआत की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में उनसे मिलना अविश्वसनीय लग रहा है। वही प्यार, अपनापन, दयालुता और शांति। विजय सर हर चीज के लिए धन्यवाद।'

विजय को ऑफर हुई थी 'करुप्पु'

इससे पहले आरजे बालाजी ने पिछले दिनों एक इंटरव्यू में ये खुलासा किया था कि उन्होंने 'करुप्पु' के लिए पहले अभिनेता विजय को ही चुना था और उन्हें रोल ऑफर किया था। बालाजी के अनुसार, यह प्रोजेक्ट शुरू में विजय को ध्यान में रखकर बनाया गया था और अभिनेता के सिनेमा से दूर होकर पूरी तरह राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने से पहले इस पर चर्चा हुई थी। लेकिन अंततः विजय ने इसे न करने का फैसला किया, जिसका आरजे बालाजी ने सम्मान किया। इसके बाद सूर्या फिल्म का हिस्सा बने।

बॉक्स ऑफिस पर हिट रही 'करुप्पु'

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित 'करुप्पु' में सूर्या के साथ तृषा कृष्णन प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। यह फिल्म वेट्टाई करप्पू की कहानी है, जो एक संरक्षक देवता हैं और भ्रष्टाचार और अन्याय से लड़ने के लिए वकील का रूप धारण करते हैं। सूर्या और तृषा कृष्णन के अलावा, फिल्म में आरजे बालाजी, इंद्रन्स, अनाघा माया रवि और नट्टी सुब्रमण्यम भी हैं। फिल्म सफल रही है और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म दुनियाभर में 300 करोड़ रुपए से भी ऊपर की कमाई कर चुकी है।

रामचरण के बॉडीगार्ड केविन कुंटा की सैलरी जानकर उड़ जाएंगे होश, जॉर्जिया मेलोनी से है एमएमए फाइटर का नाता

सुपरस्टार्स के जीवन में स्टारडम के साथ सिक्योरिटी भी जरूरी होती है। सलमान खान के साथ शेरा हो या शाहरुख खान के साथ रवि सिंह। इन सभी सुरक्षाकर्मियों की सैलरी और जिम्मेदारी दोनों ही अच्छी-खासी होती है। इसी तरह रामचरण के साथ इन दिनों नजर आने वाले सुरक्षाकर्मी हैं केविन कुंटा।

केविन, पश्चिमी अफ्रीका देश गाम्बिया के रहने वाले हैं। हाल ही में 'पेद्दी' के लॉन्च इवेंट में जब एक फैन उनकी तरफ बड़ा तो केविन ने ही रामचरण और उनके साथ मौजूद जान्हवी कपूर को बचाया। इसके बाद से ही केविन को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाने लगी।

एमएमए फाइटर हैं केविन

27 वर्षीय रामचरण के बॉडीगार्ड केविन कुंटा एक एमएमए फाइटर हैं। वह जॉर्जिया मेलोनी के देश इटली के फ्लोरेंस शहर के रहने वाले हैं, जबकि उनका ताल्लुक पश्चिमी अफ्रीका के देश गाम्बिया से है। 2021 में उन्होंने नेशनल एमएमए प्रतियोगिता में भाग लिया था। इन सबके साथ वह एक सोशल मीडिया पेज भी चलाते हैं जिसमें वह जिम वर्कआउट और कई अलग ट्रेंनिग की जानकारी देते हैं।

महीनेभर में कमाते हैं एक करोड़

अभिनेता रामचरण के बॉडीगार्ड एक महीने में काफी कमा लेते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह सेलेब्स की सुरक्षा के लिए दिन के हिसाब से पैसे चार्ज करते हैं। वह एक दिन का दो लाख रुपए से चार लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। इस हिसाब से देखें तो वह एक महीने का 60 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक कमा लेते हैं।

रामचरण ने बोला- 'सामने नहीं आने दूंगा'

बीते दिनों फिल्म 'पेद्दी' के एक प्रमोशनल इवेंट में रामचरण ने केविन को लेकर मजाक किया था। उन्होंने कहा था कि, 'मीडिया ने केविन को काफी चर्चित कर दिया है तो मैं उसे बाहर नहीं आने दूंगा। अगर किसी ने उसे कैंडी और चॉकलेट का लालच देकर कोई जानकारी हासिल कर ली तो?' रामचरण के ऐसा कहने के बाद से ही उनके फैंस केविन को ढूंढने लगे थे।

आज रिलीज होगी 'पेद्दी'

फिल्म 'पेद्दी का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। फिल्म में रामचरण और जान्हवी कपूर अहम किरदारों में हैं। वहीं जगपति बाबू, शिवराजकुमार और दिव्येंदु भी फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगें। यह एक स्पोर्ट्स-ड्रामा फिल्म है जो आज देशभर में रिलीज होगी।

'जरूरी नहीं कि आपको परफेक्ट होना ही चाहिए'

जोक मारने पर ट्रोल हुए थे विक्की कौशल; अब आया रिएक्शन

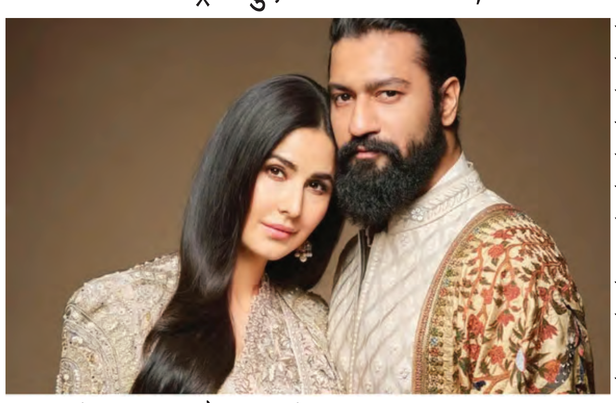

अभिनेता विक्की कौशल अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने शादी को लेकर किए गए जोक पर ट्रोल होने के मामले पर अब अपनी बात रखी है। विक्की कौशल का इस साल मार्च में एक वीडियो सामने आया था। इसमें वह शादी पर जोक मारते हुए नजर आए थे। इसके लिए उन्हें आलोचना का सामना करा पड़ा था। इस मामले पर उन्होंने कहा कि किसी पब्लिक फिगर के लिए हर समय परफेक्ट होना जरूरी नहीं है।

आलोचना के हकदार होते हैं

विक्की कौशल ने कहा कि लोग उन्हें कैसे देखते हैं, इस पर उनका कोई कंट्रोल नहीं है। उन्होंने कहा 'ऐसा बिल्कुल नहीं है कि सिर्फ इसलिए कि आप एक पब्लिक फिगर हैं, आपको परफेक्ट होना ही चाहिए। कभी-कभी हम आलोचना के हकदार होते हैं। शायद मेरे लिए इसमें सीखने वाली बात यह है कि जितना लोग मुझे प्यार दे रहे हैं, उसके साथ एक खास तरह की जिम्मेदारी भी आती है।'

आलोचना से सीख सकते हैं

उन्होंने आगे कहा 'किसी भी एक्टर को शोहरत मिली हो और उसे उसका दूसरा पहलू न देखना पड़ा हो, ऐसा नहीं होता। मैंने सोच-समझकर यह फैसला किया था कि मुझे यहां रहना है। अब यह मुझ पर है कि मैं (शोहरत) को कैसे संभालता हूं। अगर आलोचना रचनात्मक है, तो आप उससे सीख सकते हैं।'

वायरल वीडियो में क्या था?

वायरल हुए वीडियो में विक्की कौशल ने वहां मौजूद लोगों से पूछा था'हाउज द जोश?।' इस बात पर लोगों ने जवाब दिया था 'हाई सर।' फिर विक्की ने मजाकिया अंदाज में कहा 'मैंने देखा है कि बैचलर्स का जोश हमेशा हाई रहता है। हम शादीशुदा लोगों का जोश साल दर साल कम होता रहता है। (दूल्हे की तरफ इशारा करते हुए) लेकिन टेंशन लेने की बात नहीं है, 4 दिन में जोश कम नहीं होता।' विक्की के इस जोक को लोगों ने सोशल मीडिया पर पसंद नहीं किया था।

विकी कौशल का वर्कफ्रंट

विकी कौशल जल्द ही संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस रोमांटिक ड्रामा के इस साल रिलीज होने की उम्मीद थी, लेकिन अभी भी इस पर काम चल रहा है। अब यह जनवरी 2027 में रिलीज होगी।

तृषा कृष्णन का ट्रोलर्स को जवाब

विजय से नाम जुड़ने के बीच कुत्ते की तस्वीर के साथ लिखा- सिर्फ इसे मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय के साथ अपने रिश्ते की ट्रोलिंग पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जवाब दिया है। तृषा ने अपने पालतू डॉग की एक फोटो शेयर कर लिखा कि सिर्फ इसी को मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत है।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विजय और तृषा के रिश्ते को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। हाल ही में दोनों को एक्टर अजीत कुमार के घर पर भी साथ देखा गया था।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की स्टोरी

तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनका पालतू डॉग बेड पर आराम करता नजर आ रहा है। इस वीडियो के साथ तृषा ने लिखा, एकमात्र नाक जिसे मैं अपने काम में दखल देने की इजाजत देती हूं। यूजर्स इस पोस्ट को उन लोगों के ट्रोलर्स के लिए सीधा जवाब मान रहे हैं जो पिछले काफी समय से उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कयास लगा रहे हैं।

बर्थडे और शपथ ग्रहण समारोह से बढ़ीं अफवाहें

विजय और तृषा के बीच नजदीकियों की खबरें पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में हैं। मई में तृषा के बर्थडे के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। तिरुमला मंदिर के दर्शन करने के बाद तृषा को चेन्नई में विजय के घर से निकलते हुए देखा गया था।

इसके अलावा जब विजय ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी के लिए शपथ ग्रहण समारोह रखा था, तब भी तृषा अपनी मां उमा कृष्णन के साथ वहां मौजूद थीं। इन दोनों ही वाकयों के बाद सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

हालांकि, रिश्ते की अफवाहों पर न तो विजय ने और न ही तृषा ने अभी तक कोई ऑफिशियल बयान दिया है। दोनों ही इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं।

जेडीयू ऑफिस में गायब मिले निशांत, अचानक पहुंचे नीतीश कुमार

पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद संभाली जनसुनवाई की कमान, फरियादियों की सुनी समस्याएं

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज बुधवार को अचानक जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश कार्यालय पहुंच गए। संयोग ऐसा रहा कि जिस जनसुनवाई कार्यक्रम में उनके बेटे निशांत कुमार समेत अन्य नेताओं को लोगों की समस्याएं सुननी थी, उसी कार्यक्रम में कोई भी मौजूद नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार, आज जदयू कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम की जिम्मेदारी निशांत कुमार, दामोदर रावत और रत्नेश सदा के पास थी। लेकिन जब नीतीश कुमार अचानक प्रदेश कार्यालय पहुंचे तो कर्पूरी सभागार में इनमें से कोई भी नेता मौजूद नहीं था।

ऐसे में नीतीश कुमार खुद जनसुनवाई कक्ष में पहुंचे और लोगों की समस्याएं सुनने लगे। उन्होंने फरियादियों से सीधे बातचीत की और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

बेटे निशांत कुमार नहीं थे मौजूद

सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की

रही कि जनसुनवाई के लिए तय कार्यक्रम में उनके बेटे निशांत कुमार भी मौजूद नहीं थे। ऐसे में नीतीश कुमार का खुद लोगों के बीच बैठकर शिकायतें सुनना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया।

डिप्टी सीएम से मुलाकात के बाद पूर्व सीएम अचानक जदयू दफ्तर पहुंच गए। जदयू दफ्तर में रोजाना 3 मंत्रियों के जनसुनवाई का कार्यक्रम होता है।

आज मंत्री अशोक चौधरी, मदन सहनी और मंत्री श्वेता गुप्ता को जनसुनवाई में पहुंचना था, लेकिन जब नीतीश कुमार जदयू दफ्तर पहुंचे तीनों मंत्री में से कोई भी मंत्री मौजूद नहीं थे।

भागे-भागे पार्टी दफ्तर पहुंचे अशोक चौधरी

नीतीश कुमार के जदयू दफ्तर से निकलने से कुछ वक्त पहले अशोक चौधरी भागे-भागे पार्टी कार्यालय आए। वो नीतीश कुमार की गाड़ी के पास गए और पूर्व सीएम से मुलाकात की।

बताया जा रहा है कि जब नीतीश कुमार का काफिला पार्टी कार्यालय से बाहर निकल रहा था, तब अशोक चौधरी उनकी गाड़ी के पास पहुंचे और हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

हालांकि, नीतीश कुमार की गाड़ी लगातार आगे बढ़ती रही।

करीब 10 मिनट तक पार्टी कार्यालय में रुकने के दौरान नीतीश कुमार ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से बातचीत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि चिंता मत कीजिए, काम करते रहिए सब कुछ ठीक हो रहा है।

टीआरई-4 कैंडिडेट्स ने आज पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। छात्र नेता दिलीप भी कैंडिडेट्स के साथ नीतीश से मिलने पहुंचे थे। छात्र नेता दिलीप कुमार ने बताया, हमने टीआरई-4 का विज्ञापन 46 हजार पदों से जारी करने का मांग की है।

खान सर की कोचिंग पर हमले, गार्ड से मारपीट-पथराव

पोस्टर फाड़े, ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर समेत 3 गिरफ्तार

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। पटना में मंगलवार रात खान सर की कोचिंग ग्लोबल स्टडीज पर हमला हुआ। हमले का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग गार्ड को पीटते दिख रहे हैं। इस दौरान ईंट-पत्थर भी चलाए गए। पोस्टर भी फाड़ दिए। पुलिस ने ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद समेत उनके दो सहयोगी अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार किया है। तीनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। टाउन डीएसपी-1 राजेश रंजन ने इसकी पुष्टि की है।

टाउन डीएसपी के मुताबिक, रोशन आनंद और उसके दोनों सहयोगियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। खान सर ने हमले का आरोप ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर और कोचिंग के कर्मियों पर लगाया है। इस घटना के बाद बिहार शिक्षा विभाग ने कोचिंग नीति बनाए जाने की घोषणा की है। अगले 3 महीने के भीतर कोचिंग नीति तैयार की जाएगी। इसके तहत सभी कोचिंग संस्थानों के लिए एक 'मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट' तैयार किया जाएगा। खान सर का कहना है कि हमला

में सिक्योरिटी गार्ड का सिर फोड़ दिया गया।। उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। खान सर ने पहले 8 से 10 राउंड गोली चलने का दावा किया था। हालांकि, बाद में वे अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा- 'माहौल इतना तनावपूर्ण था कि मुझे कुछ समझ नहीं आया।' खान सर की ओर से दायर एफआईआर में भी गोलीबारी का कोई जिक्र नहीं है। साथ ही पटना पुलिस ने भी फायरिंग से इनकार किया है।

हमले के बाद खान सर का कोचिंग सेंटर आज यानी बुधवार को बंद किया गया है। खान सर ने कहा, 'आज पढ़ाई नहीं हो पाएगी।' इधर, कोचिंग पर हमले के बाद बड़ी संख्या में खान सर के छात्रों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया।

गोली चलने के सवाल पर खान सर जवाब देने से बचते नजर आए। उन्होंने छात्रों से अपील की- 'सड़क खाली कर दीजिए। हम यहां किसी हमले के लिए तैयार नहीं थे। मारपीट करने के लिए नहीं बैठे थे। गार्ड का सिर फोड़ दिया गया है। खान सर ने बताया कि जिस समय हमला हुआ, उस वक्त ज्यादातर गार्ड्स की ड्यूटी खत्म हो चुकी थी। उन्होंने कहा, 'पहली प्राथमिकता घायल गार्ड को बचाने की है। उसे बेरहमी से पीटा गया है। वह पीएमसीएच में भर्ती है। पता नहीं हमलावरों का निशाना कौन था।

उन्होंने आगे कहा, 'हम लोगों की कोशिश रहती है कि गरीब से गरीब बच्चों को पढ़ाया जाए, इससे कुछ लोगों को परेशानी हो रही है। सरकार और पुलिस अलर्ट है। रात 2 बजे तक सभी अफसर यहां मौजूद थे। पुलिस जल्द से जल्द कार्रवाई करे।'

खान सर की कोचिंग के बगल में ज्ञान बिंदु कोचिंग है। ज्ञान बिंदु कोचिंग के बोर्ड के ऊपर खान सर का पोस्टर लगा दिया गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक बिहार पुलिस में चयनित 12 हजार छात्रों के सम्मान समारोह का पोस्टर लगाया गया था।

उसी पोस्टर को लेकर विवाद शुरू हुआ और बाद में मामला बढ़ गया। हमले के बाद खान सर ने बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। वहीं, ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद और उनके दो सहयोगियों को कोर्ट में पेशी के लिए ले जाया गया।

कानपुर-गोरखपुर समेत 5 जिलों में आंधी-बारिश

कानपुर, 3 जून (एजेंसियां)। यूपी में हीटवेव से राहत है। बुधवार को कानपुर, गोरखपुर, आजमगढ़ समेत 5 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। गोरखपुर में बच्चों ने बारिश में भीगकर मस्ती की। बारिश से तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट आई है।

वाराणसी में गंगा नदी में कई जगह रेत के टीले दिखाई देने लगे हैं। पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. बीडी त्रिपाठी का कहना है कि नदी में पानी कम होने से उसका बहाव धीमा हो जाता है। इससे गाद और रेत तेजी से जमने लगती है।

धीरे-धीरे नदी की गहराई कम होती जाती है और बीच नदी में बालू के टीले नजर आने लगते हैं, जैसा कि इस समय वाराणसी में दिख रहा है। गर्मी को देखते हुए बाबा विश्वनाथ का आम के रस, दही और गंगाजल से अभिषेक किया गया। मंगलवार की बात करें तो 42 डिग्री तापमान के साथ फर्रुखाबाद सबसे गर्म शहर रहा। आज 35 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 60 से 80 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

पिता ने जियो से एयरटेल में नंबर पोर्ट करने की नहीं दी इजाजत

इंजीनियर बेटे ने पैरेंट्स को मार डाला

बेंगलुरु, 3 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक पिता ने अपने बेटे को अपने जियो से एयरटेल में नंबर पोर्ट करने की इजाजत नहीं दी तो इस बात से नाराज बेटे ने जान माता-पिता ले ली।

पुलिस के मुताबिक वह मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ है। जब इस घटना की जानकारी सामने आई तो शुरुआत में सवाल कौंधा था कि क्या पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर लड़का सिज़ोफ्रेनिया (मनोविकृति) से पीड़ित था, लेकिन पुलिस की जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि अपने माता-पिता की हत्या करने वाला टेकिए मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ है। रोहन ने 11 फरवरी अपने माता-पिता की हत्या की।

बेंगलुरु पुलिस ने फरवरी में 33 साल सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहन चंद्रा को उसके माता-पिता रिटायर्ड नेवी कैप्टन नवीन चंद्रा भट और श्यामला भट को

एचएएल टाउनशिप के पास विग्नान नगर स्थित उनके विला में चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

हमले की चश्मदीदों में से एक पड़ोसी डॉ. माधवी नायर ने इस दंपति को ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल पहुंचाया, जहां वह खुद काम करती थीं, हालांकि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों पीड़ितों को मृत घोषित कर दिया था। पड़ोसियों और चश्मदीदों के बयान दर्ज करते समय पुलिस को पता चला कि श्यामला ने उन्हें बताया था कि रोहन को एंग्जायटी की समस्या थी और वह सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित था। इसी आधार पर पुलिस ने उसे इलाज के लिए निमहंस भेज दिया। एक सप्ताह तक निगरानी और इलाज के बाद डॉक्टरों ने रोहन को मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ घोषित कर दिया।

व्हाइटफील्ड के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) सैदुलु अदावत ने बताया कि रोहन में तनाव, एंग्जायटी या सिज़ोफ्रेनिया का कोई भी लक्षण नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने हमें स्पष्ट रूप से 'ग्रीन सिग्नल' दे दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि हम रोहन से पूछताछ कर सकते हैं और बाद में उसे अदालत के सामने पेश कर सकते हैं। उस प्रमाण पत्र के आधार पर हमने अपनी जांच जारी रखी और रोहन से विस्तार से पूछताछ की। जांचकर्ताओं की पड़ताल के अनुसार, रोहन मुख्य रूप से दो बातों को लेकर परेशान था। उसके माता-पिता ने उसे 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने से इनकार कर दिया था, जिसे वह एक स्टार्टअप में निवेश करना चाहता था, जिसे वह शुरू करने की योजना बना रहा था। पुलिस के अनुसार अमेरिका से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में मास्टर्स की पढ़ाई पूरी करने के बाद रोहन एक ऐसी कंपनी शुरू करना चाहता था जो एआई टूल्स (उपकरणों) से जुड़ी सेवाएं प्रदान कर सके।

भाई-बहन मर्डर का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

रेप के विरोध पर बच्ची को मारा, साक्ष्य छुपाने के लिए की मासूम की हत्या

हजारीबाग, 3 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र में दो भाई-बहन के अपहरण और हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस घटना के मुख्य आरोपी संजीत कुमार पासवान को गिरफ्तार किया है, जो ओला शोरूम में कार्यरत था। वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी और एक प्लास्टिक का बोरा भी बरामद किया गया है। हजारीबाग एसपी अमन कुमार के अनुसार, आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया था। बच्ची द्वारा विरोध करने और शोर मचाने पर उसने उसका गला घोंटकर और पानी में डुबोकर हत्या कर दी। साक्ष्य छुपाने के लिए उसने बच्ची के मासूम भाई की भी गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को प्लास्टिक की बोरी में डालकर कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी को शहर से भागने के क्रम में दबोच लिया। यह घटना 30 मई को सामने आई, जब ओला शोरूम के पास से 11 वर्षीय बच्ची और उसके 3 वर्षीय भाई के लापता होने की शिकायत उनके पिता मो. आमिर ने दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कटकमदाग थाना में कांड संख्या 90/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) अमित कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से पता चला कि आरोपी संजीत पासवान दोनों बच्चों को अपनी स्कूटी पर ले गया था। 31 मई को कोरा थाना क्षेत्र के सिन्दूर स्थित श्मशान घाट से 11 वर्षीय बच्ची का शव बरामद हुआ।

इसके बाद सघन तलाशी अभियान चलाकर श्मशान घाट से लगभग 500 मीटर दूर एक कुएं से 3 वर्षीय भाई का शव भी मिला।

सिद्धार्थनगर डीएम की छापेमारी

कई विभागों में कर्मचारी अनुपस्थित मिले, वेतन रोकने का आदेश

सिद्धार्थनगर, 3 जून (एजेंसियां)। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बुधवार को विकास भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया तो कई विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुपस्थिति उजागर हो गई। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए उनका एक दिन का वेतन बाधित कर स्पष्टीकरण तलब किया है।

निरीक्षण सुबह किया गया। इस दौरान उपायुक्त श्रम रोजगार संतोष कुमार चौधरी तथा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा 1 जून से 3 जून तक अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, डूडा, जिला विकास कार्यालय, लघु सिंचाई विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जिला पंचायत राज कार्यालय, जिला कार्यक्रम कार्यालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले।

जिलाधिकारी को निरीक्षण के दौरान यह भी पता चला कि जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एनआईसी), जिला विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी डीआरडीए, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, परियोजना अधिकारी डूडा, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, परियोजना अधिकारी नेडा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक निदेशक बचत, सहायक आयुक्त एवं जिला सहायक निबंधक सहकारिता, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी और सहायक निदेशक मत्स्य भी अनुपस्थित पाए गए।

सबसे चौंकाने वाली स्थिति पंचायती नगरीय निकाय कार्यालय में देखने को मिली, जहां निरीक्षण के समय कोई भी कर्मचारी उपस्थित नहीं था। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सभी अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का 3 जून का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

बाइक की टक्कर से किसान की मौत

गिरिडीह, 3 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में किसान की मौत हो गई। खेत से घर लौटते समय एक बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। मृतक की पहचान शिवडीह गांव निवासी कारू यादव के रूप में हुई है। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर गिरिडीह-कोडरमा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, कारू यादव खेत में कृषि कार्य समाप्त कर घर लौट रहे थे। सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी।

इस हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुर्लभ बीमारी डीएमडी से लड़ रहे जंग

10 वीं में 83 परसेंट लाने वाले 16 साल के गर्वित बने एक दिन के कलेक्टर

नागौर/ कुचामन, 3 जून (एजेंसियां)। कहते हैं कि जिनके हौसले बुलंद हैं, उन्हें मुकाम मिल ही जाता है। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में बुधवार को कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। दरअसल, यहां जो हुआ वो काफी भावुक करने वाला था, जिसने कलेक्ट्रेट में मौजूद हर शख्स की आंखें नम कर दीं। यहां दुर्लभ और गंभीर बीमारी 'ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' (डीएमडी) से जूझ रहे 16 वर्षीय मेधावी छात्र गर्वित रेवाड़ का सपना सच हुआ और वे एक दिन के लिए सांकेतिक जिला कलेक्टर बने। डीडवाना-कुचामन जिले के रोडू गांव के रहने वाले गर्वित बचपन से ही पढ़ने-लिखने में बेहद होनहार हैं। हाल ही में उन्होंने

विपरीत हालातों के बावजूद 10वीं कक्षा में 83 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गर्वित के पिता हरलाल रेवाड़ खुद प्रशासनिक सेवाओं (आरएएस) की तैयारी कर रहे हैं, जिससे घर में हमेशा से पढ़ाई का माहौल रहा। इसी माहौल ने गर्वित के भीतर भी एक दिन आईएएस अफसर बनकर देश की सेवा करने का जज्बा जगाया।

हालांकि, जब गर्वित को डीएमडी (डीएमडी) जैसी दुर्लभ बीमारी होने का पता चला, तो परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। शारीरिक चुनौतियों ने मुश्किलें जरूर बढ़ाईं, लेकिन गर्वित और उनके माता-पिता के हौसले को डिगा नहीं सकीं। गर्वित के माता-पिता ने जिला कलेक्टर अवधेश मीणा से मुलाकात कर अपने बेटे की इस गंभीर बीमारी और उसके कलेक्टर बनने के सपने के बारे में बताया था। बच्चे की इच्छा और उसके जज्बे को देखकर कलेक्टर अवधेश मीणा ने संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की और गर्वित को एक दिन का सांकेतिक जिला कलेक्टर बनाने का फैसला लिया।

निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत गर्वित बाकायदा जिला कलेक्टर की आधिकारिक गाड़ी में बैठकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। इसके बाद यहां अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद उन्हें पूरे सम्मान के साथ जिला कलेक्टर की कुर्सी पर बैठाकर पदभार सौंपा गया।

दंतेवाड़ा-बीजापुर-मनेंद्रगढ़ में गिरी बिजली, 3 महिलाओं की मौत

रायपुर, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक अलग-अलग जगहों पर गरज-चमक, तेज हवाओं (50-60 किमी रफ्तार) और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग जिले में बिजली गिरने की घटना हुई है, जिनमें 3 महिलाओं की मौत हुई है। दंतेवाड़ा में 12 ग्रामीण इसकी चपेट में आ गए थे, बीजापुर में बाहर काम कर रही महिलाएं चपेट में आईं। मनेंद्रगढ़ में मजदूरी काम में लगी महिलाओं पर आकाशीय बिजली गिरी थी।

बीजापुर के उसूर विकासखंड के पेरमपल्ली गांव में मंगलवार (2 जून) शाम करीब 4 बजे घर के बाहर काम कर रही महिला कलमू मल्ली (50 वर्ष) पर बिजली गिरी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

वहीं आंधी-तूफान के कारण उसूर के थानापारा में पांच मकानों की शीटें उड़ गईं, जिससे यहां रहने वाला परिवार अब तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर हैं।

दंतेवाड़ा जिले के चंदेनार इलाके में चल रहे जात्रा (मेला) में मंगलवार शाम बिजली गिरने से 12 ग्रामीण इसकी चपेट में आ गए। इनमें से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एमसीबी जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम चरखर में मंगलवार शाम बिजली गिरने से महिला मजदूर की मौत हो गई।

घर में घुसकर किया हमला, दंपती की हत्या

गिरिडीह, 3 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह में मंगलवार की रात अपराधियों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से वार कर एक दंपती की हत्या कर दी। घटना मधुबन थाना क्षेत्र के दलान चलकरी गांव की है।

इस हमले में पति की घटनास्थल पर ही जबकि पत्नी की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। घटना के वक्त दंपती के चार बच्चों में से तीन छत पर सो रहे थे और एक बच्चा अपने माता-पिता के साथ नीचे सोया था।

इस हमले में बच्चा सुरक्षित रहा। मृतकों की पहचान पतिया हांसदा (45) और उनकी पत्नी परनी मरांडी (35) के रूप में हुई है। मृतक के रिश्तेदार अनिल हेमराम ने बताया कि गांव तक सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस घर तक नहीं पहुंच पाई। ग्रामीणों ने घायल परनी मरांडी को करीब 700 मीटर तक खाट पर उठाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया। वहां से एंबुलेंस द्वारा उसे अस्पताल ले जाया गया।

सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने पतिया हांसदा को मृत घोषित कर दिया। परनी मरांडी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

दरअसल, मंगलवार रात करीब 12:30 बजे जब पति-पत्नी अपने घर में सो रहे थे, तभी कुछ अज्ञात हमलावर घर में घुस आए। उन्होंने धारदार हथियार से पतिया हांसदा और परनी मरांडी पर हमला कर दिया।

हमले की आवाज सुनकर बच्चे चिल्लाने लगे, जिससे आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने दंपती को लहूलुहान अवस्था में पाया। पतिया हांसदा की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि उसकी पत्नी ने अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही डुमरी एसडीपीओ आबिद खान, मधुबन थाना प्रभारी दीपेश कुमार और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पतिया हांसदा और परनी मरांडी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

परिजनों के अनुसार, पतिया हांसदा मधुबन क्षेत्र में मजदूर के रूप में काम करते थे। उनकी किसी से दुश्मनी की जानकारी परिवार को नहीं है। ऐसे में हत्या के पीछे की वजह क्या है, यह अब भी रहस्य बना हुआ है।

भीषण गर्मी, घंटों बिजली कटौती से लोग परेशान

मेंटेनेंस के कारण चीराचास में आपूर्ति बाधित, व्यवसाय पर पड़ रहा असर

बोकारो, 3 जून (एजेंसियां)। बोकारो में बुधवार को भीषण गर्मी के बीच 33 केवी चास-फुदनीडीह लाइन में मेंटेनेंस कार्य के कारण कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे चीराचास और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह कार्य सुबह 11 बजे से प्रस्तावित था, लेकिन तकनीकी प्रक्रियाओं और डीवीसी की अनुमति संबंधी औपचारिकताओं के कारण दोपहर करीब 12:30 बजे शुरू हो सका। लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से आम जनजीवन के साथ-साथ छोटे कारोबार भी प्रभावित हुए।

चीराचास के दुकानदार प्रमोद कुमार ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती से उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दूध, दही और आइसक्रीम जैसे उत्पादों को रखने में जोखिम रहता है, इसलिए उन्होंने कई सामान रखना बंद कर दिया है।

एक अन्य व्यवसायी शिव लाल ने बताया कि बिजली नहीं होने पर कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम जैसे उत्पाद ठंडे नहीं रह पाते, जिससे ग्राहक कम आते हैं और आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने सरकार और बिजली विभाग से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की।

स्थानीय निवासी संजय कुमार का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते लोड के कारण शाम के समय बार-बार ट्रिपिंग होती है। उनके अनुसार, पुराने पोल, तार और वितरण व्यवस्था को अपग्रेड किए बिना इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। गृहिणी रागिनी देवी ने बताया कि घंटों बिजली नहीं रहने से घरों में रखा भोजन खराब हो जाता है। भीषण गर्मी में पंखे और कूलर बंद रहने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है।

इधर, फुदनीडीह सब-स्टेशन के एसबीओ संजीव कुमार दास ने जानकारी दी कि चंद्रपुरा थर्मल पावर से मिलने वाली 33 केवी लाइन का मेंटेनेंस किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर बिजली तारों के आसपास पेड़-पौधे उग जाने के कारण हवा चलने पर आपूर्ति बाधित होती है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले सब-स्टेशन को 10 मेगावाट बिजली मिलती थी, जबकि वर्तमान में 17 मेगावाट आपूर्ति हो रही है, जिससे स्थिति में पहले की तुलना में सुधार आया है।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका!

मार्को रूबियो बोले-हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति के सामने गवाही देते हुए रूबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण खनिजों को अपनी कूटनीतिक प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं है, बल्कि रणनीतिक संसाधनों तक भी फैल चुकी है। मार्को रूबियो ने कहा, दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।

सेबी ने जारी किया स्पष्टीकरण

चचेरे भाई-बहन भी बन सकते हैं कंपनी में स्वतंत्र निदेशक

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्टीकरण जारी कर कहा है कि प्रमोटरों या निदेशकों के चचेरे भाई-बहनों को लिस्टिंग नियमों के तहत स्वतः रिलेटेड पर्सन नहीं माना जाएगा।

इस स्पष्टीकरण से अन्य वैधानिक शर्तों को पूरा करने पर ऐसे चचेरे भाई-बहनों के स्वतंत्र निदेशक पदों पर नियुक्ति का रास्ता खुल गया है। यह स्पष्टीकरण मैथन अलॉयज द्वारा मांगे गए अनौपचारिक मार्गदर्शन के जवाब में आया है, जिसमें सेबी से नियामकीय व्याख्या मांगी गई थी कि क्या प्रमोटर समूह के सदस्य का चचेरा भाई मौजूदा नियमों के तहत स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए योग्य हो सकता है। यह मुद्दा तब उठा जब कंपनी ने प्रमोटर समूह के सदस्य से संबंधित किसी व्यक्ति को नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा और यह स्पष्टीकरण मांगा कि क्या यह सेबी के लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं (एलओडीआर) विनियमों के तहत स्वतंत्रता आवश्यकताओं का उल्लंघन करेगा। बाजार नियामक के अनुसार, व्याख्या लागू कानूनों के तहत रिश्तेदार की कानूनी परिभाषा पर निर्भर करती है। नियामक ने कहा कि कंपनी अधिनियम और सेबी के एलओडीआर विनियमों के तहत रिश्तेदार की परिभाषा केवल निकट परिवार के सदस्यों जैसे पति/पत्नी, माता-पिता, बच्चे और भाई-बहनों तक सीमित है और इसमें चचेरे भाई-बहन शामिल नहीं हैं। कंपनी द्वारा प्रस्तुत तथ्यों की जांच के बाद, सेबी ने कहा कि स्वतंत्र निदेशक की पात्रता निर्धारित करते समय चचेरे भाई-बहनों को स्वतः ही संबंधित व्यक्ति नहीं माना जाता है। सेबी ने कहा कि प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर, प्रस्तावित उम्मीदवार कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त होने के योग्य हो सकते हैं। हालांकि, नियामक ने स्पष्ट किया कि कंपनियों को शेयरधारिता, वित्तीय हितों, आर्थिक संबंधों और अन्य वैधानिक परीक्षणों से संबंधित शर्तों सहित अन्य सभी स्वतंत्रता आवश्यकताओं का अनुपालन जारी रखना होगा। इसके अलावा, बाजार नियामक ने कहा कि यह मार्गदर्शन पूरी तरह से आवेदक द्वारा प्रस्तुत तथ्यों पर आधारित है और इसे नियामक का बाध्यकारी निर्णय नहीं माना जाना चाहिए।

भारतीय सामानों पर 12.5% तक एक्सट्रा टैरिफ लग सकता है!

> अमेरिका ने 54 देशों पर जबरन मजदूरी का आरोप लगाया > दिल्ली में ट्रेड डील पर बातचीत

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत समेत दुनिया की 54 अर्थव्यवस्थाओं को ऐसी लिस्ट में रखा है, जो जबरन मजदूरी से बने सामानों के आयात को रोकने में नाकाम रही हैं। इस आधार पर अमेरिका ने अतिरिक्त कस्टम ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव रखा है। यूएसटीआर ने 'सेक्शन 301' के तहत की गई जांच के नतीजे जारी किए हैं। इसमें भारत समेत दुनिया की 54 अर्थव्यवस्थाओं के नाम है। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों में फोर्स्ड लेबर की व्यवस्था को रोकने के लिए पर्याप्त और प्रभावी कानूनी उपाय मौजूद नहीं हैं।

यूएसटीआर ने अपनी रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित देशों से आने वाले सामानों पर 10% से लेकर 12.5% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। 10% एक्स्ट्रा टैक्सः जिन देशों ने नियम को थोड़ा-बहुत लागू कर रखा है या जो भरोसा दे रहे हैं कि वे आगे चलकर इसे मान लेंगे, उनके सामान पर 10% अतिरिक्त टैक्स लगेगा। 12.5% एक्स्ट्रा टैक्सः जो देश अमेरिका के इस नियम को बिल्कुल भी नहीं मान रहे हैं और जहां कोई तैयारी नहीं है, उनके सामान पर अमेरिका 12.5% का अतिरिक्त टैक्स लगाएगा।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर ने कहा, हमारे सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी साझेदारों के जबरन श्रम से बने सामानों के आयात पर रोक न लगाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इसकी वजह से ऐसी स्थिति बनती है जहां अमेरिकी वर्कफोर्स को वैश्विक स्तर पर एक असमान मैदान में प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह इस जांच के निष्कर्षों के आधार पर जवाबी व्यापारिक कार्रवाई आगे बढ़ाएगा। सेक्शन 301 अमेरिका के 'ट्रेड एक्ट ऑफ 1974' का एक विशेष प्रावधान है। यह कानून यूएसटीआर को विदेशी सरकारों की उन व्यापारिक नीतियों की जांच करने का अधिकार देता है जो अमेरिकी व्यापारिक हितों के लिए गलत हों। अगर जांच में कोई देश दोषी पाया जाता है तो अमेरिकी प्रशासन को उस देश के खिलाफ ज्यादा टैरिफ लगाने या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगाने का कानूनी अधिकार मिल जाता है। यूएसटीआर ने कुल 54 देशों को इस मुख्य लिस्ट में शामिल किया है। इनमें भारत के अलावा चीन, ब्राजील, यूनाइटेड किंगडम (यूके), जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और थाईलैंड जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

इसके अलावा छह अन्य अर्थव्यवस्थाओं- कनाडा, यूरोपीय संघ (ईयू), मैक्सिको, पाकिस्तान, इंडोनेशिया और इक्वाडोर को भी कानून को सही ढंग से लागू न करने की श्रेणी में रखा गया है। यह टाइमिंग इसलिए बेहद संवेदनशील है क्योंकि अमेरिकी व्यापार अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस समय नई दिल्ली में है। मंगलवार से दोनों देशों के बीच तीन दिवसीय दौर की बातचीत शुरू हुई है।

दोनों पक्ष पिछले 15 महीनों से एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक के ठीक बीच में अमेरिकी एजेंसी का भारत के खिलाफ ऐसी रिपोर्ट जारी करने से बातचीत की टेबल पर दबाव बढ़ सकता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा था कि 99% चीजें फाइनल हो चुकी हैं। अब केवल छोटे मुद्दों, कॉमा और फुल स्टॉप पर चर्चा हो रही है। अमेरिका में हाल ही में हुए कानूनी बदलावों को इस समझौते में कैसे शामिल करना है, इसी को फाइनल किया जा रहा है। गोयल को उम्मीद है कि जल्द ही पहले ट्रांच पर साइन हो जाएंगे।

99% बातचीत पूरी होने के बावजूद डील के तुरंत फाइनल होने की उम्मीद कम है। इसका कारण यह है कि ट्रंप प्रशासन के लगाए गए अस्थाई 10% टैक्स की अवधि अगले महीने खत्म हो रही है। जब तक वाशिंगटन अपने टैरिफ ढांचे को लेकर पूरी स्पष्टता नहीं देता, तब तक डील पर अंतिम मुहर लगना मुश्किल है। भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके एक्सपोर्टर्स को प्रतिद्वंद्वी देशों के मुकाबले अमेरिकी मार्केट में प्रतिस्पर्धी स्थिति मिलती रहे।

आरबीआई ने सोना बेचने की खबरों को बताया गलत

देश के पास अब भी 880.52 टन गोल्ड रिजर्व सुरक्षित

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को उन मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने अपने स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का एक हिस्सा बेच दिया है।

आरबीआई ने स्पष्ट किया कि उसके पास मौजूद भौतिक सोने का भंडार पहले की तरह 880.52 टन ही है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। आरबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि रिजर्व बैंक ने सोना बेचा है, लेकिन यह जानकारी सही नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से मासिक बुलेटिन में प्रकाशित की जाती है और वर्तमान में भौतिक सोने का स्टॉक 880.52 टन पर स्थिर बना हुआ है। आरबीआई ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार का पूरा विवरण मासिक बुलेटिन में उपलब्ध रहता है, जिसे कोई भी व्यक्ति आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकता है। बैंक ने दोहराया कि अभी तक सोने के भौतिक भंडार में कोई कमी नहीं आई है। एआई के जरिये सुरक्षा कवच तैयार करेगा। इसके जरिये सभी तरह के भुगतान सुरक्षित करने, डाटा प्रबंधन की सुरक्षा व बैंको का काम आसान होगा। इसके लिए एकीकृत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है। केंद्रीय बैंक ने लोगों से अपील की कि वे इस तरह की खबरों पर भरोसा करने के बजाय आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली आधिकारिक जानकारी को ही सही मानें। इस मामले पर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने भी स्पष्टीकरण जारी किया। पीआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि आरबीआई ने लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेच दिया है, जबकि यह दावा पूरी तरह फर्जी है। पीआईबी के अनुसार, आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। सितंबर 2025 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 13.92 प्रतिशत थी, जो 31 मार्च 2026 तक बढ़कर 16.70 प्रतिशत हो गई। इसके बाद 22 मई 2026 तक यह और बढ़कर 16.85 प्रतिशत पहुंच गई।

दरअसल, इससे पहले एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट में ब्लूमबर्ग का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि आरबीआई ने 22 मई तक के दो सप्ताह के दौरान लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेचकर विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां खरीदी हो सकती हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद बाजार में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

चांदी 3,300 रुपये गिरकर 2.62 लाख रुपये किलो पर आई

सोना 1,030 रुपये सस्ता हुआ

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 3 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 1,030 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है। 1 किलो चांदी की कीमत 3,300 रुपए कम होकर 2.62 लाख रुपए पर आ गई है।

सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। मौजूदा स्थितिः अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 21 हजार सस्ता हो चुका है। चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आई है।

कैश की बचतः मिडिल ईस्ट जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर 'कैश' इकट्ठा कर रहे हैं ताकि अनिश्चितता के समय उनके पास लिक्विड मनी रहे।

प्रॉफिट बुकिंगः जनवरी में कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं, इसलिए बड़े निवेशकों ने ऊंचे दामों पर अपनी होल्डिंग बेचना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में सप्लाई बढ़ गई और कीमतें गिर गईं।

भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि छह महीने के उच्चतम स्तर पर, मई महीने में दिखा जोरदार उछाल

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में छह महीने के उच्चतम स्तर 59.8 पर पहुंच गई है। मजबूत मांग, नए ग्राहकों और नए कारोबार में लगातार सुधार से यह उछाल आया है। एक मासिक सर्वेक्षण ने बुधवार को यह जानकारी दी। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर 59.8 हो गया। यह पिछले नवंबर के बाद से विस्तार की सबसे मजबूत दर को दर्शाता है। 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार और 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बताया कि नए कारोबार में लगातार वृद्धि से सेवा क्षेत्र में विस्तार हुआ है।

भारत द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की बाहरी मांग भी तेजी से बढ़ी है। अप्रैल में तेज गिरावट के बाद इसमें सुधार देखा गया है। इनपुट लागत में कमी से बिक्री कीमतों पर दबाव कम हुआ है। निजी क्षेत्र की कंपनियों को मिले नए ऑर्डर छह महीने में सबसे तेज गति से बढ़े। कुल बिक्री कीमतें जनवरी के बाद से सबसे कमजोर दर से बढ़ीं। मई के दौरान माल ढुलाई, डिजिटल समाधान, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग ने नए कारोबार की वृद्धि को बढ़ावा दिया। कंपनियों ने अपनी गतिविधियों को बढ़ाया और कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि जारी रखी। हालांकि, बाहरी मांग की वृद्धि 2025 के औसत से कम रही। अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में विस्तार फिर भी मजबूत रहा। कंपनियों ने ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम से लाभ का उल्लेख किया।

रातोंरात 4 पायदान फिसले मुकेश अंबानी, एशिया में भी छिनी नंबर 2 की कुर्सी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। घरेलू बाजार में चार दिन की गिरावट का सिलसिला थम गया लेकिन देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 49 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और वह एक झटके में दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चार स्थान फिसल गए। इतना ही नहीं एशिया में भी वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ अब 86.9 अरब डॉलर रह गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 25वें नंबर पर फिसल गए हैं। चीन के झांग यिमिंग, अमेरिका के जेफ यास, डेविड सन और जॉन टू उनसे आगे निकल गए। यिमिंग की नेटवर्थ में 24.1 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 92.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। यास की नेटवर्थ में 7.56 अरब डॉलर, सन की नेटवर्थ में 2.75 अरब डॉलर और टू की नेटवर्थ में 2.75 अरब डॉलर की उछाल आई।

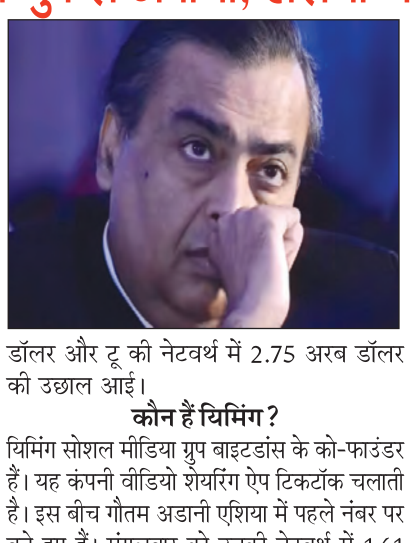

कौन हैं यिमिंग?

यिमिंग सोशल मीडिया ग्रुप बाइटडांस के को-फाउंडर हैं। यह कंपनी वीडियो शेयरिंग ऐप टिकटॉक चलाती है। इस बीच गौतम अडानी एशिया में पहले नंबर पर बने हुए हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 1.61 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 117 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया में 17वें नंबर पर हैं। मंगलवार को दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई।

अंबानी की नेटवर्थ

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 25वें स्थान पर फिसले मुकेश अंबानी

इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है

अंबानी एशिया में भी वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं

चीन के झांग यिमिंग की नेटवर्थ एक दिन में 24.1 अरब डॉलर बढ़ी

कौन-कौन हैं टॉप 10 में?

इस लिस्ट में एलन मस्क 726 अरब डॉलर के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। गूगल के फाउंडर लैरी पेज ($308 अरब) दूसरे, ओरेकल के लैरी एलिसन ($299 अरब) तीसरे, सर्गेई ब्रिन ($286 अरब) चौथे और ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ($277 अरब) पांचवें नंबर पर हैं। इसके बाद माइकल डेल ($238 अरब), मार्क जकरबर्ग ($213 अरब), जेंसन हुआंग ($184 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट ($162 अरब) और स्टीव बालमर ($155 अरब) का नंबर है।

सेंसेक्स 303 अंक गिरकर 74,346 पर बंद हुआ

निफ्टी 77 अंक नीचे 23,405 पर आया

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार, 3 जून को सेंसेक्स 303 अंक की गिरावट के साथ 74,346 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 77 अंकों की गिरावट रही, ये 23,405 पर बंद हुआ। आज के कारोबार में आईटी (5.5%) और रिसल्टी (1.3%) शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच फिर से तनाव बढ़ा है।

इससे मार्केट में अनिश्चितता आई है और निवेशकों में डर है। विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। मई में एफआईआई ने 71 हजार रुपए भारतीय शेयर बाजार से निकाले। मौसम विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून का अनुमान 92% से घटाकर 90% कर दिया है। यानी जून से सितंबर के बीच देश में कम बारिश का खतरा बढ़ गया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	वृष	मे	वृष----	04-30 बजे
चंद्र	धनु	मे	मिथुन---	06-30 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क----	08-42 बजे
बुध	मिथुन	मे	सिंह----	10-55 बजे
गुरु	कर्क	मे	कन्या----	13-01 बजे
शुक्र	मिथुन	मे	तुला----	15-06 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक---	17-17 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु----	19-29 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर---	21-36 बजे
			कुंभ----	23-26 बजे
			मीन----	01-05 बजे
			मेष----	02-41 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948**, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त. 18-44
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष गुरुवार **04 June 2026**
तिथि - चतुर्थी **23-30** तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **03-41** रात्रि तक उप श्रवण
योग. - शुक्ल **09-02** तक उप ब्रह्म
करण - बव **10-27** तक उप बालव

विशेषः स्थीर नक्षत्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-53 से 15-31 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05-44 - 07-20	शुभ	अमृत	18-44 - 20-09	शुभ
रोग	07-20 - 08-58	अशुभ	चंचल	20-09 - 21-31	शुभ
उत्पात	08-58 - 10-36	अशुभ	रोग	20-31 - 22-53	अशुभ
चंचल	10-36 - 12-15	शुभ	काल	22-53 - 00-15	अशुभ
लाभ	12-15 - 13-53	शुभ	लाभ	00-15 - 01-36	शुभ
अमृत	13-53 - 15-31	शुभ	उत्पात	01-36 - 02-58	अशुभ
काल	15-31- 17-09	अशुभ	शुभ.	02-58 - 04-20	शुभ
शुभ	17-09 - 18-44	शुभ	अमृत	04-20 - 05-44	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा । आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,)
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा । आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा । आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है।

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द अत्तापुर

पहले 5 साल काम करो, फिर मिलेगी पक्की नौकरी

25 हजार सफाई कर्मियों की भर्ती के लिए नए नियम बना रही है सरकार

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में बेरोजगार युवाओं के लिए एक राहत भरी खबर है। सरकार जल्द ही 25 हजार सफाई कर्मियों की भर्ती करने वाली है। इस बार भर्ती के नियमों में व्यापक बदलाव किया जा रहा है। सबसे बड़ा बदलाव यह किया जा रहा है कि पहले पांच वर्ष तक कार्य करना होगा। अगर सफाई कार्य में संतोषजनक कार्य रहा तभी स्थायी नियुक्ति मिलेगी। यानी चयनित अभ्यर्थियों पहले संविदा के रूप में कार्य करेंगे। बाद में उन्हें स्थायी किया जाएगा। हालांकि फिलहाल नए नियमों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। विधिक राय लेकर नई गाइडलाइन तैयार करवाई जा रही है।

सफाई कर्मियों की भर्ती स्वायत्त शासन विभाग की ओर से की जाएगी। यह भर्ती संविदा भर्ती नियम-2022 के तहत किए जाने का निर्णय लिया गया है। भर्ती को लेकर राज्य सरकार द्वारा बजट में घोषणा भी की गई थी। वार्षिक भर्ती कलेंडर में शामिल सफाई कर्मियों की भर्ती के लिए प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। पहले विज्ञप्ति जारी होगी। फिर आरक्षण के हिसाब से उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। चयनित उम्मीदवारों को सीधे नौकरी नहीं मिलेगी। पहले पांच वर्ष तक सफाई का कार्य करना होगा। कार्य के दौरान विभाग उनके कार्य, अनुशासन और प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगी। संतोषजनक कार्य पाए जाने पर स्थायी नियुक्ति दी जाएगी।

सफाई कर्मियों की भर्ती में कुछ वर्षों पहले समाज विशेष को प्राथमिकता दी जाती थी। पिछली भर्ती के दौरान भी वाल्मीकि समाज की ओर से धरना प्रदर्शन करते हुए यह मांग रखी गई थी कि वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता दी जाए। इस बार होने वाली सफाई कर्मियों की भर्ती में किसी भी समाज को प्राथमिकता नहीं मिलेगी। ओबीसी, एससी, एसटी, एमबीसी, ईडब्ल्यूएस, विधवा सहित अन्य वर्ग के आरक्षण कोटे के हिसाब से भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। स्वायत्त शासन विभाग के सचिव डॉ. रवि जैन का कहना है कि सफाई कर्मियों से केवल सफाई का कार्य ही कराया जाएगा। अन्य कार्यों में उन्हें नहीं लगाया जाएगा।

सफाई कर्मियों की भर्ती पिछले कई वर्षों से नहीं हो पा रही है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय 13 हजार से अधिक पदों पर सफाईकर्मियों की भर्ती निकाली गई थी लेकिन भर्ती नियमों के विवादों में उलझ गई। बाद में भर्ती को रद्द करना पड़ा। बाद में भाजपा सरकार ने भी 23,820 पदों पर सफाई कर्मियों की भर्ती विज्ञप्ति जारी की थी लेकिन भर्ती नियमों में विवाद के चलते इस भर्ती को भी निरस्त करना पड़ा था। अब नए नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसके अनुसार भर्ती की जानी है।

भैराणा धाम आंदोलन: सरकार ने 3 मंत्री भेजे

फिर भी नहीं बनी बात, किन मुद्दों पर फंसी बात?

भैराणा/बिचून, 3 जून (एजेंसियां)। भैराणा धाम में चल रहे आंदोलन के शांतिपूर्ण समाधान के लिए राज्य सरकार की ओर से गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने संतों से वार्ता की। भैराणा धाम में करीब एक घंटे तक बंद कमरे में वार्ता हुई। संत समाज की सात मांगों में से पांच मांगों पर सरकार ने सहमति जता दी है, लेकिन अभी दो मांगों पर सहमति नहीं बन पाई। मंत्रिमंडलीय उपसमिति अब मुख्यमंत्री के साथ अन्य दो मांगों पर विचार-विमर्श करेगी। इसके बाद समिति फिर से संतों से वार्ता करेगी।

मंत्रिमंडलीय उपसमिति में शामिल गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बताया कि भैराणा धाम संघर्ष समिति के संतों के साथ सकारात्मक माहौल में वार्ता की गई है। संत समाज ने भी स्वीकार किया है कि हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन आस्था के केंद्रों का संरक्षण हो। संतों से आग्रह किया है कि एक ऐसा प्रस्ताव बनाकर दें जिससे विकास भी अवरुद्ध न हो और धाम का संरक्षण हो सके। संतों ने विश्वास दिलाया कि चर्चा करने के बाद प्रस्ताव तैयार करेंगे।

इससे पहले उपसमिति में शामिल मंत्री बेढम, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने दादू वाणी मंदिर में दर्शन किए और वहां साधु-संतों का आशीर्वाद लिया। वार्ता में संघर्ष समिति की ओर से अध्यक्ष महंत गोवर्धन दास महाराज, संत रामरतन दास, हरिओम दास, हरिनारायण दास, चेतन दास, मधुसूदन दास और देवादास सहित कई प्रमुख संत और पदाधिकारी शामिल हुए।

संत समाज ने बताया कि वार्ता में पांच मांगों पर सहमति बन चुकी है, लेकिन बिचून रीको निरस्त करने व औद्योगिक क्षेत्र को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग पर कोई निर्णय नहीं हो सका है।

मंत्रियों ने प्रस्तावित रीको भूमि का भी अवलोकन किया। साथ ही बारिश के दिनों में पहाड़ी से निकलने वाले नालों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद धरना स्थल पर पहुंचे मंत्रियों ने संतों से धरना समाप्त करने का आग्रह किया, लेकिन संतों ने विवाद का निस्तारण नहीं होने तक धरना देने की बात कही। उधर, जयपुर आते समय बिचून के लोगों ने रीको स्थापित करने व रोजगार की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

हेमाराम चौधरी ने अब ऐसा क्या कहा, कि कांग्रेस के गलियारों में होने लगी चर्चा?

बाड़मेर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में लंबे समय से चल रही नए और पुराने चेहरों की राजनीतिक रस्साकशी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। इस बार यह सुगबुगाहट मारवाड़ की राजनीति के सबसे सम्मानित नेताओं में शुमार किए जाने वाले पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी के एक हालिया बयान से पैदा हुई है। एक मीडिया चैनल को दिए गए इंटरव्यू में हेमाराम चौधरी ने बड़ी ही बेबाकी से कांग्रेस पार्टी के भीतर युवाओं को मौका देने और बुजुर्ग नेताओं के चुनावी राजनीति से गरिमापूर्ण तरीके से पीछे हटने के मुद्दे पर अपनी राय रखी है। जब हेमाराम चौधरी से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को नसीहत देने और कांग्रेस में युवाओं को आगे बढ़ाने के संदर्भ में सवाल पूछा गया, तो 78 वर्षीय इस कद्दावर नेता ने अपने जवाब से सबको चौंका दिया। उन्होंने किसी भी प्रकार की गुटबाजी या कटुता से बचते हुए बेहद स्पष्ट शब्दों में राजनीतिक संन्यास और नेतृत्व हस्तांतरण की वकालत कर दी, जिसे राजस्थान की आगामी सांगठनिक राजनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अशोक गहलोत को नसीहत देने के सवाल पर हेमाराम चौधरी ने उनके लंबे राजनीतिक सफर और कद का सम्मान करते हुए अपनी बात शुरू की। चौधरी ने कहा, "अब उन्हें मैं क्या नसीहत दूं? वे राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रह चुके हैं और इसके साथ ही वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जैसे अत्यंत गरिमापूर्ण और संगठनात्मक पदों पर भी लंबे समय तक कार्य कर चुके हैं। इतने बड़े और व्यापक प्रशासनिक व राजनीतिक अनुभव वाले व्यक्ति को किसी भी प्रकार की सलाह या नसीहत देने की मेरी कोई हैसियत नहीं है।"

हालांकि, इस विनम्रता के तुरंत बाद हेमाराम चौधरी ने एक बड़ा संदेश देते हुए आगे कहा- "ये तो अब उनको (अशोक गहलोत) स्वयं ही बैठकर आत्मचिंतन और विचार करना चाहिए। राजनीति में एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति को खुद अपनी भूमिका और अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर बड़े निर्णय करने होते हैं।" हेमाराम चौधरी का यह इशारा साफ तौर पर मारवाड़ और पूरे राजस्थान की कांग्रेस राजनीति में स्थापित बड़े नेताओं के लिए एक संदेश की तरह देखा जा रहा है।

अपनी बात को व्यावहारिक धरातल पर साबित करने के लिए हेमाराम चौधरी ने बाड़मेर जिले की स्थानीय राजनीति का एक जीवंत उदाहरण देश और प्रदेश के सामने रखा। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने स्वयं सक्रिय चुनावी राजनीति से पीछे हटकर नए नेताओं को पनपने और स्थापित होने का पूरा स्पेस दिया।

हेमाराम चौधरी ने कहा- "बाड़मेर की धरती पर हम समय-समय पर खुद पीछे रहकर दूसरों को अवसर देते रहे हैं। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि मैंने खुद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया और अपने स्थान पर हरीश चौधरी को पूरी मजबूती से तैयार किया। इसके चलते हम किसानों और आम जनता के बीच एक नया, ऊर्जावान और मजबूत नेतृत्व खड़ा करने में पूरी तरह सफल रहे।" आगे का उदाहरण देते हुए वरिष्ठ नेता ने कहा- "इसी लोकतांत्रिक सोच के तहत हमने हाल ही में उम्मेदाराम बेनीवाल को भी राजनीति की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण सांगठनिक भूमिका निभाई और उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर संसद (सांसद) तक पहुंचाया। अब ये सभी युवा और अनुभवी चेहरे आगे बढ़कर खुद बड़ी जिम्मेदारी संभालेंगे और अपने दम पर कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करेंगे।" हेमाराम चौधरी ने अपनी ढलती उम्र और सार्वजनिक जीवन की सीमाओं को पूरी स्पष्टता के साथ स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि हर राजनेता को यह समझना होगा कि समय की मांग क्या है और युवा पीढ़ी की आकांक्षाएं क्या हैं।

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने देशवासियों से मांगी सार्वजनिक माफ़ी, किस बात से हैं आहत?

बीकानेर, 3 जून (एजेंसियां)। देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक मामले को लेकर उपजा आक्रोश अभी थमा नहीं है। इसी बीच राजस्थान सरकार के नगरीय विकास व स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर जिम्मेदारी स्वीकार करने वाला बयान दिया है, जो आम तौर पर राजनीतिक गलियारों में देखने को नहीं मिलता। बीकानेर दौरे पर आए मंत्री खर्रा ने पत्रकारों से बेबाक बातचीत करते हुए कहा कि नीट परीक्षा का लीक होना हमारे पूरे प्रशासनिक और परीक्षा नियामक सिस्टम का फेलियर था। खर्रा ने बेहद गंभीर लहजे में कहा कि जिन लोगों और अधिकारियों को इस अत्यंत गोपनीय और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा को पूरी पारदर्शिता व सुचारू रूप से संपन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वे ही वास्तव में 'आस्तीन के सांप' साबित हुए। उन्होंने सिस्टम के भीतर बैठकर ही पेपर लीक के घिनौने खेल को अंजाम दिया, जिससे अपनी मेहनत के दम पर डॉक्टर बनने का सपना देख रहे देश के लाखों होनहार विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के साथ बहुत बड़ा और दर्दनाक कुठाराघात हुआ है।

बीकानेर के सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किसी भी प्रकार की लीपापोती करने के बजाय सीधे तौर पर जनता और युवाओं के दर्द को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार पद पर होने के नाते, वे इस परीक्षा प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को मानसिक रूप से हुई भारी परेशानी और अवसाद की स्थिति के लिए व्यक्तिगत तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों की तरफ से सामूहिक रूप से देश के युवाओं से क्षमाप्रार्थी हैं।

मंत्री ने जांच एजेंसियों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य की एसओजी और देश की केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बेहद त्वरित और कड़े कदम उठाए हैं। दोषियों को चिन्हित कर लगातार गिरफ्तारियां की जा रही हैं और जांच की रफ्तार काफी तेज है।

आबकारी विभाग का एक्शन, युवतियों से शराब परोसवाने वाले 3 बीयर बार सील

अलवर, 3 जून (एजेंसियां)। अलवर में आबकारी विभाग ने करवाई करते हुए तीन बीयर बारों को सील कर दिया है। आबकारी विभाग ने जिन बारों पर यह सख्त एक्शन लिया है, उनमें तीनों ही जगहों पर आबकारी नियमों को ताक पर रखकर युवतियों से शराब परोसवाई जा रही थी। शिकायतें सही पाए जाने पर विभाग ने इन्हें तुरंत प्रभाव से बंद कर दिया है।

दरअसल, आबकारी विभाग को काफी समय से शिकायतें मिल रही थीं कि अलवर के कुछ बार संचालक ज्यादा मुनाफा कमाने और ग्राहकों को रिझाने के लिए नियमों के खिलाफ जाकर युवतियों से शराब सर्व करवा रहे हैं। चूंकि नियमों के तहत बार में युवतियों से शराब परोसवाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है, इसलिए आबकारी कमिश्नर ने मामले को गंभीरता से लिया और गुप्त जांच (गुप्त निरीक्षण) के आदेश दे दिए।

जिला आबकारी अधिकारी अर्चना जैमन के निर्देश पर जब टीम औचक निरीक्षण करने पहुंची, तो वहां हड़कंप मच गया। जांच के दौरान बार की पोल तो खुली ही, साथ ही वहां एक हाई वोल्टेज ड्रामा भी देखने को मिला। बताया जा रहा है कि जब टीम के इंस्पेक्टर वहां छानबीन कर रहे थे, तभी बार में काम करने वाली एक युवती ने उनका मोबाइल फोन ही पकड़ लिया और कार्रवाई का विरोध करने लगी। हालांकि, अधिकारियों ने सख्ती दिखाते हुए पूरी स्थिति को संभाला।

इस पूरे मामले में एक दिलचस्प मोड़ यह भी है कि इसकी शुरुआत खुद बार संचालकों की आपसी खींचतान से हुई थी। बीती 17 मई को कुछ बीयर बार संचालकों ने खुद जयपुर जाकर आबकारी कमिश्नर से इस बात की शिकायत की थी। उन्होंने सबूत के तौर पर बीयर बार में काम कर रही युवतियों के वीडियो भी कमिश्नर को दिखाए थे। वीडियो सामने आने के बाद विभाग तुरंत एक्शन में आया और यह बड़ी कार्रवाई की।

आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। तीन बारों को सील करने के बाद अब शहर के अन्य बीयर बारों और लाउंज की भी 'कुंडली' खंगाली जा रही है। अगर कहीं और भी इस तरह के अवैध काम या नियमों का उल्लंघन पाया गया, तो उनके खिलाफ भी बिना किसी रियायत के ऐसी ही सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'लॉरेंस जैसी फोटो लेना' अजमेर में अवैध हुक्का बार पर छापे में गिरफ्तार एएसआई के बिगड़े बोल

एसपी ने किया सस्पेंड

अजमेर, 3 जून (एजेंसियां)। अजमेर में अवैध हुक्का बार पर पुलिस की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार हुए पुलिस लाइन में तैनात एएसआई अनिल जाखड़ एक बार फिर चर्चा में रहा। एडीएम कोर्ट में पेशी के लिए ले जाते समय मीडिया कर्मियों से उसने कहा- मेरी फोटो लॉरेंस बिश्नोई जैसी लेना, ढंग की फोटो आनी चाहिए। एएसआई के इस बयान और पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले को गंभीर मानते हुए अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने एएसआई अनिल जाखड़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अनिल जाखड़ के खिलाफ पूर्व में भी विभागीय कार्रवाई हो चुकी है।

दरअसल सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे गंज थाना पुलिस और सीओ दरगाह की टीम ने बोराज रोड स्थित धानुका गार्डन के पास संचालित सीएनसी कैफे पर छापा मारा था। पुलिस को यहां अवैध रूप से हुक्का परोसे जाने की सूचना मिली थी। कार्रवाई के दौरान कई युवक हुक्का पीते मिले, जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि कैफे में मौजूद 19 वर्षीय जतिन बिना लाइसेंस और अनुमति के ग्राहकों को विभिन्न फ्लेवर के हुक्के उपलब्ध करा रहा था। पुलिस ने राजस्थान धूम्रपान निषेध एवं गैर-धूम्रपानकर्ताओं के स्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 2000 की धारा 9/11 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसी दौरान मौके पर मौजूद एएसआई अनिल जाखड़ ने कथित रूप से पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस का कहना है कि समझाने के बावजूद वह नहीं माना और पुलिस कार्य में बाधा डालने लगा। इसके बाद उसे शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मौके पर उसने खुद को हुक्का बार का मालिक भी बताया। वहीं प्रारंभिक जानकारी में उसके बेटे द्वारा कैफे संचालित किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अवैध हुक्का बार का वास्तविक संचालक कौन है।

वीजा उल्लंघन के मामले में हाईकोर्ट सख्त

आरयू के दो विदेशी छात्रों की जमानत याचिका खारिज

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत दो विदेशी छात्रों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए कहा है कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के मामलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, विशेषकर तब जब उनके खिलाफ मादक पदार्थों से जुड़े गंभीर आरोप भी दर्ज हों। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने तंजानिया निवासी यूडो कोम्बा और केन्या निवासी मार्गरेट काजुंग की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। दोनों छात्र राजस्थान यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत थे और जयपुर के मालवीय नगर क्षेत्र में रह रहे थे।

मामले के अनुसार जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने 11 नवंबर 2025 को एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उन्हें एक होटल से पकड़ा था, जहां से उनके कब्जे से कोकीन बरामद होने का दावा किया गया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि दोनों छात्र वैध स्टूडेंट वीजा पर भारत आए थे और राजस्थान यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। उनके वकील ने अदालत को बताया कि बरामद कोकीन की मात्रा व्यावसायिक श्रेणी में नहीं आती। पुलिस द्वारा कुल 4.26 ग्राम पदार्थ बरामद किया गया था, जिसमें शुद्ध कोकीन की मात्रा 3.94 ग्राम बताई गई। जबकि एनडीपीएस कानून के अनुसार कोकीन की व्यावसायिक मात्रा 100 ग्राम निर्धारित है।

स्टाफ के साथ मिलकर कंप्यूटर में लगाया था सॉफ्टवेयर

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा धांधली में एसओजी ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2017 की ऑनलाइन परीक्षा में संगठित तरीके से की गई धांधली के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीडवाना-कुचामन के नागवारा निवासी कानाराम पर परीक्षा केंद्र के स्टाफ से मिलीभगत कर एक अभ्यर्थी का पेपर सॉल्वर से हल करवाने का आरोप है। एसओजी के अनुसार इस प्रकरण में अब तक 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि एपटेक कंपनी के कर्मचारी रोहन कपूर ने इस संबंध में वर्ष 2018 में मामला दर्ज करवाया था।

जयपुर के मालवीय नगर स्थित सरस्वती इन्फोटेक केंद्र पर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। जांच में सामने आया था कि एक संगठित गिरोह ने परीक्षा केंद्रों पर लगे कंप्यूटर सिस्टम से छेड़छाड़ कर अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की साजिश रची।

जांच के दौरान सामने आया कि परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थी हीरालाल को विशेष व्यवस्था के तहत मदद पहुंचाई गई। 9 मार्च 2018 को आयोजित परीक्षा की दूसरी पारी में हीरालाल को पहले निर्धारित सीट संख्या 53 पर बैठाया था लेकिन बाद में साजिश के तहत उसे सीट संख्या 66 पर ट्रांसफर कर दिया गया ताकि हैकिंग आराम से की जा सके।

सीबीएन का एक्शन, बंद मकान से मिला नशे का जखीरा

3.641 किलो एमडी ड्रग्स के साथ संदिग्ध पाउडर भी जब्त

झालावाड़, 3 जून (एजेंसियां)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किए हैं। सीबीएन एवं भवानीमंडी सेल की संयुक्त टीम ने बीती रात पचपहाड़ तहसील के गुराड़िया जोगा गांव में एक मकान पर छापा मारकर 3.641 किलोग्राम एमडी ड्रग्स तथा 7.060 किलोग्राम संदिग्ध पाउडर जब्त किया है।

सीबीएन अधिकारियों को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गुराड़िया जोगा गांव का एक व्यक्ति अपने मकान में बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स छिपाकर रखे हुए है और मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सीबीएन और भवानीमंडी सेल की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई।

टीम जब बताए गए स्थान पर पहुंची तो मकान बंद मिला। इसके बावजूद अधिकारियों ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मकान की तलाशी ली। इस तलाशी के दौरान मकान में अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखी गई 3.641 किलोग्राम एमडी ड्रग्स तथा 7.060 किलोग्राम संदिग्ध पाउडर बरामद किया गया। बरामद संदिग्ध पाउडर के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं, इसकी रिपोर्ट आने के बाद उसकी वास्तविक प्रकृति स्पष्ट हो सकेगी।

सीबीएन अधिकारियों ने बरामद मादक पदार्थों को जब्त कर लिया है और मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही मकान मालिक और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है।

इस कार्रवाई को क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद एमडी ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। मामले की जांच जारी है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश की सीमा से जुड़े होने के कारण जिले के तस्कर फायदा उठाकर मध्यप्रदेश में फरार हो जाते हैं।

घी व्यापारी के ठिकाने पर पहुंची ईडी

तिरुपति मंदिर 'प्रसाद' विवाद से जुड़े हैं तार

बीकानेर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में तिरुपति मंदिर में प्रसाद मामले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय की रेड पड़ी। यहां प्रसिद्ध 'कोयला गली' स्थित नामचीन घी व्यापारी 'मोहनलाल आशीष कुमार अग्रवाल' के ठिकानों पर अचानक छापेमारी हुई। 5 महीने पर यहां आयकर विभाग की कार्रवाई हो चुकी है। बीकानेरः आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद से जुड़े मामले में लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में राजस्थान के बीकानेर में बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंची। यहां टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ईडी के अधिकारियों ने शहर की प्रसिद्ध 'कोयला गली' स्थित नामचीन घी व्यापारी 'मोहनलाल आशीष कुमार अग्रवाल' के ठिकानों पर अचानक छापेमारी की। सुबह-सुबह हुई इस बड़ी रेड से प्रदेश के पूरे व्यापारिक जगत और शहर में हड़कंप मच गया है।

मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, ईडी की यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद (लड्डू) से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर की जा रही है। आरोप है कि बीकानेर की इस संबंधित फर्म ने तिरुपति मंदिर में प्रसाद बनाने के लिए घी की सप्लाई की थी। पिछले दिनों तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर देशव्यापी विवाद खड़ा हुआ था, और आशंका जताई जा रही है कि इसी मामले में वित्तीय गड़बड़ियों और सप्लाई चेन की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसी ने यहां दस्तक दी है। ईडी के अधिकारी व्यापारी के दफ्तर और अन्य ठिकानों पर दस्तावेजों, कंप्यूटर हार्डडिस्क और बैंक खातों की गहनता से छानबीन कर रहे हैं।

बुधवार सुबह जब ईडी की टीमें कोयला गली स्थित व्यापारी के प्रतिष्ठान पर पहुंचीं, तो केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पूरे परिसर को अपने घेरे में ले लिया। इस बड़ी कार्रवाई की भनक जब स्थानीय कोटगेट थाना पुलिस को लगी, तो वे भी मौके पर पहुंच गए। हालांकि, ईडी के उच्चाधिकारियों ने स्थानीय पुलिस को कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया और उन्हें मौके से तुरंत वापस भेज दिया। सुरक्षा के लिहाज से परिसर के बाहर केवल केंद्रीय सुरक्षा घेरा ही तैनात रखा गया है ताकि जांच की गोपनीयता बनी रहे। बड़ी बात यह है कि इस घी व्यापारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ठीक 5 महीने पहले भी इसी फर्म पर आयकर विभाग की टीम ने बड़ी रेड की थी।

धान की खरीद रिकॉर्ड 75 लाख मीट्रिक टन के करीब : उत्तम

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना रबी धान की खरीद में पिछले साल के रिकॉर्ड को पार करने की राह पर है, वर्तमान कुल खरीद 70.06 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक पहुंच चुकी है और इसके 75 लाख मीट्रिक टन से अधिक होने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा कि खरीद केंद्रों पर अभी भी 4.95 एलएमटी की खरीद बाकी है, जबकि अगले सप्ताह खेतों से अतिरिक्त आवक की उम्मीद है जिससे कुल खरीद पिछले साल के 74.2 एलएमटी के रिकॉर्ड को पार कर जाएगी, जो राज्य के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को हैदराबाद में अधिकारियों के साथ एक बैठक में राज्य भर में खरीद कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टरों और नागरिक आपूर्ति अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे युद्धस्तर पर बाधाओं को दूर करें, विशेष रूप से उन जिलों में जहां खरीद अभी भी जारी है। राज्य की खरीद व्यवस्था पर भरोसा जताते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि मौसम की स्थिति और हमाली की कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद, तेलंगाना में इस साल खरीद का स्तर पिछले साल के स्तर से अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि निजामाबाद, निर्मल, नागरकुर्नूल, वनपर्थी और विकाराबाद जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जहां अभी भी दस दिनों तक धान की आवक जारी रहने की उम्मीद है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, "मानसून के जोर पकड़ने से पहले जिलों पर खरीद प्रक्रिया पूरी करने का दबाव डालें। मौसम संबंधी व्यवधानों के कारण किसानों को नुकसान नहीं होना चाहिए।

कई जिलों में खरीद प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सूर्यापेट और नालगोंडा जिलों में एक-दो दिन में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। मंत्री ने भंडारण व्यवस्था की समीक्षा भी की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी स्थान की कमी हो, उसे तुरंत दूर किया जाए। उन्हें बताया गया कि जिन जिलों में भंडारण की कमी है, वहां अतिरिक्त भंडारण सुविधाओं की पहचान कर ली गई है। मंत्री ने कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की आवाजाही की भी समीक्षा की और अधिकारियों को ताजा माल की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए परिवहन और भंडारण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उत्तम कुमार रेड्डी ने खरीद केंद्रों के कामकाज और हमाली और सहायक कर्मचारियों सहित खरीद गतिविधियों में लगे श्रमिकों के कल्याण की भी समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को बीमा कवरेज और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित कल्याणकारी उपायों में सुधार के प्रस्तावों की जांच करने का निर्देश दिया। मंत्री ने तेलंगाना भर में खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे खरीद कर्मचारियों, परिवहन कर्मियों और श्रमिकों के प्रयासों की सराहना की।

उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को हमाली श्रमिकों के लिए बेहतर कल्याणकारी उपाय करने और उनकी कार्य परिस्थितियों में सुधार करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने अधिकारियों से इन श्रमिकों के लिए बीमा की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया, विशेष रूप से कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाओं और अप्रत्याशित घटनाओं के लिए। यह उल्लेख किया गया कि राशन कार्ड धारक श्रमिक पहले से ही इंदिरा कुटुंब जीवधा बीमा योजना के अंतर्गत आते हैं। मंत्री जी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए अथक परिश्रम करने वाले इन अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को हमेशा पूर्ण समर्थन दिया है।

पवन कल्याण का तेलंगाना में स्वागत : शिवाजी

जनसेना को सभा करने का पूरा संवैधानिक अधिकार

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शिवसेना पार्टी तेलंगाना इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सिंकारु शिवाजी ने जनसेना पार्टी और उसके प्रमुख पवन कल्याण का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें तेलंगाना में राजनीतिक गतिविधियां संचालित करने का पूरा संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि यदि पवन कल्याण तेलंगाना में राजनीतिक दौरा करते हैं तो वह उनका समर्थन करेंगे। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सिंकारु शिवाजी ने कहा कि पवन कल्याण एक जनप्रिय नेता हैं और सनातन बोर्ड के गठन की आवश्यकता पर उनके विचार सामने आने के बाद कुछ हिंदू विरोधी और राष्ट्रविरोधी शक्तियां उनके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल को देश के किसी भी हिस्से में संगठन स्थापित करने तथा राजनीतिक गतिविधियां चलाने का अधिकार देता है। जनसेना पार्टी को भी अन्य राजनीतिक दलों की तरह यह अधिकार प्राप्त है।

शिवाजी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जनसेना पार्टी को मान्यता प्रदान की है और उसे चुनाव चिन्ह आवंटित किया है। ऐसे में पार्टी देश के किसी भी राज्य में चुनाव लड़ सकती है और अपने संगठन का विस्तार कर सकती है। उन्होंने कहा कि किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाना या उसकी गतिविधियों का विरोध करना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पवन कल्याण ने कभी तेलंगाना राज्य या यहां की जनता के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। कुछ लोगों द्वारा यह कहना कि उन्हें तेलंगाना में अनुमति नहीं दी जाएगी, लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है। सिंकारु शिवाजी ने कहा कि पवन कल्याण के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे अभियान लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के अनुरूप नहीं हैं।

जर्मनी के साथ साझेदारी के माध्यम से रोजगार के अधिक अवसर: विवेक

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता) । श्रम, रोजगार, खान और भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तेलंगाना और जर्मनी के बीच मजबूत समन्वय और सहयोग से दोनों क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे, विशेष रूप से कौशल विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक सहयोग के क्षेत्रों में। तेलंगाना सचिवालय में जर्मनी के थुरिंगिया राज्य से आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए मंत्री ने संस्थागत सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और कौशल विकास, कार्यबल की गतिशीलता, उद्योग और आर्थिक सहयोग में साझेदारी के नए रास्ते तलाशने और उनका पता लगाने के लिए तेलंगाना और जर्मनी के बीच एक समर्पित समन्वय समूह के गठन का प्रस्ताव रखा। प्रतिनिधिमंडल में थुरिंगिया के मंत्री-राष्ट्रपति मारियो वोग्ट, श्रम मंत्री शेंक, राज्य सचिव सुकर्ट, राज्य सचिव डॉ. टेइचर्ट, जन प्रतिनिधि, उद्योगपति, पत्रकार और जर्मनी के अन्य अधिकारी शामिल थे। इससे पहले दिन में, प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना दौरे के तहत मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरे का समन्वय तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी (टॉमकॉम) द्वारा किया गया था। इस बातचीत के दौरान, मंत्री और जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने आपसी हित के मामलों पर विस्तृत चर्चा की, जिनमें विदेशी रोजगार के अवसर, कुशल कार्यबल विकास, कार्यबल की गतिशीलता और औद्योगिक सहयोग शामिल हैं। विवेक वेंकटस्वामी ने जर्मनी में विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना के युवाओं के लिए विदेशी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए टॉमकॉम के माध्यम से राज्य सरकार की पहलों पर प्रकाश डाला। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) में परिवर्तित करके और वैश्विक मानकों और उभरते रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम शुरू करके कौशल विकास में बड़े सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि एटीसी (अमेरिकन टेक्नीशियन ट्रेनिंग सेंटर) उच्च कुशल कार्यबल तैयार कर रहे हैं जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उद्योगों की मांगों को पूरा करने में सक्षम हैं। विवेक वेंकटस्वामी ने आगे कहा कि टीओएमसीओ तेलंगाना के युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें वैश्विक कैरियर के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए जर्मन भाषा पाठ्यक्रम सहित भाषा प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने युवा पेशेवरों को उद्योग से संबंधित कौशल से लैस करने और अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसरों को सुगम बनाने में तेलंगाना सरकार, विशेष रूप से श्रम विभाग और टीओएमकॉम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर, एलईटीएफ के सचिव दासारी हरिचंदना ने टीओएमकॉम के माध्यम से कार्यान्वित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तकनीकी और परिचालन पहलुओं की व्याख्या की और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल के निर्माण के लिए राज्य के प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस वार्ता से कुशल कार्यबल विकास, अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता और रोजगार सृजन के क्षेत्रों में तेलंगाना और जर्मनी के बीच बढ़ती साझेदारी का पता चलता है। रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशक कांथी वेस्ली, टीओएमसीओ के अधिकारी नागभारती, अनिल कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल ने चार भुजाओं वाली हनुमान प्रतिमा के मॉडल का अनावरण किया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने बुधवार को उस प्रस्तावित भव्य हनुमान प्रतिमा के मॉडल का अनावरण किया, जिसे दुनिया की पहली 'चतुर्भुज शंख-चक्र युक्त हनुमान' प्रतिमा बताया जा रहा है। यह विशेष प्रतिमा भगवान हनुमान के चार भुजाओं वाले स्वरूप में शंख और चक्र के साथ दर्शाई गई है। यह 111 फीट ऊँची प्रतिमा प्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अनिल राम सुतार द्वारा डिजाइन की गई है और इसे मेदक जिले के शिवमपेट मंडल स्थित चिन्ना गोट्टिमुक्कुला गांव में स्थापित करने की योजना है। इस परियोजना को भक्ति, आध्यात्मिकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सनातन धर्म के मूल्यों को बढ़ावा देना और देश की आध्यात्मिक परंपराओं को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना है। लोक भवन में आयोजित प्रस्तुति के दौरान मंदिर ट्रस्टी एवं मुख्य पुजारी भास्करायणी अंजनेय शर्मा, मंदिर समिति सदस्य आर. सीताराम राव तथा प्रणव इंफ्रा के प्रबंध निदेशक कल्लुरी हनुमंथा राव ने राज्यपाल को परियोजना की विशेषताओं की जानकारी दी।

मानव जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण : पं. श्रीमाली

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विशा मोड गौभुजा समाज वाड़ी में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यासपीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने बताया कि मानव जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है। तिरासी लाख निन्यानवे हजार नौ सौ निन्यानवे योनियों को भोगने के बाद मानव योनि प्राप्त होता है। अनेक योनियों में भटकने के बाद मनुष्य जीवन मिलता है, सभी योनियों के बाद मिले मानव जन्म को ईश्वर ने सर्वश्रेष्ठ बनाया है। मानव को यह सोचने और समझने के साथ विलक्षण गुण प्रदान किए हैं, जीवन कैसे जीना है यह मानव को सोचना है।

सफल जीवन के लिए उसे अपने अंदर शुद्धता, पवित्रता रखना होगा, इसके लिए उसे मनसा वाचा कर्मणा को अपने आचरण में लाना है। मन में शुद्धता और पवित्रता बनाए रखना है, किसी के प्रति मन में द्वेष भाव न रखें, कोई आपके साथ कैसा भी व्यवहार करे तब भी अपने आचरण में शुद्धता सदैव बनाए रखें। अपने व्यवहार के अनुरूप ईश्वर फल देता है। अपने वचन में वाणी में पवित्रता रखें, वाणी में भी मिठास हो और कर्म भी शुद्ध हों। दोहरे व्यवहार वाले से सदैव सावधान रहते हुए अपने कर्तव्य का पालन करते रहें। मनसा वाचा कर्मणा में शुद्धता एवं पवित्रता हो तो ईश्वर अनुकूल फल प्रदान करते हैं, उसका जीवन सफल, सार्थक एवं धन्य बनता है। सदैव इसका विशेष ध्यान रखते हुए अपने जीवन को धन्य बनाएं।

पंजाब नैशनल बैंक ने 50 लाख का बीमा चेक सौंपा

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक के मंचेरियाल शाखा के ग्राहक एवं सिंगरेनी एसटीपीपी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी स्वर्गीय कंबाला राजेश की एक जानलेवा सड़क दुर्घटना में निधन हो जाने के कारण बैंक ने 50 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा चेक सौंपा। एसटीपीपी में दो जून को आयोजित एक कार्यक्रम में पंजाब नैशनल बैंक के सिकंदराबाद मण्डल के उप मण्डल प्रमुख खालिद इस्माइल शेख तथा बैंक की मंचेरियाल शाखा प्रबंधक अमरेश एवं एसटीपीपी के अधिकारियों मदन मोहन, सूर्यनारायण राजू द्वारा यह चेक सौंपा गया।

संस्था के कार्यकारी निदेशक चिरंजीवी ने बताया कि एसटीपीपी में कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी कंबाला राजेश ने अपनी मृत्यु से ठीक एक महीने पहले ही पंजाब नैशनल बैंक में अपना खाता खुलवाया था। दुर्भाग्य से अगले ही महीने उनकी एक जानलेवा सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई । उनकी मासिक आय मात्र 25,000 थी, पंजाब नैशनल बैंक ने योजना के तहत 50 लाख का दुर्घटना बीमा उनके परिजनों को जारी किया है। इस वित्तीय सहायता से उनकी पत्नी और सात वर्ष के दो बच्चों को बहुत हद तक सहारा मिला है। इस अवसर पर बैंक के सिकंदराबाद मण्डल के उप मण्डल प्रमुख खालिद इस्माइल शेख ने बताया कि बीमा कंपनी और बैंक के अधिकारियों ने मिलकर इस घटना पर विस्तृत जांच के बाद 50 लाख रुपये की सहायता राशि दी है। उन्होंने पंजाब नैशनल बैंक की ओर से सिंगरेनी एसटीपीपी के इस कदम की सराहना की। बैंक द्वारा प्रदत्त बीमा सुरक्षा खाताधारकों के परिजनों को विपरीत परिस्थितियों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। शाखा प्रमुख अमरेश ने सिंगरेनी-एसटीपीपी के प्रबन्धन द्वारा कर्मचारी रक्षा सुरक्षा प्रयासों की सराहना की। अमरेश ने कहा कि पीएनबी अपने ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

'एक्सलेंस अवॉर्ड्स' से उत्कृष्ट अधिकारी व नागरिक सम्मानित

हैदराबाद सिटी पुलिस ने किया आयोजन

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने अपराध अनुसंधान और कार्य निष्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए पहली बार 'हैदराबाद सिटी पुलिस एक्सलेंस अवॉर्ड' की शुरुआत की है। तेलंगाना राज्य गठन दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में कुल 32 पुलिस अधिकारियों को उनके श्रेष्ठ जांच कार्य और प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पुलिस अधिकारियों को दो श्रेणियों-'बेस्ट इन्वेस्टिगेशन' और 'बेस्ट परफॉर्मेंस' में सम्मानित किया गया। बेस्ट इन्वेस्टिगेशन श्रेणी में उन अधिकारियों को शामिल किया गया जिन्होंने मजबूत वैज्ञानिक जांच के आधार पर मामलों में दोष सिद्ध कराकर अदालतों से 5 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा सुनिश्चित करवाई। वहीं बेस्ट परफॉर्मेंस श्रेणी में ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले निरीक्षक, एसआई, एएसआई, हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल स्तर के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार समारोह सीएआर मुख्यालय, पटल बुरुज, हैदराबाद में आयोजित किया गया, जहां पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने पुरस्कार प्रदान किए।

हैदराबाद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सख्त कदम : सज्जनार

सड़क दुर्घटनाओं को रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है : डॉ. प्रियंका आला

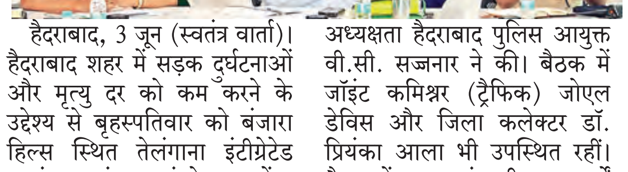

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (टीजीआईसीसीसी) में उच्च स्तरीय सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने की। बैठक में जॉइंट कमिश्नर (ट्रैफिक) जोएल डेविस और जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला भी उपस्थित रहीं। बैठक में शहर एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े, ब्लैक स्पॉट, ब्लाइंड स्पॉट, पैदल यात्रियों से संबंधित दुर्घटनाएं, ड्रंक एंड ड्राइव मामलों, हिट एंड रन घटनाओं तथा पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि सड़क सुरक्षा के मामले में सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि केवल बैठकें करने से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम दिखने चाहिए। उन्होंने शहर में उचित सड़क संकेत, ज़ेब्रा क्रॉसिंग, फुटपाथ, तथा अतिक्रमण हटाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने डिवाइडरों की ऊंचाई बढ़ाकर गार्ड रेलिंग लगाने, अवैध सड़क पार करने को रोकने के लिए सेंट्रल मेडियन मजबूत करने तथा ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में फुट ओवर ब्रिज निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क प्रकाश व्यवस्था सुधारने, गति नियंत्रण उपायों, ट्रैफिक सिस्टम को मजबूत करने, वैज्ञानिक तरीके से यू-टर्न और फ्री लेफ्ट डिजाइन करने तथा लेन अनुशासन लागू करने पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही।

पुलिस ने 8 वर्षीय लापता बच्ची को सुरक्षित बचाया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए लाकड़ीकापुल मेट्रो स्टेशन के पास से एक 8 वर्षीय लापता बालिका को सुरक्षित बरामद कर मात्र एक घंटे के भीतर उसके परिवार को सौंप दिया। बीते 2 जून को लगभग रात्रि 8:00 बजे, सैफाबाद थाना के पुलिस कांस्टेबल के. विनय कुमार अपनी ड्यूटी पर जाते समय लाकड़ीकापुल मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे। उन्होंने वहां एक छोटी बच्ची को अकेले और घबराई हुई अवस्था में घूमते हुए देखा। स्थिति को समझते हुए कांस्टेबल ने तुरंत बच्ची को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया और सायफाबाद थाना लाकर एसएचओ को सूचित किया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ और स्नेहपूर्ण बातचीत में बच्ची ने अपना नाम मानवी (8 वर्ष), पिता राजेश कुमार, निवासी मंगरबस्ती, हबीबनगर बताया। एसएचओ सैफाबाद के निर्देश पर पुलिस टीम ने तत्काल स्थानीय स्तर पर तलाश शुरू की और तेजी से कार्रवाई करते हुए बच्ची का सही पता मंगरबस्ती, हबीबनगर में ढूंढ निकाला तथा उसके परिवार से संपर्क स्थापित किया। इसके बाद बच्ची के पिता राजेश कुमार को थाने बुलाया गया। आवश्यक सत्यापन के पश्चात बालिका को सुरक्षित रूप से उसके पिता के सुपुर्द किया गया। परिजनों ने सायफाबाद पुलिस की तत्परता एवं मानवीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुलिस कर्मियों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

दक्षिण तट रेलवे

विशाखापट्नम

हमें X@SCoRailway पर फालो करें।

खुली ई-निविदा सूचना सं. बीड़ई.इजीएसड़04ड़2026-27, दि.27-05-2026

PUB/SCoR-001

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. व दि.- . बीड़इ.29ड़।ड़इजीएसड़09ड़26-27, दि.27-05-2026

कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः अमृत स्टेशनों के लिए, 02 वर्ष वारन्टी अवधि के बाद 10 वर्ष सीएएमसी सहित हेवी ड्यूटी रिवर्सिबुल टाइप पैसेन्जर एस्केलेटर्स की डिजाइन, उत्पादन या मैन्युफैक्चर, आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन, परीक्षण, कमीशनींग तथा रखरखाव कार्यः मात्रा -16 नंबर्स। कार्य पूरा करने की अवधिः9 महिने निविदा मूल्य रु.14,68,04,111.52 अग्रधनड़बोली सुरक्षा रु.29,36,100.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु.**शून्य बंद करने की तिथिः** 18-06-2026

क्रम सं.2, निविदा सं. व दि.- . बीड़इ.29ड़।ड़इजीएसड़10ड़26-27, दि.27-05-2026

कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः तत्संबंधित डिवीजन पर विविध टाइप के बहुत पुराने जीर्ण शीर्ण अथवा खराब हुए एलइडी लाइट फिट्टिंग्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य तथा डीआरएम आफिस बिल्डिंग्स में फैकेड लाइटिंग व्यवस्थाएं।

कार्य पूरा करने की अवधिः6 महिने निविदा मूल्य रु.3,68,08,423.91 अग्रधनड़बोली सुरक्षा रु.7,36,200.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य बंद करने की तिथिः 18-06-2026

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्तेड़अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का विवरण, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी गई है कि, किसी भी निविदा की कोई भी परिवर्तनों-शुद्धिपत्र को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.15-2026 दि.01-06-2026

PUB/SCoR-003

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंताड़को-आर्ड.ड़गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2108, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः डीइएनड़पश्चिमड़जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत रेलवे विनिर्देशनानुसार, 50 एमएम गेज मशीन से कुचला गया सख्त व टिकाउ स्टोन बाल्लास्ट की आपूर्ति तथा ढेर लगाना एवम् पाकाला बाल्लास्ट डिपो पर, इसीको रेलवे हापर्सड़वैगान्स में लदान करना। (90,000 सीयुएम)।

विज्ञापित मूल्य रु.8,53,14,600.00 अग्रधन रु.17,06,300.00

क्रम सं.2, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2109, कार्य विवरणःसीआरएसड़टीपीटीवाय-ट्रैवर्सर एरिया में क्रान्क्रीट फ्लूरिंग का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य रु.4,79,98.021.87 अग्रधन रु.9,60,000.00

क्रम सं.3, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2110, कार्य विवरणःसीआरएसड़टीपीटीवायः एसडब्ल्यू ।-150 मीटर्स लम्बाई के लिए ट्रैवर्स ट्रैक का प्रावधान। एसडब्ल्यू ॥-तत्संबंधित 220 मीटर्स लम्बाई के लिए बोगी वाशींग प्लान्ट शेड के भीतर ट्रैक का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य रु.3,50,70,178.17 अग्रधन रु.7,01,400.00

क्रम सं.4, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड.-2111, कार्य विवरणःडीटीटीसीड़जीटीएल पर कवच माडल लैब का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य रु.1,13,05,298.22 अग्रधन रु.2,26,100.00

क्रम सं.5, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड.-2112, कार्य विवरणःगुंटकल डिवीजनः ट्रैक्शन आफिस बिल्डिंग का नवीनीकरण सहित फर्नीचर व बिजली व्यवस्थाएं।

विज्ञापित मूल्य रु.1,15,41,851.47 अग्रधन रु.2,30,800.00

क्रम सं.6, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड.-2113, कार्य विवरणःगुंटकल जंक्शन-पुराने जर्जर स्टोर्स बिल्डिंग के स्थान पर, डीआरएचड़जीटीएल पर नई मेडिकल स्टोर्स बिल्डिंग का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य रु.3,86,84,719.05 अग्रधन रु.7,73,700.00

क्रम सं.7, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-मध्य-2114, कार्य विवरणः मानसून वर्ष (वर्ष 2026-27) के लिए, डीइएनड़मध्यड़जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत रोड अंडर ब्रिजेस में प्रस्तावित डिवाटरिंग कार्य।

विज्ञापित मूल्य रु.58,43,520.00 अग्रधन रु.1,16,900.00

क्रम सं.8, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-2115, कार्य विवरणः आरयु-जीवाय सेक्शनः भाक्रापेटा स्टेशन पर पीक्यूआरएस डिपो के प्रस्तावित निर्माण सहित तत्संबंधित पुलों का प्रस्तावित विस्तार कार्य।

विज्ञापित मूल्य रु.3,48,88,240.22 अग्रधन रु.6,97,800.00

क्रम सं.9, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड.-2116, कार्य विवरणः गुन्टकल-60 बिस्तरों की क्षमता(एयरकंडीशन्ड) सहित सभी संबंधित सुविधाओं को प्रदान करने के द्वारा रन्निंग रूम बिल्डिंग का उन्नयन कार्य।

विज्ञापित मूल्य रु.4,70,79,485.00 अग्रधन रु.9,41,600.00

क्रम सं.10, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-मध्य-2117, कार्य विवरणः ताडीपत्रीः एसएसइ ड़सिग्नल के लिए स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-IV-01 युनिट तथा जेइड़पी.वे और जेइड़सिग्नल के लिए टाइप-॥।-02 युनिट्स वन इच का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

विज्ञापित मूल्य रु.1,16,55,468.00 अग्रधन रु.2,33,100.00

क्रम सं.11, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2118, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू ।-गुंटकल डिवीजनः धर्मावरम-100 बिस्तरों की क्षमता (एयरकंडीशन्ड) सहित सभी संबंधित सुविधाओं को प्रदान करने के द्वारा रन्निंग रुम बिल्डिंग का उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू ॥-सभी सुविधाओं सहित न्यू क्रू लाबी का निर्माण कार्य।

विज्ञापित मूल्य रु.8,84,31,274.00 अग्रधन रु.17,68,600.00

बंद करने की तिथि व समयः 26-06-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु http://ireps.gov.in पर लाग इन करें। किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/वर्क्स गुन्टकल

निविदा सूचना सं.-इलेक-टीआरएस-जीटीएल-26-27-ई-टीएन-3, दि.29-05-2026

PUB/SCoR-004

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.22-06-2026 के 12.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-इलेक-टीआरएस-जीटीएल-26-27-ई-टीएन-3, दि.29-05-2026 कार्य विवरणः इलेक्ट्रिक लोको शेड, गुन्टकल पर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज में कैब्स के थर्मल इन्सुलेशन प्रावधान सहित कैब्स में एयरकंडीशनींग का रेट्रो फिटमेन्ट कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.39,71,747.84 अग्रधन रु.79,400.00 संविदा या ठेका अवधिः 12 महिने

बंद करने की तिथि व समयः 22-06-2026 के 12.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

इस ई-निविदा में सहभागिताड़बोली लगाने हेतु ठेकेदार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

निविदाकार (निविदाकारों) को यह सलाह दी जाती है कि, उपरोक्त निविदाओं से जुडे शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे रेलवे द्वारा आनलाइन पर, तदनुसार तथा निविदा प्रस्तुति के पहले, जारी किया जायेगा।

निविदाकार, अग्रधन या इएमडी को केवल नेट बैन्किंग द्वारा ही जमा कर सकते हैं। ऐसा न करने पर आफर को अप्रत्युतरित माना जायेगा तथा आफर अस्वीकार किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंताड़इलेक्ट्रिक लोको शेडड़गुन्टकल

SCoR-A001

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.iॲeps.gov.in पर जाएं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चक दे इंडिया! 90 मिनट के मैच में दनादन 25 गोल

भारतीय बेटियों ने दागे हर 3 मिनट में एक गोल, सिंगापुर को रौंद रचा इतिहास

टोक्यो, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए सिंगापुर को 25-0 के रिकॉर्ड अंतर से रौंद दिया। पूल-ए के इस एकतरफा मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरू से लेकर अंत तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। इस ऐतिहासिक और धमाकेदार जीत के साथ ही भारत ने पूल-ए में अपने सभी मैच जीतकर अपराजित रहते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। यह अंडर-18 स्तर पर भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक है।

मैच में भारत की स्टार खिलाड़ी नम्मी गीताश्री ने अपने आक्रामक खेल से सिंगापुर के डिफेंस को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। गीताश्री ने मैच में अकेले ही 5 शानदार गोल दागे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने विपक्षी टीम को संभलने का एक भी मौका नहीं दिया और मुकाबले के चारों क्वार्टर में लगातार अंतराल पर गोल दागकर सिंगापुर की टीम को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया।

इस ऐतिहासिक मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच गीताश्री के अलावा भारत की दो और फारवर्ड बल्लेबाजों ने सिंगापुर के डिफेंस की धज्जियां उड़ा दीं। स्टार खिलाड़ी नूशिन नाज ने मैच में सबसे ज्यादा 7 गोल (8वें, 13वें, 17वें, 18वें, 40वें, 52वें और 58वें मिनट में) दागकर विपक्षी टीम को पूरी तरह घुटनों पर ला दिया। वहीं, स्वीटी कुजूर ने भी उनका बखूबी साथ निभाते हुए मैच के दूसरे ही मिनट में भारत का खाता खोला और कुल 4 शानदार गोल (2वें, 24वें, 38वें और 45वें मिनट में) अपने नाम किए। इन दोनों की जुगलबंदी के आगे सिंगापुर की गोलकीपर असहाय नजर आईं।

भारतीय टीम के इस गोल उत्सव में युवा खिलाड़ी दीया ने भी अपनी चमक बिखेरी और 27वें, 32वें और 53वें मिनट में गोल दागकर अपनी शानदार हैट्रिक पूरी की। टीम की इस सामूहिक आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मैच में भारत की तरफ से कुल 10 अलग-अलग खिलाड़ियों ने स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। प्रियंका मिंज (22वें), नैन्सी सरोहा (36वें), श्रुति कुमारी (40वें), रशमीन कौर (47वें), पुष्पा मांझी (47वें) और संदीप कुमारी (51वें मिनट) ने भी बहती गंगा में हाथ धोते हुए एक-एक गोल दागे, जिसकी बदौलत भारत ने 25-0 का यह अविश्वसनीय स्कोर बोर्ड पर टांग दिया।

इस विशाल जीत के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है और वे सेमीफाइनल के नॉकआउट मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ग्रुप स्टेज में अजेय रहने के बाद अब भारतीय टीम की नजरें इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब अपने नाम करने पर टिकी हैं। कोच ने टीम के इस प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा कि खिलाड़ी अपनी योजनाओं को मैदान पर बखूबी लागू कर रहे हैं, जो आगामी नॉकआउट मैचों के लिहाज से बेहद सकारात्मक संकेत है।

नॉर्वे चेस में प्रज्ञानानंदा ने वर्ल्ड नं-1 कार्लसन को हराया

7 दिन में दूसरी बार मात दी; आनंद से लिनारेस टूर्नामेंट में दो बार हारे थे मैग्नस

ओस्लो, 3 जून (एजेंसियां)। भारत के 20 साल के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा रमेशबाबू ने नॉर्वे चेस के आठवें राउंड में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी और पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराया। प्रज्ञानानंदा की यह टूर्नामेंट में कार्लसन के खिलाफ दूसरी जीत है।

इससे पहले 28 मई को प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन को सफेद मोहरों से मात दी थी। को प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वेजियन प्लेयर को काले मोहरों से हराया।

इस जीत के साथ आर. प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद ने लिनारेस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में कार्लसन को लगातार दो मुकाबलों में शिकस्त दी थी।

आठवें दौर के एक अन्य मुकाबले में फ्रांस के अलीरजा फिरोजा ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के गुकेश डोमराजु (डी गुकेश) को हराया। सफेद मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने टाइम प्रेशर के बीच एंडगेम में शानदार खेल दिखाया और गुकेश की गलतियों का फायदा उठाया। इस जीत से फिरोजा के 13 अंक हो गए हैं।

टूर्नामेंट लीडर वेस्ली सो और विंसेंट केमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए 'अर्मागेडन' मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत हासिल कर एक्स्ट्रा पॉइंट्स बटोरे और 14 अंकों के साथ बढ़त बरकरार रखी। प्रज्ञानानंदा 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

नॉर्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट के आठवें राउंड में भारत के लिए मिलाजुला दिन रहा। टूर्नामेंट में लीड कर रहीं बिबिसारा असाउबायेवा ने क्लासिकल मुकाबले में भारत की दिव्या देशमुख को हराया। काले मोहरों से खेल रहीं बिबिसारा ने लगातार दबाव बनाए रखा। आखिरी समय में दिव्या के पास समय कम बचा और वे मैच हार गईं। झू जिनर ने मौजूदा विमेंस वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

भारत की दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और अन्ना मुजीचुक के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद एक्स्ट्रा पॉइंट्स के लिए हुए अर्मागेडन मुकाबले में कोनेरू हम्पी ने काले मोहरों से जीत दर्ज की।

विमेंस पॉइंट्स टेबल में बीबीसारा 15.5 अंकों के साथ सबसे आगे हैं। अन्ना मुजीचुक 10.5 अंकों के साथ दूसरे और दिव्या देशमुख 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में खेला जा रहा है। इसमें दुनिया के चुनिंदा 6-6 पुरुष और महिला खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट की सबसे खास बात इसका अर्मागेडन फॉर्मेट है।

अगर दो खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मैच ड्रॉ होता है तो फैसला सडन-डेथ (अर्मागेडन) गेम से किया जाता है। इसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को ज्यादा समय मिलता है, लेकिन उसे हर हाल में जीतना होता है। मुकाबला ड्रॉ होने पर काले मोहरों वाले खिलाड़ी को विजेता मानकर एक्स्ट्रा पॉइंट दिया जाता है। इससे हर दौर में नतीजा निकलना तय होता है।

अक्तूबर से दिसंबर तक, 40 दिनों में भारत के खिलाफ 12 मैच खेलेगा न्यूजीलैंड; एनजेडसी ने जारी किया शेड्यूल

भारत बनाम न्यूजीलैंड सीरीज का पूरा शेड्यूल

तारीख	मुकाबला	स्थान
22 अक्तूबर	पहला टी20	हैगले ओवल, क्राइस्टचर्च
24 अक्तूबर	दूसरा टी20	हैगले ओवल, क्राइस्टचर्च
27 अक्तूबर	तीसरा टी20	हेनरी स्टेडियम, वेलिंगटन
30 अक्तूबर	चौथा टी20	ईडन पार्क, ऑकलैंड
1 नवंबर	पांचवां टी20	सेडन पार्क, हैमिल्टन
4 नवंबर	पहला वनडे	ईडन पार्क, ऑकलैंड
7 नवंबर	दूसरा वनडे	हेनरी स्टेडियम, वेलिंगटन
10 नवंबर	तीसरा वनडे	सेडन पार्क, हैमिल्टन
13 नवंबर	चौथा वनडे	बे ओवल, टौरंगा
15 नवंबर	पांचवां वनडे	बे ओवल, टौरंगा
19-23 नवंबर	पहला टेस्ट	बेसिन रिजर्व, वेलिंगटन
27 नवंबर-1 दिसंबर	दूसरा टेस्ट	हैगले ओवल, क्राइस्टचर्च

वेलिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बुधवार को अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र 2026/27 का कार्यक्रम जारी कर दिया। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण भारत का न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे मेजबान देश के इतिहास के सबसे बड़े द्विपक्षीय क्रिकेट दौरों में से एक माना जा रहा है। भारतीय टीम 22 अक्तूबर से एक दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड में रहेगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच कुल 12 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच शामिल हैं। करीब 40 दिनों तक चलने वाला यह दौरा पांच प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य मार्केटिंग और कमर्शियल अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने इस दौरे को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका है। जब क्रिकेट की बात आती है तो भारत से बड़ा कुछ नहीं है। हम न्यूजीलैंड के लोगों को ऐसा दौरा देने जा रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति और बढ़ती दोस्ती का उत्सव होगा।' न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस दौरे को समर्थन देने की घोषणा की है। यह समर्थन भारत और न्यूजीलैंड के बीच लगभग 100 वर्षों से चले आ रहे खेल संबंधों को समर्पित बताया गया है।

भारत का दौरा पांच मैचों की टी20 सीरीज से शुरू होगा। पहला और दूसरा टी20 क्रमशः 22 और 24 अक्तूबर को क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद तीसरा टी20 27 अक्तूबर को वेलिंगटन में होगा, जबकि चौथा मुकाबला 30 अक्तूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। पांचवां और अंतिम टी20 मैच एक नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में आयोजित होगा।

टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमें पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे।

दौरे का समापन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ होगा। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के प्रतिष्ठित बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से एक दिसंबर तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित होगा।

स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सत्रों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक प्रसारण साझेदार बनेगा। स्काई के स्पोर्ट्स कंटेंट प्रमुख गैरी बर्चेट ने कहा कि भारत का दौरा विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा आकर्षण है और इसे दर्शकों के लिए यादगार प्रसारण अनुभव बनाने की तैयारी की जा रही है। दौरे के लिए टिकटों की भारी मांग की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशंसकों को अगस्त में शुरू होने वाली विशेष प्री-सेल के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी गई है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई बड़े मुकाबले देखने को मिले हैं। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, 2023 विश्व कप सेमीफाइनल, 2024 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल और हालिया टी20 विश्व कप फाइनल जैसी प्रतियोगिताओं में दोनों टीमों की टक्कर चर्चा का विषय रही है। ऐसे में 2026 का यह लंबा दौरा क्रिकेट फैंस के लिए एक और रोमांचक अध्याय लिख सकता है।

इंग्लैंड महिला टीम ने टी-20 में भारत को हराया

सीरीज 2-1 से जीती, कैपसे-नाइट के बीच 137 रन की पार्टनरशिप

लंदन, 3 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड की महिला टीम ने तीसरे और आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में भारत को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 181 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने एलिस कैपसे (82 रन) और कप्तान हीथर नाइट (नाबाद 70 रन) की पारियों की बदौलत 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टी-20 इंटरनेशनल में यह इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन-चेज है।

12 जून से बर्मिंघम में शुरू होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप से पहले यह दोनों टीमों का आखिरी इंटरनेशनल मैच था। टॉन्टन में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 56 रन की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 38 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद कैपसे और नाइट ने मैच पलट दिया।

180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। प्लेइंग-11 में लौटीं तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने डैनी व्याट-हॉज को क्लीन बोल्ड किया। इसके बाद सोफिया डंकली (16 रन) और एमी जोन्स भी जल्दी आउट हो गईं।

38 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद एलिस कैपसे और कप्तान हीथर नाइट ने पारी संभाली। दोनों बल्लेबाज फॉर्म को लेकर दबाव में थीं। कैपसे ने 27 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 43 गेंदों में 82 रन बनाए। उनकी पारी में अरुंधति रेड्डी के एक ओवर में 15 रन और एन श्री चरणी के ओवर में 4, 6, 6 शामिल थे। दूसरी ओर हीथर नाइट ने 42 गेंदों में नाबाद 70 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 137 रन की मैच जिताऊ साझेदारी हुई।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के ओपनर्स शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना जल्दी आउट हो गई थीं। हालांकि पावरप्ले तक भारत ने 2 विकेट पर 57 रन बना लिए थे। यास्तिका भाटिया (32 रन) और जेमिमा रोड्रिग्स (29 रन) ने पारी संभाली।

7वें ओवर में 60 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर क्रीज पर आईं। उन्होंने जेमिमा के साथ 40 और दीप्ति शर्मा (32 रन) के साथ 67 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत ने 38 गेंदों में फिफ्टी पूरी की। यह उनके टी20 करियर का 17वां अर्धशतक और इंग्लैंड के खिलाफ पहली टी20 फिफ्टी है। आखिरी ओवरों में दीप्ति का विकेट गिरने से रन गति धीमी हुई और भारत 180 रन तक पहुंच सका।

आईपीएल 2026 जीतने के बाद अब ग्वालियर टीम की कप्तानी करेंगे रजत पाटीदार, एक और ट्रॉफी पर रहेंगी नजरें

भोपाल, 3 जून (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने बैक टू बैक आईपीएल खिताब जीता है. आईपीएल 2025 में टीम ने रजत पाटीदार को पहली बार कप्तान बनाया और 2 सीजन में उन्होंने टीम को दो बार चैंपियन बना दिया. आईपीएल 2026 में पाटीदार ने बल्ले से भी कमाल का प्रदर्शन किया. आरसीबी को चैंपियन बनाने के बाद अब पाटीदार को नई टीम की जिम्मेदारी मिल गई है. पाटीदार 3 जून को मध्य प्रदेश टी-20 लीग में खेलते हुए नजर आने वाले हैं. जहां पर सभी की नजरें उनके ऊपर रहने वाली हैं.

3 जून से मध्य प्रदेश टी-20 लीग की शुरुआत हो रही है. जहां पर सीजन का पहला मुकाबला ग्वालियर चीता और उज्जैन फाल्कन्स के बीच खेला जाएगा. जहां पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज रजत पाटीदार ग्वालियर टीम की भी कप्तानी करते हुए नजर आने वाले हैं. इस टीम ने पिछले सीजन सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था. ऐसे में टीम इस बार ट्रॉफी उठाने की तैयारी कर रही है. सीजन का ओपनिंग मुकाबला इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाने वाला है. पिछले सत्र में 14 विकेट लेने वाले मंगेश यादव भी उनकी ही टीम का हिस्सा हैं. वहीं आदित्य श्रीवास्तव इस टीम के मुख्य कोच बने रहने वाले हैं. श्रीवास्तव की कप्तानी में ही मध्य प्रदेश की टीम ने 2022 में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था.

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को हराया

नाथन एलिस ने चटकाए 4 विकेट

लाहौर, 3 जून (एजेंसियां)। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 41 रन से हराया। इसके साथ ही सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। नाथन एलिस ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 231 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 44 ओवरों में 190 रन पर सिमट गई। शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

51 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद जोश इंग्लिस (51 रन) और कैमरन ग्रीन (50 रन) ने संभलकर बल्लेबाजी की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की। इसके बाद मैट रेनशॉ ने 43 और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रन बनाकर टीम को 231 रन तक पहुंचाया। लाहौर की भीषण गर्मी का असर खिलाड़ियों पर दिखा। विकेटकीपर गाजी गोरी गर्मी और उमस के कारण 7 ओवर के लिए मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह रोहेल नजीर ने विकेटकीपिंग की। लौटने के बाद भी गोरी संघर्ष करते दिखे और कई गेंदें बाई के रूप में बाउंड्री पार गईं। 232 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। नाथन एलिस और मैट कुहनेमैन ने पहले दो ओवरों में दोनों ओपनर्स को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 12 ओवर के अंदर 58 रन पर पाकिस्तान के 5 विकेट गिरा दिए थे। बाबर आजम और माज सदाकत फ्लॉप रहे। एक समय पाकिस्तान की हार तय लग रही थी, लेकिन शादाब खान और अराफात मिन्हास ने छठे विकेट के लिए 59 रन जोड़े। पैर में जकड़न के बावजूद शादाब क्रीज पर डटे रहे।

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय एथलीट के एम दीक्षा डोप जांच में फेल, राष्ट्रीय खेलों में जीत चुकी हैं पदक

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। महिलाओं की 1500 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी और राष्ट्रीय खेलों की रजत पदक विजेता के एम दीक्षा डोप जांच में विफल हो गई हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। 27 साल की दीक्षा ने इस साल अप्रैल में सिर्फ एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। वह एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाई गई हैं। यह पदार्थ किस तरह का था और उनकी जांच की और जानकारी का पता नहीं चला है।

एक सूत्र ने कहा, 'हां, यह पुष्टि हो गई है कि वह डोप जांच में विफल हो गई हैं।' दीक्षा ने हाल ही में रांची में हुए फेडरेशन कप में हिस्सा नहीं लिया था जो ग्लास्गो में 2026 राष्ट्रमंडल खेल (23 जुलाई से दो अगस्त) के लिए चुने जाने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य टूर्नामेंट था। भारतीय खेल महासंघ (एएफआई) ने 13 जून को होने वाली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण के दौरान अपनी स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के क्वालिफिकेशन मानक हासिल करने के लिए योग्य एथलीट को एक और मौका दिया।

नाडा के पंजीकृत जांच पूल की एथलीट दीक्षा ने पांच अप्रैल को जयपुर में इंडियन ओपन एथलेटिक्स सीरीज दो में 1500 मीटर रेस जीतने के लिए चार मिनट 25.74 सेकेंड का समय निकाला था। उनकी टाइमिंग भी एएफआई द्वारा तय राष्ट्रमंडल खेलों के क्वालीफाइंग मानक के तौर पर तय 4:05.09 सेकेंड से काफी बाहर थी।

उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 4:04.78 है जो उन्होंने मई 2024 में बनाया था। भारत अभी अयोग्य एथलीटों की एथलेटिक्स इंटीग्रिटी इकाई (एआईयू) की सूची में शीर्ष पर है जिसमें मई 2026 के आखिर तक 154 एथलीटों को निलंबित किया गया जो कीनिया के 147 और रूस के 65 की तुलना में काफी ज्यादा है।

टी20 मुंबई लीग: अर्जुन तेंदुलकर ने छक्का जड़कर कोहली की तरह दिलाई जीत, हार गई श्रेयस अय्यर की टीम

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। अर्जुन तेंदुलकर के लिए आईपीएल 2026 सीजन लगभग गुमनामी में ही गुजरा. इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे अर्जुन को लीग स्टेज में अपनी बारी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा था. जब टीम बाहर हो गई थी तो आखिरी मैच में उन्हें मौका मिला था. आईपीएल में भले ही वो बेंच पर बैठे रहे हों लेकिन टी20 मुंबई लीग में पहले ही मैच में वो प्लेइंग-11 का हिस्सा बने और छक्का जमाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे. अर्जुन ने इस मैच में गेंद और बल्ले से छोटा लेकिन अहम योगदान दिया. इस लीग में शिवम दुबे की कप्तानी वाली अंधेरी की टीम के लिए खेलते हुए अर्जुन तेंदुलकर ने सोबो फालकन्स के खिलाफ एक विकेट लिया और फिर अंत में छक्का जमाकर टीम को जीत दिलाई. वानखेडे स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली फालकन्स सिर्फ 126 रन पर ढेर हो गई थी. इसमें बाएं हाथ के पेसर तेंदुलकर ने भी 1 विकेट लिया और 3 ओवर में सिर्फ 21 रन ही खर्च किए.

इसके बाद बारी बल्ले से कुछ योगदान देने की थी और इसमें उन्हें ज्यादा कुछ नहीं करना पड़ा. टीम के टॉप और मिडिल ऑर्डर ने लगभग पूरा काम कर दिया था. मगर 14वें ओवर में 119 रन के स्कोर पर 5वां विकेट गिरा और अर्जुन की एंट्री हुई. अपनी पहली गेंद पर उन्होंने 1 रन लिया. फिर ओवर की आखिरी गेंद पर वो स्ट्राइक पर लौटे और फिर विराट कोहली के आईपीएल फाइनल वाले अंदाज में मैच फिनिश किया.

20 साल के मेन्सिक पहली बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में

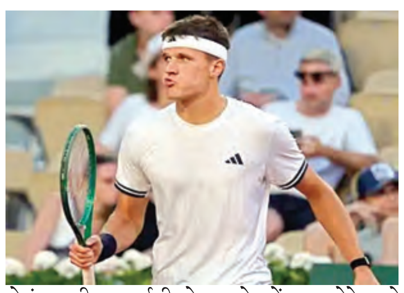

पेरिस, 3 जून (एजेंसियां)। चेक रिपब्लिक के 20 साल के खिलाड़ी याकूब मेन्सिक ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। पेरिस में खेले गए मेन्स सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में मेन्सिक ने 19 साल के ब्राजील के खिलाड़ी जोआओ फोंसेका को 6-4, 6-3, 7-6(3) से हराया।

यह मुकाबला इस साल फ्रेंच ओपन का सबसे युवा क्वार्टर फाइनल था। 2006 के बाद पहली बार दो इतने युवा खिलाड़ियों के बीच अंतिम-8 का मैच खेला गया। तब 20 साल के राफेल नडाल और 19 साल के नोवाक जोकोविच आमने-सामने थे।

अब सेमीफाइनल में मेन्सिक का मुकाबला सेकंड सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में राफेल जोदार को हराया।

याकूब मेन्सिक और ब्राजील के जोआओ फोंसेका अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। दोनों युवा खिलाड़ियों के बीच मुकाबला दो घंटे 33 मिनट तक चला।

मेन्सिक ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीते। तीसरे सेट में वे कुछ ब्रेक पॉइंट गंवाकर पीछे हो गए थे, लेकिन फोकस बनाए रखते हुए सेट को टाई-ब्रेकर में ले गए और मैच जीत लिया।

इस जीत के साथ मेन्सिक 2004 या उसके बाद पैदा होने वाले दुनिया के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक रिपब्लिक के सबसे युवा खिलाड़ी भी बने।

हैदराबाद को विश्वस्तरीय मेडिकल टूरिज्म केंद्र बनाने का प्रयास

तेलंगाना व दक्षिण अफ्रीका के संबंध और मजबूत होंगे

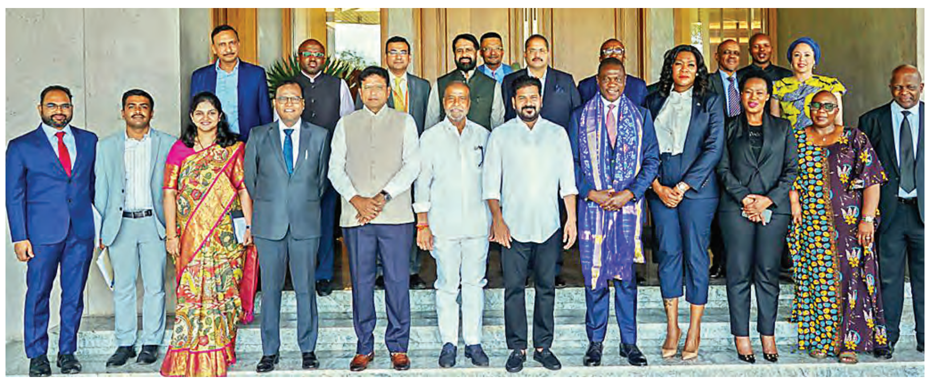

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को वैश्विक निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल माशातिले के नेतृत्व में आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विशेष बैठक की। बैठक में शिक्षा, कौशल विकास, मेडिकल टूरिज्म, उद्योग और निवेश समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

बैठक में आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला शीधर बाबू तथा स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रतिनिधिमंडल को तेलंगाना और विशेष रूप से हैदराबाद की उपलब्धियों और विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद आईटी, फार्मा, रक्षा और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार कर दुनिया को उपलब्ध करा रहा है। कई वैश्विक फॉर्च्यून-500 कंपनियों ने यहां अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित किए हैं, जिससे शहर एक प्रमुख नॉलेज हब के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में तेलंगाना की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं के कारण मध्य-पूर्व सहित कई देशों के मरीज इलाज के लिए हैदराबाद आते हैं।

आधुनिक अस्पताल, विशेषज्ञ डॉक्टर और बेहतर स्वास्थ्य अवसंरचना राज्य की पहचान बन चुके हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार हैदराबाद को विश्वस्तरीय मेडिकल टूरिज्म केंद्र बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है और इस क्षेत्र में दक्षिण अफ्रीका के साथ सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने पिछले वर्ष आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट-2025 की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे राज्य को नए निवेश अवसर प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति और वहां के उद्योगपतियों को दिसंबर 2026 में आयोजित होने वाले तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट-2026 में भाग लेने का निमंत्रण दिया। इस पर पॉल माशातिले ने बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ शामिल होने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट 30,000 एकड़ में विकसित की जा रही भारत फ्यूचर सिटी परियोजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शहर पर्यावरण-अनुकूल, नेट-जीरो मॉडल और विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जो भविष्य के उद्योगों, तकनीकी संस्थानों और अनुसंधान केंद्रों का प्रमुख केंद्र बनेगा। आईटी एवं उद्योग मंत्री शीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण, पारदर्शी नीतियां और त्वरित अनुमति प्रणाली निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी उद्यमियों को राज्य में निवेश की संभावनाएं तलाशने का आमंत्रण दिया। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि हैदराबाद बल्क ड्रग्स और वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक पहचान रखता है। सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मेगा अस्पतालों का निर्माण कर रही है। दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल माशातिले ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दशकों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि अफ्रीकन कॉन्टिनेंटल फ्री ट्रेड एरिया के माध्यम से भारतीय कंपनियों के लिए अफ्रीकी बाजारों में विस्तार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से फार्मा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने तेलंगाना सरकार की विकास योजनाओं की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक सहयोग का भरोसा जताया। अधिकारियों के अनुसार, इस बैठक से तेलंगाना और दक्षिण अफ्रीका के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, निवेश और औद्योगिक सहयोग के नए अवसर खुलेंगे तथा दोनों पक्षों के संबंध और मजबूत होंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दो दिवसीय दौरा

महबूबनगर, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कल और परसों संयुक्त महबूबनगर जिले का दो दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वे पलामुरु क्षेत्र की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे तथा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें भी करेंगे। मुख्यमंत्री 4 जून को सोमशिला में रात्रि विश्राम करेंगे और 5 जून को उड्डंडापुर में आयोजित जनसभा में शामिल होंगे। 4 जून (गुरुवार) को मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे नारायणपेट जिले के मक्तल हेलीपैड पहुंचेंगे। इसके बाद वे एमएनकेएलआईएस लिफ्ट सिंचाई योजना तथा भीमा और कृष्णा नदियों पर प्रस्तावित बैराज परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से लेंगे। बाद में वे विभिन्न परियोजना स्थलों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री कोइलसागर परियोजना और जुराला डैम क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। शाम को गुडेंदोड्डी रिजर्वायर और जेएनएलआईएस स्टेज-1 पंपहाउस का निरीक्षण किया जाएगा। इसके पश्चात वे सोमशिला पहुंचकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। 5 जून (शुक्रवार) को मुख्यमंत्री कोल्लापुर मंडल के एल्लरु पंपहाउस का दौरा करेंगे और पालमूर-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के विभिन्न पैकेजों की प्रगति का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे नर्लापूर रिजर्वायर, डिलीवरी सिस्टम और अन्य परियोजना कार्यों का हवाई निरीक्षण भी करेंगे। दोपहर में मुख्यमंत्री कारीवेन रिजर्वायर सहित कई सिंचाई परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे मीडिया से भी बातचीत कर सकते हैं। शाम को मुख्यमंत्री उड्डंडापुर रिजर्वायर परियोजना का निरीक्षण करने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के बाद वे हैदराबाद लौट जाएंगे। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस दौरे का उद्देश्य पलामूर क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और विकास कार्यों को गति देना है।

टोलीचौकी पुलिस ने लूटकांड का किया खुलासा

आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टोलीचौकी पुलिस ने एक वरिष्ठ नागरिक महिला के साथ हुई लूट और हमले की घटना का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन, चार कृत्रिम चूड़ियां, एक काले मनकों की चेन तथा एक जियो कीपैड मोबाइल बरामद किया है। बरामद संपत्ति की कुल कीमत लगभग 18 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला टोलीचौकी थाने के अपराध संख्या 289/2026 के तहत दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता 77 वर्षीय आशा सक्सेना ने 31 मई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पति की देखभाल के लिए एक होम केयर सर्विस के माध्यम से एक केयरटेकर नियुक्त किया था। शिकायत के अनुसार, 31 मई की शाम करीब 4 बजे जब उनके पति अपने कमरे में आराम कर रहे थे और वह स्वयं अपने कमरे में थीं, तभी केयरटेकर पुन्ना कुमार स्वामी ने कथित रूप से उन पर हमला किया। आरोप है कि उसने बेडशीट से उनका गला दबाने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट की और उनका मोबाइल फोन, उनके पति का मोबाइल फोन, चार कृत्रिम चूड़ियां छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपी को सिकंदराबाद के पॉट मार्केट इलाके से गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि वह चोरी किए गए सामान को बेचने की कोशिश कर रहा था और अपने गृह जनपद शीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) भागने की तैयारी में था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 45 वर्षीय पुन्ना कुमार स्वामी के रूप में हुई है, जो एक होम केयर सर्विस में कार्यरत था। पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और वह पूर्व में भी विभिन्न मामलों में शामिल रहा है। इस मामले का खुलासा टोलीचौकी थाना प्रभारी एल. रमेश नायक, अतिरिक्त निरीक्षक जी. बालराज, एसआई एस. रवि कुमार तथा अपराध शाखा की टीम ने किया। कार्रवाई एसीपी सैयद फियाज के पर्यवेक्षण और डीसीपी जी. चंद्र मोहन के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अधिकारियों ने टीम की त्वरित कार्रवाई और पेशेवर कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि इससे आरोपी की गिरफ्तारी और लूटे गए सामान की बरामदगी संभव हो सकी।

तेलंगाना में छह जून से व्यापक वर्षा के आसार

कई जिलों में तेज आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने तेलंगाना में मौसम के मिजाज में बड़े बदलाव का संकेत देते हुए शुक्रवार तक कई जिलों और शनिवार से पूरे राज्य में व्यापक गरज के साथ वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग ने कई जिलों में तेज हवाओं और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार, गरज-चमक और वर्षा की गतिविधियों के प्रभाव से राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जिन क्षेत्रों में तीव्र वर्षा और तूफान की स्थिति बनेगी, वहां तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से नीचे भी जा सकता है।

अगले दो दिनों के दौरान आदिलाबाद, कुमुराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा, जनगांव और सिद्दीपेट जिलों में बिजली गिरने तथा 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गंभीर तूफान की संभावना जताई गई है। वहीं, यदाद्रि भुवनगिरि, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नगरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलंबा गडवाल जिलों के लिए मध्यम तीव्रता के तूफान की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 6 जून से राज्य के सभी जिलों में बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाली वर्षा होने की संभावना है। साथ ही, अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने तथा बिजली गिरने और तेज हवाओं से बचाव संबंधी सावधानियां बरतने की अपील की है।

'वन वार्ड एवरी डे' अभियान के तहत पुडूर-किस्तापुर वार्ड का निरीक्षण

सड़कों के चौड़ीकरण और सुधार की मांग उठाई गई

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 'वन वार्ड एवरी डे' पहल के तहत साइबराबाद नगर निगमकी आयुक्त जी. सृजना ने बुधवार को मेदचल सर्कल के कुतुबुल्लापुर ज़ोन अंतर्गत पुडूर-किस्तापुर वार्ड का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की नागरिक सुविधाओं, आधारभूत संरचना और विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का आकलन किया तथा स्थानीय निवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न हितधारकों से मुलाकात की। नागरिकों ने मुख्य रूप से सड़क, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, झील संरक्षण और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएँ उनके समक्ष रखीं। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी, जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने, पर्यावरण संरक्षण उपायों को बढ़ाने तथा तेजी से बढ़ती आबादी के अनुरूप नागरिक सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य रूप से पुडूर गाँव में आंतरिक सीसी सड़कों के निर्माण तथा आर एंड बी सड़कों के चौड़ीकरण और सुधार की मांग उठाई गई, जिससे यातायात सुगम हो सके और आवागमन बेहतर हो। निवासियों ने निरंतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, चिन्हित स्थानों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की स्थापना कर जल प्रदूषण रोकने तथा बढ़ती जल मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ओवरहेड वाटर टैंक (ओएचटी) के निर्माण की भी मांग की। इसके साथ ही एर्रम चेरुवु और मोथुलाकुंटा चेरुवु जैसे स्थानीय जलाशयों के संरक्षण और विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया, ताकि जल स्रोतों की सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन और अतिक्रमण की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, कई क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटों की कमी की समस्या भी सामने रखी गई, जिससे सुरक्षा, दृश्यता और आवागमन की सुविधा प्रभावित हो रही है। आयुक्त ने सभी मुद्दों का विस्तृत आकलन करने, संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा चरणबद्ध एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता वाले कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने दोहराया कि 'वन वार्ड एवरी डे' पहल का उद्देश्य नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना, स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करना और हर वार्ड के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। आयुक्त ने कहा कि लगातार फील्ड विज़िट और नागरिकों के साथ संवाद के माध्यम से साइबराबाद नगर निगम शहरी क्षेत्रों में बेहतर बुनियादी ढांचा, प्रभावी सेवा वितरण और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

निलंबित सीआईएसएफ कांस्टेबल 79 लाख रुपये के गांजे के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट की टास्क फोर्स (जुबली हिल्स ज़ोन) और एसआर नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 158 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए गांजा, कार और मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 79 लाख रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 39 वर्षीय पनागुडु शिवा कृष्णा के रूप में हुई है, जो केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में कांस्टेबल था।

पुलिस के अनुसार वह 12 सितंबर 2025 से निलंबित चल रहा था। आरोपी मूल रूप से आंध्र प्रदेश के अल्लरी सीताराम राजू जिले का निवासी है और वर्तमान में केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 158 किलो सूखा गांजा, एक कार तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई 2 जून 2026 की रात करीब 9:20 बजे एसआर नगर स्थित नेचर क्योर अस्पताल के पास की गई। जांच में सामने आया है कि आरोपी वर्ष 2009 में सीआईएसएफ में भर्ती हुआ था और बाद में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) में प्रतिनियुक्ति पर भी कार्य कर चुका था। पुलिस का आरोप है कि आर्थिक कर्ज के कारण उसने गांजा तस्करी के अवैध कारोबार में प्रवेश किया और कमीशन के आधार पर विभिन्न राज्यों में मादक पदार्थों की आपूर्ति करने लगा।

पुलिस के अनुसार आरोपी ओडिशा से गांजा प्राप्त कर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कथित तस्करों एवं ड्रग पेडलरों तक पहुंचाता था। आरोप है कि वह अपनी पहचान छिपाने और जांच से बचने के लिए कई बार सीआईएसएफ पहचान पत्र का दुरुपयोग भी करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी पहले भी वर्ष 2025 में भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के दम्मापेट थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उस मामले में जेल जाने के बाद उसे सेवा से निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, जेल से रिहा होने के बाद भी उसने कथित रूप से गांजा तस्करी की गतिविधियां जारी रखीं। टास्क फोर्स के अधिकारियों ने कहा कि मादक पदार्थ समाज के लिए गंभीर खतरा हैं और युवाओं के भविष्य, परिवारों तथा करियर को बर्बाद कर सकते हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध मादक पदार्थ गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि हैदराबाद को नशामुक्त शहर बनाने के प्रयासों को मजबूती मिल सके।

यह कार्रवाई टास्क फोर्स के इंस्पेक्टर च. यादेंदर, उपनिरीक्षक डी. रविराज और उनकी टीम ने एसआर नगर पुलिस के सहयोग से की। मामले की निगरानी टास्क फोर्स के डीसीपी आईपीएस अधिकारी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ द्वारा की गई।

चोरी मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित टोलीचौकी पुलिस स्टेशन में 200 गुम/चोरी मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए।

कुल 26 गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख है। यह सभी मोबाइल फोन सीईआईआर पोर्टल की सहायता से तकनीकी जांच एवं ट्रैकिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों—बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र से बरामद किए गए। इस सफल कार्रवाई का संचालन टॉलीचौकी डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सैयद फियाज के पर्यवेक्षण में किया गया। इस दौरान निरीक्षक एल. रमेश नायक, अतिरिक्त निरीक्षक जी. बालराज, डीएसआई एस. रवि कुमार तथा क्राइम टीम का विशेष योगदान रहा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल की मदद से खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की ट्रैकिंग और रिकवरी प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से अंजाम दिया गया। मोबाइल फोन प्राप्त करने के बाद सभी लाभार्थियों ने पुलिस की तत्परता एवं सफल कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। एसीपी ने आम जनता से अपील की कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें तथा निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करें, जिससे शीघ्र कार्रवाई संभव हो सके।

25 किलोमीटर दूर जाकर पक्षियों की प्यास बुझा रहा युवक

सेवा भावना की हो रही सराहना

संगारेड्डी, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना-कर्नाटक सीमा क्षेत्र में एक युवक अपनी अनूठी सेवा भावना से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। कर्नाटक के बीदर जिले के कोल्लर गांव निवासी 30 वर्षीय रियाज़ पाशा पिछले कई वर्षों से भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके लिए वह मोटरसाइकिल से 25 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर तेलंगाना के देगुलवाड़ी गांव पहुंचते हैं। एक किसान परिवार से आने वाले रियाज़ को पक्षियों की देखभाल का विचार वर्ष 2016 में आया, जब उन्होंने अपने गांव के निकट पक्षियों को पानी की तलाश में भटकते देखा। उस समय उन्होंने स्वयं पानी भरकर पक्षियों के लिए रखे पात्रों को भरना शुरू किया। धीरे-धीरे बड़ी संख्या में पक्षी वहां आने लगे और उनका यह प्रयास नियमित अभियान में बदल गया।

लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर रियाज़ ने अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों में पेड़ों पर प्लास्टिक की बोतलें, नारियल के खोल और अन्य पात्र टांगकर उनमें पानी भरना शुरू कर दिया।

पिछले दस वर्षों से वह गर्मी के मौसम में लगातार यह सेवा कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान उन्होंने देखा कि तेलंगाना में एक जलधारा पूरी तरह सूख चुकी है, जहां पहले बड़ी संख्या में पक्षी आते थे। इसके बाद उन्होंने वहां पेड़ों पर लगभग 50 पानी के पात्र लगाए। तब से वह मार्च, अप्रैल और मई के महीनों में प्रत्येक दूसरे दिन मोटरसाइकिल से पानी लेकर पहुंचते हैं और इन पात्रों को भरते हैं। रियाज़ केवल पानी ही नहीं, बल्कि पक्षियों के लिए चावल, बाजरा और अन्य अनाज भी लेकर जाते हैं। समाज कार्य में स्नातकोत्तर रियाज़ एक गैर-सरकारी संगठन में कार्यरत हैं तथा वन्यजीव संरक्षण गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। वे छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ घायल पक्षियों और वन्य जीवों के बचाव कार्य में भी सहयोग करते हैं। रियाज़ का कहना है कि पक्षियों को पानी पीते और भोजन करते देख उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है। वहीं, देगुलवाड़ी के निवासी विट्ठल के अनुसार रियाज़ के समर्पण से प्रेरित होकर क्षेत्र के कई लोगों ने भी अपने घरों के आसपास पक्षियों के लिए पानी के पात्र रखना शुरू कर दिया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.